MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 02 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-119

महँगाई बम ‘ब्लास्ट’

कमर्शियल गैस सिलेंडर 993 रुपये बढ़ा

नयी दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) । कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी ने आम लोगों से लेकर छोटे कारोबारियों तक की चिंता बढ़ा दी है। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में रिकॉर्ड 993 की बढ़ोतरी कर दी है, जिसके बाद दिल्ली में इसकी कीमत 3,071.5 तक पहुंच गई है। यह लगातार तीसरा महीना है जब दाम बढ़े हैं और कुल मिलाकर तीन महीनों में 1,303 तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

इस फैसले के पीछे वैश्विक बाजार में बढ़ती ऊर्जा कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को मुख्य वजह माना जा रहा है, जिसने सप्लाई चेन पर गहरा असर डाला है। हालांकि घरेलू रसोई गैस के दाम फिलहाल स्थिर रखे गए हैं, लेकिन कमर्शियल गैस महंगी होने से होटल, ढाबे और रेस्टोरेंट कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कीमतों में इस बेतहाशा वृद्धि से छोटे दुकानदार और रेस्टोरेंट मालिक सकते में हैं। दुकानदारों का कहना है कि चुनाव खत्म होते ही यह बढ़त तय मानी जा रही थी। दिल्ली के एक रेस्टोरेंट संचालक ने आज तक से बात करते हुए कहा, आम आदमी की सैलरी नहीं बढ़ी है, लेकिन खर्च दोगुना हो गया है। आज भी एक मजदूर 50 से 100 रुपये में पेट भरना चाहता है, लेकिन अब हम पुराने रेट पर खाना नहीं खिला पाएंगे। हमारे पास या तो मेन्यू में कटौती करने का विकल्प है या फिर खाने के दाम बढ़ाने का।

दिल्ली के खालसा रेस्टोरेंट मालिक ने बताया, अभी हमें कोई हल नहीं सूझ रहा है। हम सोच रहे हैं कि क्या स्टाफ कम करें, मेन्यू से कुछ चीज़ें हटा दें, या शायद रेस्टोरेंट को पूरी तरह से बंद ही कर दें। यह हमारा पारिवारिक रेस्टोरेंट है, और लोग यहां घर जैसा खाना खाने आते हैं। अगर हम कुछ चीज़ें कम करेंगे, तो हमारे पास कीमतों को परोक्ष रूप से बढ़ाने के अलावा कोई और चारा नहीं बचेगा। लखनऊ के रहने वाले एक दुकानदार ने आजतक से बात करते हुए कहा, अब हर चीज के दाम बढ़ाने पड़ेंगे। जो चाय 15 की थी वह 20 की करनी पड़ेगी, ▶8पर

जीएसटी कलेक्शन 2.42 लाख करोड़

यह अब तक सबसे ज्यादा

नयी दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) । भारत के ग्रॉस जी.एस.टी कलेक्शन ने अप्रैल महीने में 2.42 लाख करोड़ का नया रिकॉर्ड बनाया। सरकारी डेटा के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के मुकाबले इसमें 8.7% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे पहले सबसे ज्यादा कलेक्शन अप्रैल 2025 में 2.23 लाख करोड़ रहा था।

आमतौर पर हर साल अप्रैल के महीने में टैक्स कलेक्शन मजबूत रहता है। इसका मुख्य कारण यह है कि मार्च में वित्त वर्ष खत्म होते समय कंपनियां अपने पूरे साल के खातों का मिलान (रिकन्सिलिएशन) करती हैं। इसके चलते बकाया टैक्स का भुगतान अप्रैल में किया जाता है।

अप्रैल 2026 में नेट जी.एस.टी कलेक्शन 2.11 लाख करोड़ दर्ज किया गया। इसमें सालाना आधार पर 7.3% की ग्रोथ देखी गई है। कुल रिफंड पिछले साल के मुकाबले 19.3% बढ़कर 31,793 करोड़ पर पहुंच गया है। ▶8पर

ORR पर भीषण हादसा

एक ही परिवार के 6 की मौत

हैदराबाद, 1 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) शमशाबाद के पास आउटर रिंग रोड (ORR) पर Exit-16 के निकट एक भयावह सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

दुर्घटना तब हुई जब तेज रफ्तार से जा रही कार सड़क किनारे खड़े एक लॉरी से टकरा गई। कार इतनी जोर से टकराई कि वह लॉरी के पिछले हिस्से के नीचे फंस गई।

Exit-16 पर घटी दुर्घटना

पुलिस के अनुसार, तेज गति से आ रही कार ने सड़क पर खड़ी लॉरी में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कार पूरी तरह से लॉरी के नीचे दब गई और सवारियों को बाहर निकालना बेहद मुश्किल हो गया। दुर्घटना में कार में सवार सात लोगों में से छह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को तुरंत ट्राइडेंट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

मृतकों की पहचान सिरसिला के मूल निवासी के रूप में हुई है, जो वर्तमान में हैदराबाद में रह रहे थे। परिवार यादगिरीगुट्टा से लौट रहा था। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। कार के लॉरी के नीचे फंसे होने के कारण शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

प्रारंभिक जांच में ओवरस्पीडिंग को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस आगे की जांच कर रही है और दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगा रही है।

खुद की सुरक्षा नहीं कर सकते सैन्य ठिकाने

अमेरिका कागजी शेर: खामेनेई

तेहरान, 02 मई (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका पर तीखा हमला बोलते हुए पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को 'कागज़ी शेर' बताया है। उन्होंने कहा कि ये ठिकाने खुद की सुरक्षा भी नहीं कर सकते, तो क्षेत्र की सुरक्षा कैसे करेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए खामेनेई ने अमेरिका के सहयोगी देशों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, अमेरिका के कागज़ी शेर जैसे ठिकाने खुद को भी सुरक्षित नहीं रख सकते, क्षेत्र के अमेरिकी समर्थकों की सुरक्षा तो दूर की बात है। मोजतबा यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और इसे कम करने की कूटनीतिक कोशिशें भी जारी हैं।

एक अन्य पोस्ट में खामेनेई ने फारस की खाड़ी को सिर्फ पानी का क्षेत्र नहीं, बल्कि अपनी पहचान और सभ्यता का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र देशों को जोड़ने वाला और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम रास्ता है। पर्शियन गल्फ डे के मौके पर जारी संदेश में खामेनेई ने कहा कि आने वाले समय में खाड़ी क्षेत्र अमेरिका की मौजूदगी से मुक्त होगा। ▶8पर

क्या यूएई भी इस बार होगा ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल?

दुबई, 02 मई (एजेंसियां) । पश्चिम एशिया में जारी जंग अभी रुकी हुई है। ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर चल रहा है। दोनों देशों के बीच टेलीफोन पर बातचीत भी जारी है, लेकिन बीच-बीच में दोनों तरफ से चल रहे बयानी तीर इस 'शांति' के भविष्य पर सस्पेंस उत्पन्न कर रहे हैं। इन तमाम अगर-मगर के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के ताजा कदम ने हलचल मचा दी है। यूएई ने अपने नागरिकों के ईरान, इराक और लेबनान की यात्रा करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस आदेश की जानकारी दी है। ▶8पर

मतगणना सुप्रीम कोर्ट में!

सुपरवाइजर बंगाली क्यों नहीं

कोलकाता/ नयी दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) । पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने वोटों की गिनती के दौरान सुपरवाइज़र की नियुक्ति को लेकर चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देते हुए अब सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया का रुख किया है। टीएमसी ने इससे पहले इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने उनकी मांग को खारिज कर दिया था और राहत देने से इनकार कर दिया था। अब उसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, रविवार को छुट्टी के बावजूद सुप्रीम कोर्ट की 2 जजों की बेंच सुबह 10:30 बजे से केस की सुनवाई करेगी। सीजेआई ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं। टीएमसी की याचिका को जस्टिस पमिदिघनतम श्री नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष आज सूचीबद्ध किया जाएगा। पूरा विवाद चुनाव आयोग के उस निर्णय को लेकर है, जिसमें कहा गया है कि वोटों की गिनती के दौरान केवल केंद्र सरकार और पब्लिक सेक्टर यूनिट्स (पीएसयू) के कर्मचारियों को ही काउंटिंग सुपरवाइज़र और असिस्टेंट के रूप में तैनात किया जाएगा। टीएमसी का कहना है कि इस फैसले से राज्य सरकार के कर्मचारियों को पूरी तरह बाहर कर दिया गया है, जो निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। वहीं, कलकत्ता हाईकोर्ट ने अपने फैसले में चुनाव आयोग के इस आदेश को वैध बताया था। कोर्ट ने कहा था कि काउंटिंग प्रक्रिया में कोई अवैध हस्तक्षेप नहीं किया गया है और यह नियुक्ति चुनाव आयोग के ▶8पर

अब ‘ल्यारी ऑफ बंगाल’ पर जुबानी जंग

कोलकाता, 02 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मतगणना की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, सियासी पारा तेजी से चढ़ता जा रहा है। एक दिन पहले ईवीएम की सुरक्षा को लेकर टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प हुई थी, अब ‘ल्यारी ऑफ बंगाल’ को लेकर दोनों तरफ के नेता भिड़ गए हैं। बता दें कि ल्यारी पाकिस्तान के कराची का एक इलाका है, जिसे हालिया बॉलीवुड फिल्म ‘धुरंधर’ में आपराधिक सिंडिकेट, गैंगवॉर और भारत विरोधी गतिविधियों के गढ़ के तौर पर दिखाया गया है।

अजय शर्मा बनाम जहांगीर खान विवाद, ‘वो सिंघम हैं तो मैं पुष्पा हूं’

दरअसल, डायमंड हार्बर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। हाल ही में यहां का फाल्टा इलाका 'सिंघम' के नाम से चर्चित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा और टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के बीच विवाद को लेकर चर्चा में रहा था। यूपी कैडर के आईपीएस अजय पाल शर्मा सोमवार को टीएसी कैंडिडेट के घर पहुंचे थे और चेतावनी दी थी कि अगर वोटरों को डराया धमकाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^{0}
न्यूनतम : 27^{0}

खेड़ा को सशर्त अग्रिम जमानत

नयी दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी। मामला असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये आरोप लगाए थे। इसके बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने खेड़ा के दिल्ली स्थित घर पर रेड की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रभावित लगते हैं। लेकिन पवन खेड़ा को असम पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा और वे बिना अदालत की अनुमति के भारत नहीं छोड़ सकते। कोर्ट के फैसले के बाद जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर कहा कि 60 पुलिसवालों को खेड़ा के घर पर भेज दिया। भारी संख्या में पुलिस भेजने का कारण सिर्फ डराना और उत्पीड़न करना था। कोर्ट की सुनवाई खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री को तीन पन्नों में कोट किया है। ऐसी कई बातें हैं जो न न्यायालय कोट कर सकता है और न हम यहां बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में असम के मुख्यमंत्री को सोचना चाहिए कि क्या एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ये शोभा देता है? हम चाहते हैं कि असम के मुख्यमंत्री इस बारे में गंभीरतापूर्वक विचार कर खेद व्यक्त करें। ▶8पर

हाईकोर्ट में आया अनोखा मामला

सगी बहनें चाहती हैं पतियों की अदला-बदली

ग्वालियर, 02 मई (एजेंसियां) । मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में एक अनोखा मामला सामने आया, जिसने कोर्ट रूम से लेकर आम लोगों तक को चौंका दिया। अपहरण के आरोप से शुरू हुआ मामला सुनवाई के दौरान एक पारिवारिक विवाद में बदल गया, जिसमें दो सगी बहनों ने अपने पतियों की अदला-बदली की इच्छा जाहिर कर दी।

मामले की शुरुआत दतिया निवासी गिरिजा शंकर द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से हुई। इसमें आरोप लगाया गया कि मायाराम नामक व्यक्ति ने उसकी पत्नी और बेटी को बंधक बना रखा है। इस पर हाईकोर्ट ने पुलिस को महिला को पेश करने के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान महिला को कोर्ट में पेश किया गया तो पूरे मामले ने मोड़ ले लिया। महिला ने कहा कि उसका अपहरण नहीं हुआ है, बल्कि वह अपनी मर्जी से मायाराम के साथ रह रही है, जो उसका सगा दामाद है। वह अपने पति से अलग होने के लिए पहले ही तलाक की अर्जी दाखिल कर चुकी है।

मामले में तब और चौंकाने वाला मोड़ आया जब मायाराम की पत्नी ने आपत्ति नहीं जताई। उल्टा उसने कोर्ट में कहा कि अगर बड़ी बहन उसके पति के साथ रहना चाहती है, तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। उसने भी अपने जीजा के साथ रहने की इच्छा जाहिर कर दी। दोनों बहनों ने अदालत के सामने कहा कि वे अपने वर्तमान वैवाहिक जीवन से संतुष्ट नहीं हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे के पति के साथ नया जीवन शुरू करना चाहती हैं। खास बात यह है कि दोनों महिलाओं के बच्चे भी हैं।

पूरे घटनाक्रम को देखते हुए हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि चूंकि दोनों महिलाएं बालिग हैं और अपनी इच्छा से निर्णय ले रही हैं, इसलिए इसे अपहरण का मामला नहीं माना जा सकता। ▶8पर

मध्य पूर्व में हाइपरसोनिक मिसाइल सिस्टम तैनात करने की तैयारी कर रहा अमेरिका

सेंट्रल कमांड ने लंबे समय से अटके डार्क ईगन सिस्टम को भेजने का किया अनुरोध

वाशिंगटन

अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित इस्तेमाल के लिए मध्य पूर्व में हाइपरसोनिक मिसाइल सिस्टम तैनात करने की तैयारी कर रहा है। अगर ऐसा होता तो यह इस हथियार की पहली आपरेशनल तैनाती होगी। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सेना के लंबे समय से अटके डार्क ईगन सिस्टम को इस क्षेत्र में भेजने का अनुरोध किया है। इसका मकसद अमेरिकी सेना को ईरान के अंदरूनी हिस्सों में मौजूद बैलिस्टिक मिसाइल लान्चरों पर हमला करने की क्षमता देना अगर इसे मंजूरी मिल जाती है तो यह पहली बार होगा जब अमेरिका किसी हाइपरसोनिक हथियार सिस्टम तैनात करेगा। इस सिस्टम को तैयार होने में कई साल की देरी हुई है और इसे अभी तक पूरी तरह से आपरेशनन घोषित नहीं किया गया है।

रिपोर्ट में एक व्यक्ति ने बताया कि सेना के लिए अनुरोध प्रस्तुत करने में इस कदम को यह कहकर उचित ठहराया गया है कि ईरान ने अपने लान्चरों को सटीक मिसाइल हमले की सीमा से बाहर कर दिया है, जो 480 किमी से ज्यादा दूरी के लक्ष्यों को भेद सकता है। शख्स ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अभी तक अनुरोध पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह अनुरोध इस बात का संकेत है कि ईरान के साथ युद्धविराम भले ही लागू है, लेकिन ट्रंप आगे बढ़ने का फैसला करते हैं, तो अमेरिका हमला करने की तैयारी में है।

अगर इस फैसले को मंजूरी मिल जाती है तो यह अमेरिका के रणनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के लिए संकेत होगा कि आखिरकार पेंटागन के पास भी हाइपरसोनिक मिसाइल की क्षमता हासिल हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

यूएई ने अपने नागरिकों के ईरान, लेबनान, इराक जाने पर रोक लगाई

अबू धाबी । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने नागरिकों के ईरान, लेबनान और इराक जाने पर रोक लगा दी है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि वह क्षेत्र में मौजूदा घटनाक्रमों को देखते हुए अपने नागरिकों के ईरान, लेबनान और इराक जाने पर रोक लगा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यूएई के विदेश मंत्रालय ने इन देशों में मौजूद अपने सभी नागरिकों से भी आग्रह किया कि वे जितनी जल्दी हो वहां से निकलें और सीधे संयुक्त अरब अमीरात लौट आएं। उधर, इस समय अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के कारण संयुक्त अरब अमीरात भारी आर्थिक और रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से यूएई का तेल निर्यात बाधित हुआ। अमेरिका और खाड़ी देशों से पर्याप्त समर्थन न मिलने के कारण यूएई ने अपनी स्वतंत्र नीति अपनाते हुए 60 साल पुराना ओपेक संगठन छोड़ दिया है। ईरान ने यूएई के तेल प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों और औद्योगिक क्षेत्रों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया है। खाड़ी सहयोग परिषद और अमेरिका से पर्याप्त सैन्य-राजनीतिक समर्थन न मिलने के कारण यूएई ने इस रुख की खुलकर आलोचना की। इससे खाड़ी देशों के पारंपरिक गठबंधन में दरार आ गई है। युद्ध और हमलों के डर से विदेशी पर्यटकों और प्रवासियों ने यूएई (विशेष रूप से दुबई) से दूरी बना ली है। अपनी सुरक्षा और नुकसान की भरपाई के लिए यूएई ने अमेरिका से वित्तीय गारंटी की मांग की है।

भविष्य की कारें सिर्फ चलेंगी नहीं, उड़ेंगी-सोचेंगी और खुद फैसले लेंगी

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में शुरू हुए आटो शो 2026 में भविष्य की आटोमोबाइल इंडस्ट्री का चेहरा साफ नजर आ रहा है। 3.8 लाख वर्गमीटर में फैले मेगा इवेंट में 1,450 से ज्यादा वाहन और 181 ग्लोबल डेब्यू पेश हो रहे हैं। चीन और ग्लोबल कंपनियों ने भविष्य की कारों और ईवीटोल (उड़ने वाले वाहनों) के इसतरह के कान्सेप्ट पेश किए हैं जो आने वाले समय में ड्राइविंग की दुनिया बदल देने वाले हैं। फ्यूचर की कार अवतार की यह 5.8 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक ग्रैंड टूरर एक मोबाइल स्पेस जैसा डिजाइन पेश करता है। ग्लास रूफ, पिलरलेस डोर और प्रिजमैटिक केबिन कार से ज्यादा एक लग्जरी अनुभव बनाते हैं। इसमें आटोनामस हार्डवेयर और 99 प्रतिशत एफिशिएंसी वाली मोटर दी गई है। गीली ने आटोनामस रोबोटैक्सी पेश की है। इसमें स्टीयरिंग व्हील नहीं है। आमने-सामने सीटिंग और सेंसर-आधारित नेविगेशन सिस्टम पूरी तरह ड्राइवरलेस बनाते हैं। अत्याधुनिक तकनीक खुद फैसला लेने में सक्षम बनाती है।

ट्रंप प्रशासन में अंतर्कलहः क्या पीट हेगसेथ दे रहे हैं युद्ध की गलत जानकारी

वाशिंगटन। वाशिंगटन से आ रही ताजा रिपोर्ट्स ने अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के दौरान ट्रंप प्रशासन के भीतर एक गहरे रणनीतिक मतभेद को उजागर किया है। रिपोर्ट के अनुसार, उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस को यह गंभीर संदेह है कि पेंटागन के शीर्ष अधिकारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को युद्ध की वास्तविक जमीनी स्थिति से अवगत नहीं करा रहे हैं। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स आफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन पिछले आठ हफ्तों से चल रहे सैन्य अभियानों की सफलता के बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। उनका कहना है कि अमेरिकी सेना ने ईरानी वायु सेना, नौसेना और महत्वपूर्ण रक्षा बुनियादी ढांचे को लगभग नेस्तनाबूद किया है और अमेरिका का हथियारों का भंडार अभी भी पर्याप्त स्तर पर बना हुआ है। हालांकि, वेंस ने बंद दरवाजों के पीछे हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में इन दावों की प्रमाणिकता पर बार-बार कड़े सवाल उठाए हैं। वेंस का मानना है कि ट्रंप के समक्ष पेश की जा रही युद्ध की गुलाबी तस्वीर हकीकत से कोसों दूर है। उन्हें विशेष रूप से अमेरिकी मिसाइल भंडार में आ रही भारी गिरावट की चिंता है। रिपोर्ट में प्रशासन के वरिष्ठ सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि वेंस ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान के खिलाफ इसी तीव्रता से मिसाइलों और हथियारों का उपयोग जारी रहा, तब भविष्य में चीन, उत्तर कोरिया या रूस जैसी महाशक्तियों के साथ किसी भी संभावित बड़े संघर्ष के लिए अमेरिका के पास संसाधनों की भारी किल्लत होगी।

नेपाल संपत्ति जांच आयोग का दायरा तय, राष्ट्रपति और मौजूदा जजों को रखा गया इससे बाहर

काठमांडू

नेपाल सरकार ने प्रधानमंत्री से लेकर उपसचिव स्तर या उसके समान सार्वजनिक पदाधिकारियों की संपत्ति की जांच की व्यवस्था करते हुए संपत्ति जांच आयोग को कार्यादेश (टर्म्स आफ रेफरेंस) सौंप दिया। दो सप्ताह पहले गठित इस आयोग का कार्यादेश गुरुवार को राजपत्र में प्रकाशित किया गया। इसी के साथ आयोग के औपचारिक रूप से काम शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। कार्यादेश के अनुसार, वर्तमान न्यायाधीशों और नेपाली सेना के पदाधिकारियों के खिलाफ आयोग सीधे जांच नहीं कर पाएगा। जांच के दायरे में आने वालों की सूची में वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति शामिल नहीं है, लेकिन उनके सचिवालयों के अधिकारी इसमें शामिल होंगे।

कार्यादेश में कहा गया है कि सार्वजनिक पद पर रहे या सेवानिवृत्त हो चुके पदाधिकारी और उनके परिवार के नाम पर देश और विदेश में मौजूद संपत्तियों का विवरण एकत्र कर उसकी जांच की जाएगी। सरकार ने उच्चतम न्यायालय के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश राजेन्द्रकुमार भण्डारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आयोग का गठन किया है। आयोग में पूर्व मुख्य न्यायाधीश पुरुषोत्तम पराजुली, पूर्व न्यायाधीश चण्डीराज ढकाल, पूर्व डीआईजी गणेश केसी और चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रकाश लम्साल सदस्य हैं।

आयोग को देश में लोकतंत्र पुनर्स्थापना के बाद सभी पूर्व प्रधानमंत्री से लेकर सहायक मंत्री तक और संविधान सभा सदस्य सहित सभी सांसदों की संपत्ति की जांच का अधिकार दिया गया है। संवैधानिक निकायों के पूर्व प्रमुख, पूर्व न्यायाधीश और सहसचिव स्तर के सेवानिवृत्त नेपाली सेना अधिकारी भी जांच के दायरे में आएंगे। राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, महान्यायाधिवक्ता से लेकर प्रदेश स्तर पर राजनीतिक तथा संवैधानिक नियुक्ति पाने वाले अधिकारी भी जांच के दायरे में होंगे। इसी तरह स्थानीय तह के प्रमुख, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा जिला समन्वय समिति के पदाधिकारी भी जांच के अधीन होंगे।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का पद सूची में शामिल नहीं है, लेकिन उनके सलाहकार, निजी सचिव और अन्य सहयोगी पदाधिकारी जांच के दायरे में आएंगे। चाहे वे राज्यकोष से सुविधा लेते हों या नहीं—दोनों प्रकार के अधिकारियों की जांच होगी। राजपत्र के अनुसार, सहसचिव से लेकर मुख्य सचिव तक सभी उच्च पदाधिकारी जांच के दायरे में होंगे। सिविल सेवा, पुलिस सेवा, सशस्त्र पुलिस सेवा, इंटेलिजेंस ब्यूरो और अन्य सेवाओं के अधिकारी भी जांच के दायरे में शामिल होंगे।

विदेश स्थित नेपाली दूतावासों और कूटनीतिक नियोगों के प्रमुख और कर्मचारी भी जांच के अधीन होंगे। यदि किसी उपसचिव स्तर के अधिकारी ने कार्यालय प्रमुख के रूप में कार्य किया है, तो वह भी जांच में शामिल होगा। नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर से लेकर सहसचिव स्तर तक के कर्मचारी, सरकारी बैंक, वित्तीय संस्थान, विश्वविद्यालय और अन्य सार्वजनिक संस्थानों के उच्च अधिकारी भी जांच के दायरे में आएंगे।

आयोग सार्वजनिक संस्थानों के बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों की भी जांच करेगा। जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों के परिवार, रिश्तेदारों और संदिग्ध संपत्ति तक भी पहुंच बनाई जाएगी, चाहे वह देश में हो या विदेश में छिपाई गई हो। हालांकि, वर्तमान न्यायाधीश, सेना के पदाधिकारी और आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर के मामलों को संबंधित निकायों—जैसे न्याय परिषद या रक्षा मंत्रालय को भेजा जाएगा।

जांच का पहला चरण वर्ष 2008 से लेकर 31 मार्च तक की अवधि तक को कवर करेगा, जिसमें वर्तमान प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद और अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्रियों और 2008 के बाद बनी सरकारों के पदाधिकारियों की जांच होगी। पहले चरण के बाद आयोग 1988 से 2008 तक सार्वजनिक पद पर रहे व्यक्तियों की संपत्ति की जांच करेगा। जांच के दौरान आयोग पहले संपत्ति का विवरण जुटाएगा, फिर उसकी वैधता, स्रोत और वृद्धि का विश्लेषण करेगा। यदि असामान्य रूप से अधिक संपत्ति पाई गई तो आगे गहन जांच की जाएगी। विशेष रूप से उन व्यक्तियों पर ध्यान दिया जाएगा जिन पर भ्रष्टाचार, बिचौलियापन, अनुशासनात्मक कार्रवाई या शिकायतें रही हैं। कर, भूमि और यातायात जैसे सीधे जनता से जुड़े विभागों को उच्च प्राथमिकता दी गई है।

अमेरिका में सबसे महंगा ट्रांसप्लांट होता है डबल लंग्स का

लंदन

दुनिया भर में आर्गन ट्रैफिकिंग का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। यह कार्य गैर कानूनी होने के बावजूद लोग स्मगलिंग के जरिए इन अंगों की अवैध खरीद-फरोख्त करते हैं। अमेरिका की मिलिमैन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, कुछ बाडी पार्ट्स की कीमत कानूनी मार्केट में सबसे ज्यादा पहुंच गई है, जिससे यह सवाल उठता है कि आखिर इंसान का सबसे महंगा अंग कौन सा है और क्यों इसकी इतनी भारी कीमत है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में सबसे महंगा ट्रांसप्लांट डबल लंग्स (दोनों फेफड़ों) का है। इस पूरे आपरेशन की औसत लागत करीब 23,46,500 डालर यानी भारतीय मुद्रा में लगभग 2.34 करोड़ रुपये है। दूसरे नंबर पर हार्ट ट्रांसप्लांट है, जिसकी कीमत 19,18,700 डालर यानी 1.91 करोड़ रुपये के आसपास है। सिंगल लंग ट्रांसप्लांट की लागत 18,10,700 डालर, इंटेस्टाइन (आंत) ट्रांसप्लांट 17,29,500 डालर और बोन मैरो (अस्थि मज्जा) ट्रांसप्लांट 12,61,800 डालर में होता है। लिवर ट्रांसप्लांट की लागत भी 10,17,800 डालर यानी करीब 1 करोड़ रुपये है। ये कीमतें सिर्फ कानूनी मेडिकल ट्रांसप्लांट की हैं, जिसमें असली सर्जरी, डाक्टर्स की फीस, आईसीयू में रुकने का खर्च, दवाइयाँ और लंबे समय तक की देखभाल को मिलाकर इतनी भारी रकम बन जाती है, जिसे चुका पाना आम इंसान के बस की बात नहीं है। डबल लंग ट्रांसप्लांट इसलिए सबसे महंगा है क्योंकि यह सर्जरी बेहद जटिल और जोखिम भरी होती है।

फेफड़ों को बदलना, उन्हें शरीर में सफलतापूर्वक फिट करना और प्रत्यारोपण के बाद अंग के अस्वीकार होने (रिजेक्शन) के खतरे को कम करना – यह सब कुछ बहुत मुश्किल और अत्यधिक विशेषज्ञता वाला कार्य है। हार्ट ट्रांसप्लांट भी कम जटिल नहीं है, और मरीज की जिंदगी बचाने के लिए यह भारी खर्चा जरूरी हो जाता है, लेकिन यह आम आदमी की पहुंच से बाहर है।

लेकिन असली चौंकाने वाली बात तो ब्लैक मार्केट की कीमतें सुनकर लगती है। कानून के बावजूद, दुनिया भर में आर्गन ट्रैफिकिंग का कारोबार सालाना 84 करोड़ से 1.7 अरब डालर कमा रहा है। ज्यादातर मामलों में, किडनी सबसे ज्यादा बिकने वाला अंग है। ब्लैक मार्केट में खरीदार 50,000 से 1,20,000 डालर तक चुकाते हैं, लेकिन विक्रेता को इसका सिर्फ 5-10 प्रतिशत ही मिलता है। बाकी पैसा ब्रोकर और माफिया खा जाते हैं।

ट्रंप की जिद का खामियाजा भुगत रहा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष अब केवल मोर्चों पर गोलाबारी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक विनाशकारी आर्थिक बोझ की कहानी बनता जा रहा है। पेंटागन ने पहली बार इस युद्ध की आधिकारिक लागत का खुलासा करते हुए बताया है कि अब तक इस सैन्य अभियान पर करीब 25 बिलियन डालर खर्च हो चुके हैं। यह राशि नासा के कुल सालाना बजट के लगभग बराबर है, जो इस टकराव की भयावहता को दर्शाती है। पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारी जूल्स हर्स्ट ने अमेरिकी सांसदों को सूचित किया कि इस भारी-भरकम राशि का एक बड़ा हिस्सा हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति में खर्च हुआ है। हालांकि, इस रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या इसमें भविष्य के संभावित नुकसान और पुनर्निर्माण की लागत शामिल है। इस खुलासे के बाद अमेरिकी संसद में तीखी बहस छिड़ गई है। सांसद एडम स्मिथ ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे इंतजार के बाद अब जाकर खर्च की कोई स्पष्ट संख्या सामने आई है। दूसरी ओर, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस खर्च का बचाव करते हुए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य बताया है। उन्होंने तर्क दिया कि ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने के लिए किसी भी कीमत को चुकाना आवश्यक है।

मौत का असली राज छिपा है हमारे डीएनए में : रिसर्च

लंदन

क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर इंसान मरता कैसे है क्या सिर्फ दिल की धड़कन रुकने से मौत हो जाती है या दिमाग काम करना बंद कर देने से वैज्ञानिकों ने मौत के पीछे छिपे जैविक राज को खोल दिया है, और इसका असल जवाब इससे भी गहरा और हैरान करने वाला है। सबसे पहले समझते हैं कि क्लिनिकल मौत क्या है। जब किसी व्यक्ति के दिल की धड़कन रुक जाती है और सांसें बंद हो जाती हैं, तो डाक्टर उसे क्लिनिकल डेथ घोषित कर देते हैं। इसके कुछ मिनट बाद दिमाग भी आक्सीजन ना मिलने से काम करना बंद कर देता है, जिसे ब्रेन डेथ कहा जाता है। लेकिन यह तो सिर्फ मौत का अंतिम चरण है, वास्तविक कारण शरीर की कोशिकाओं का बूढ़ा होना है। वैज्ञानिक इसे सेनेसेंस या बायोलाजिकल एजिंग कहते हैं। इसका राज हमारे डीएनए में छिपा है। हमारे हर क्रोमोसोम के सिरे पर टेलोमियर नाम के छोटे-छोटे प्रोटेक्टिव कैप होते हैं। ये टेलोमियर हमारे जेनेटिक कोड को क्षति से बचाते हैं। हर बार जब कोई कोशिका विभाजित होती है तो टेलोमियर थोड़ा-थोड़ा छोटा होता जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, टेलोमियर छोटे होते जाते हैं।

आखिरकार वे इतने छोटे हो जाते हैं कि कोशिका आगे विभाजित नहीं हो पाती। इसे हेफ्लिक लिमिट कहते हैं। 1961 में लियोनार्ड हेफ्लिक ने खोजा था कि सामान्य मानव कोशिकाएं लगभग 50 बार ही विभाजित हो सकती हैं। इसके बाद वे सेनेसेंट हो जाती हैं, यानी बूढ़ी और निष्क्रिय। ये निष्क्रिय कोशिकाएं शरीर में सूजन पैदा करती हैं, आसपास की स्वस्थ कोशिकाओं को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं, और आखिरकार अंगों का काम करना बंद कर देती हैं। इसी वजह से दिल, किडनी, लीवर, दिमाग – शरीर के सारे अंग धीरे-धीरे फेल होने लगते हैं। यही असली मौत है। टेलोमियर के छोटे होने की यह प्रक्रिया हर इंसान में चलती रहती है। बच्चे के जन्म के समय टेलोमियर लंबे होते हैं, और उम्र बढ़ने के साथ वे छोटे होते जाते हैं। धूम्रपान, अत्यधिक तनाव, प्रदूषण और गलत खान-पान जैसे बाहरी कारक इस प्रक्रिया को और तेज कर देते हैं। कुछ लोग जेनेटिक रूप से लंबे टेलोमियर के साथ पैदा होते हैं, यही कारण है कि वे ज्यादा लंबी उम्र पाते हैं। अब सवाल उठता है – क्या टेलोमियर को लंबा किया जा सकता है हाँ, टेलोमरेज नाम का एंजाइम टेलोमियर को फिर से लंबा कर सकता है, लेकिन प्रकृति ने इसे बहुत सीमित रखा है। ज्यादातर सामान्य कोशिकाओं में टेलोमरेज निष्क्रिय रहता है।

अमेरिका ने ईरान से मांगी परमाणु हथियार न रखने की गारंटी, बदले में किया शांति लौटाने का वादा

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन और तेहरान के मध्य बढ़े हुए तनाव के बीच गुरुवार को कहा कि अगर ईरान को शांति चाहिए तो उसे कभी भी परमाणु हथियार न रखने की गारंटी देनी होगी। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका आज ईरान छोड़ दे, तब भी उसे फिर से खड़ा होने में 20 साल लग का समय लग जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर से दावा किया कि ईरान में युद्ध अमेरिका पहले ही जीत चुका है। मगर यह जीत बहुत छोटी है। अमेरिका को और बड़ी जीत चाहिए। ट्रंप ने कहा कि ईरान की नौसेना और वायुसेना के साथ उसका नेतृत्व भी तबाह हो चुका है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा, हमने सब कुछ तबाह कर दिया है। अगर हम अभी वहां से हट जाएं तो उन्हें फिर से सब कुछ खड़ा करने में 20 साल लग जाएंगे। इसमें शक है कि वह ऐसा कर पाएंगे। अमेरिका अभी और बहुत कुछ करना चाहता है। ट्रंप ने कहा, ईरान को यह गारंटी देनी होगी कि उसके पास कभी भी कोई परमाणु हथियार नहीं होगा। ट्रंप ने फिर दृढ़ता से कहा कि ईरान समझौता करने के लिए तत्काल तैयार है। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि ईरान के साथ बातचीत रुक गई है। ट्रंप ने कहा, मेरे और कुछ अन्य लोगों के अलावा कोई नहीं जानता कि बातचीत किस मोड़ पर है। ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका को हर हाल में ईरान का संवर्धित यूरेनियम भंडार चाहिए।

उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने के साथ गैस की कीमतें तेजी से नीचे गिर जाएंगी। उधर, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने कहा कि ईरान की करेंसी अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि इस समय ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बेहद नाजुक मोड़ पर है। युद्ध की आशंका के बीच शांति के प्रयास भी जारी हैं। ईरान ने हाल ही में अमेरिका के सामने सशर्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और परमाणु वार्ता को फिलहाल टालने की बात कही गई है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान के खिलाफ शुरू किए समन्वित सैन्य अभियान का असर समूचे मध्य पूर्व पर पड़ा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रस्ताव पर संदेह जताया है । वह परमाणु संवर्धन के मुद्दे को दरकिनार किए जाने से नाखुश हैं। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस जलमार्ग को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ईरान ने इसे व्यापार के लिए बंद करने की धमकी दी है। वह कथित तौर पर सुरंग बिछा रहा है।

भारत के लिए राहत की बात यह है कि ईरान ने भारतीय जहाजों के वहां से गुजरने पर रोक नहीं लगाने का आश्वासन दिया है। इस सबके बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस संघर्ष में शांति दूत की भूमिका में नजर आ रहे हैं। ईरान रूस के साथ मिलकर अमेरिका के खिलाफ रणनीतिक चक्रव्यूह रचने का प्रयास भी कर चुका है।

ईरान के साथ युद्ध को लेकर अमेरिका के भीतर भी राय बंटी हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के कुछ सदस्य सैन्य कार्रवाई के पक्ष में तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कई डेमोक्रेट्स संसाधनों की बर्बादी और संभावित परिणामों को लेकर चिंतित हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका इस संघर्ष में अब तक लगभग 25 अरब डालर खर्च कर चुका है।

धान खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित करने कलेक्टर का धान खरीद केंद्रों का दौरा

मचेरियाल, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने धान खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और नियमबद्ध बनाने पर जोर दिया। शुक्रवार को उन्होंने हाजीपुर मंडल के गुडिपेट तथा हाजीपुर गांवों के धान खरीद केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्रों पर किसानों के लिए पीने का पानी, छाया, तौल मशीन, पैडी क्लीनर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। खरीद केवल निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर ही हो।उन्होंने बताया कि तौल के बाद प्रक्रिया ऑनलाइन है, जिसमें ट्रक शीट जनरेट होती है तथा जीपीएस से परिवहन की निगरानी होती है। किसानों की पहचान आधार से सत्यापित की जाती है। भुगतान सीधे बैंक खातों में होगा।ए-ग्रेड धान का समर्थन मूल्य 2,389 रुपये प्रति क्विंटल, सामान्य धान का 2,369 रुपये तथा सन्ना किस्म पर 500 रुपये बोनस है। कलेक्टर ने किसानों से मानकों का पालन करने की अपील की।

मई दिवस पर मजदूर कल्याण योजनाओं का ऐलान

मंचेरियाल, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकार मजदूरों के कल्याण और जीवन स्तर सुधार के लिए कटिबद्ध है। समेकित जिला कार्यालय में आयोजित मे डे कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा श्रमिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने असंगठित मजदूरों के लिए चल रही योजनाओं का जिक्र किया। पिछले वित्तीय वर्ष में दुर्घटना, प्राकृतिक मृत्यु, विवाह, प्रसूति तथा दिव्यांगता सहायता से सैकड़ों परिवारों को करोड़ों रुपये की मदद दी गई। उन्होंने 2 से 10 मई तक विशेष अभियान चलाने तथा कौशल विकास प्रशिक्षण से मजदूरों को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही। विधायक प्रेम सागर राव ने मजदूरों की सुरक्षा-अधिकारों की रक्षा का भरोसा दिया तथा जिले में ईएसआई अस्पताल स्थापना के प्रयासों की जानकारी दी। उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया और मनरेगा के लिए मंडलों को कंप्यूटर वितरित हुए।

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध: कलेक्टर

मंचेरियाल, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और समग्र विकास के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित सरकारी अस्पताल में आयोजित 'बाल भरोसा' कार्यक्रम में उन्होंने अधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की।कलेक्टर ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के जरिए 0 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों की नियमित जांच की जा रही है, ताकि जन्मजात दोष, रोग और विकास से जुड़ी समस्याओं की शीघ्र पहचान और उपचार हो सके। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों और सरकारी अस्पतालों के माध्यम से टीकाकरण, पोषण और चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा जरूरतमंद बच्चों को विशेषज्ञ उपचार और पोषाहार देकर उन्हें सामान्य स्थिति में लाने के प्रयास चल रहे हैं।

किसानों के द्वार वैज्ञानिक कार्यक्रम में आधुनिक खेती पर दी गई जानकारी

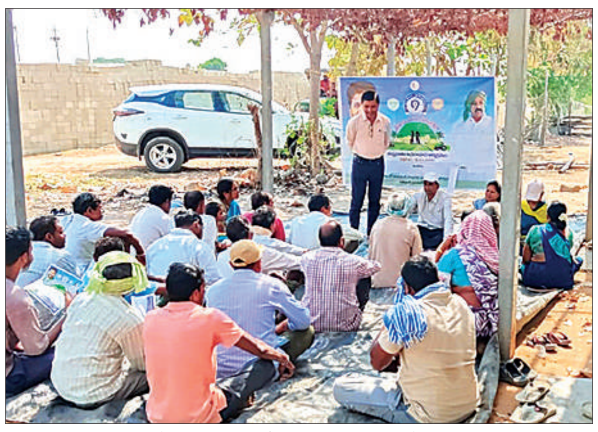

चेन्नूर, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कृषि विभाग, प्रोफेसर जयशंकर कृषि विश्वविद्यालय और बेल्लमपल्ली कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में चेन्नूर गांव में 'किसानों के द्वार वैज्ञानिक जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों को आधुनिक खेती, उन्नत तकनीकों और प्राकृतिक कृषि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

वैज्ञानिक जगन मोहन राव ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों के चयन, सन्ना किस्मों की खेती और तेलंगाना स्टेट सीड से उपलब्ध बीजों के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने जैविक खेती, जल संरक्षण, यूरिया के सीमित उपयोग, नैनो यूरिया के महत्व, फसल अवशेष न जलाने तथा आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों पर मार्गदर्शन दिया। साथ ही मृदा परीक्षण और आधुनिक कृषि पद्धतियों के महत्व को भी समझाया।

सहायक कृषि निदेशक बानोत प्रसाद ने रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, फसल चक्र अपनाने और जल संरक्षण के उपायों पर किसानों को जागरूक किया तथा उनकी शंकाओं का समाधान किया। मंडल कृषि अधिकारी के. यामिनी ने कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग, सूक्ष्म एवं स्थूल पोषक तत्वों की आवश्यकता, उत्पादन बढ़ाने के उपाय और फास्फोरस घुलनशील बैक्टीरिया के महत्व पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में वैज्ञानिक स्नेहलता, कृषि विस्तार अधिकारी एम. राजशेखर, प्रगतिशील किसान और बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया प्राणहिता नदी पर बैराज निर्माण स्थल का निरीक्षण

आसिफाबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काउटाला मंडल के तुम्मिडीहेट्टी गाँव में प्राणहिता नदी पर बैराज निर्माण स्थल का निरीक्षण जिला कलेक्टर और एस.पी. नितिका पंत ने किया। इस दौरे में संयुक्त आदिलाबाद जिले के स्थानीय निकायों के एमएलसी डंडे विठ्ठल, अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड, कागज़नगर उपकलेक्टर श्रद्धा शुक्ला तथा सिंचाई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बैराज निर्माण से कितने टीएमसी पानी उपलब्ध होगा, कितने एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी और कितनी भूमि डूब क्षेत्र में आएगी, इसकी विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही राज्य के मुख्यमंत्री, सिंचाई मंत्री, अन्य मंत्रियों तथा वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ बैराज स्थल का दौरा करेंगे और इस हेतु आवश्यक तैयारियों के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

इस कार्यक्रम में कागज़नगर डीएसपी वहीदुद्दीन, मार्केट समिति अध्यक्ष सुद्दाल देवैया, तहसीलदार प्रमोद, एमपीडीओ प्रसाद, सिंचाई विभाग के अधिकारी, स्थानीय लोग और किसान भी शामिल हुए।

किसान मक्का को मार्कफेड को बेचकर समर्थन मूल्य प्राप्त कर सकते हैं

आसिफाबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर हरिता ने कहा कि जिले के किसान यासंगी सीज़न में उपजाई गई मक्का को मार्कफेड खरीद केंद्रों पर बेचकर सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। कौटाला मंडल के कृषि गोदाम परिसर में तेलंगाना राज्य मार्कफेड के तत्वावधान में प्राथमिक सहकारी समिति गुरुडुपेटा द्वारा स्थापित मक्का खरीद केंद्र का उद्घाटन संयुक्त आदिलाबाद एमएलसी डंडे विठ्ठल, सिरपुर विधायक पाल्वाई हरीश बाबू, अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड और अन्य अधिकारियों के साथ कलेक्टर हरिता ने किया।

कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे दलालों को नहीं, बल्कि सरकार द्वारा स्थापित खरीद केंद्रों पर ही फसल बेचें और समर्थन मूल्य प्राप्त करें। एमएलसी डंडे विठ्ठल ने कहा कि सरकार किसानों के हित में मार्कफेड के माध्यम से मक्का खरीद रही है, इसलिए किसानों को सीधे केंद्रों पर ही फसल बेचनी चाहिए।

मनरेगा से किसानों को लाभ, कलेक्टर हरिता ने किया निरीक्षण

आसिफाबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर हरिता ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से किसान अपने खेतों को अधिक उपजाऊ बना सकते हैं। शुक्रवार को सिरपुर टी मंडल केंद्र में योजना के तहत स्वीकृत मछली तालाब (फिश पॉन्ड) निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए उन्होंने यह बात कही। कलेक्टर ने ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ताराव के साथ श्रमिकों से चर्चा की और निर्देश दिए कि भीषण गर्मी में सुबह 10 बजे तक काम पूरा करें। उन्होंने श्रमिकों की सुरक्षा के लिए छाया, पीने का पानी तथा ओआरएस पैकेट उपलब्ध कराने के आदेश दिए। इस दौरान श्रमिकों को अल्पाहार भी वितरित किया गया। हरिता ने बताया कि योजना से किसानों को बिना आर्थिक बोझ के मछली तालाब बनाने का मौका मिलता है, जिससे जलस्तर बढ़ेगा और मछली पालन से अतिरिक्त आय होगी। कार्यक्रम में सिरपुर टी एमपीडीओ, स्थानीय सरपंच, उपाधि हामी कर्मचारी तथा श्रमिक उपस्थित रहे।

हॉर्टिकल्चर कॉलेज में मनाया गया विश्व कार्मिक दिवस

बीदर, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीदर हॉर्टिकल्चर कॉलेज की नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) इकाई ने शुक्रवार को कॉलेज परिसर में विश्व कार्मिक दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज डीन डॉ. एस.वी. पाटिल ने कहा कि समाज के विकास में कार्मिक वर्ग का योगदान अहम है। उन्होंने कार्मिकों की मेहनत का सम्मान करने, उनके अधिकार-कर्तव्यों तथा सरकार की भलाई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. पाटिल ने जोर देकर कहा कि श्रमिक अपने क्षेत्रों में मेहनत से ''लेबर ही भगवान है'' का संदेश फैला रहे हैं।

छात्रा सुश्री मधुमती ने कहा कि सभी काम बराबर हैं और हर कार्य की अपनी गरिमा व महत्व है।डीन डॉ. एस.वी. पाटिल, डॉ. विजय महांतेश, डॉ. एस.एम. प्रसन्ना, आंजनेय एन. सहित स्टाफ सदस्यों ने मेहनती श्रमिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ. श्रीनिवास एन., डॉ. अरविंद राठौड़ सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। एनएसएस अधिकारी डॉ. विजय महांतेश ने संचालन किया, जबकि छात्रा सानिया ने स्वागत किया।

सीपीआई नेताओं ने धूमधाम से मनाया 141वां मजदूर दिवस

बेल्लमपल्ली, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानीय कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के नेताओं ने शुक्रवार को 141वें मई दिवस (मजदूर दिवस) को कामरेड बसेट्टी गंगाराम विज्ञान भवन में धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत बेल्लमपल्ली नगर सचिव आड़ेपु राजमौली ने झंडा फहराकर की। उन्होंने कहा कि शिकागो के शहीदों ने 12 घंटे के कार्यदिवस को समाप्त कर आठ घंटे के कार्यदिवस के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। राजमौली ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि 44 श्रम कानूनों को चार कोड में बांटकर मजदूरों के साथ बड़ा अन्याय किया जा रहा है।उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि पार्टी मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेगी, लोगों पर बोझ डालने वाले नीतियों को बदलेगी और किसी भी अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेगी। सीपीआई के तत्वावधान में शहर के विभिन्न वार्डों में भी मई दिवस का झंडा फहराया गया।कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता एवं जिला कार्यकारी सदस्य चिप्पा नरसैया, शाखा सहायक सचिव दसारी तिरुपति गौड़, मंडल सचिव बोंथला लक्ष्मीनारायण, जिला समिति सदस्य रत्नम राजम, माणिक्यम, कोंकुला राजेश सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कागज़नगर में 700 देशी शराब की बोतलें जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

आसिफाबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के कागज़नगर पुलिस थाना क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी पर पुलिस ने कड़ा प्रहार किया। शुक्रवार सुबह दादानगर गांव के पोचम्मा मंदिर के पास संदिग्ध एमएच 34सीजी 4729 नंबर वाली टीवीएस स्कूटी को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में तीन थैलों से छिपाई गईं 700 रॉकेट देशी दारू की बोतलें बरामद हुईं, जिनका कुल वजन 63 लीटर और बाजार मूल्य लगभग 25,200 रुपये आंका गया।

गिरफ्तार आरोपी हैं: रेड्डी साई कुमार (28), अशोक कॉलोनी, कागज़नगर, नीतूरी सुरेश (22), सुभाष कॉलोनी, कागज़नगर ।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी महाराष्ट्र से सस्ती शराब खरीदकर कागज़नगर में ऊंचे दामों पर बेचने के इरादे से ला रहे थे।

कागज़नगर ग्रामीण सीआई कुमारस्वामी और सब-इंस्पेक्टर संदीप कुमार के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में पीसी पी. दुर्गा प्रसाद तथा डी. दीपक भी शामिल रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय बहतर रहेगा कार्य सिद्धि होगी । कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोत्तरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा तरल भोजन करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज गणेश जी को दूर्वा और सिन्दूर चढाए मनोवांछित फल मिलेगा। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा पदोन्नति संभव हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ध्यान और प्राणायाम करें शरीर मे उर्जा रहेगी। आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर होगी ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज मनमुताबिक कार्य नही होंगे । बहते पानी मे शक्कर बहादें। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

गणेश मंत्र का जप करें गाय को हरी सब्जी खिलाए । नई योजना बना सकते हैं। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। घर परिवार का माहौल ठीक रहेगा। यात्रा का योग बनेगा गुड का सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें । आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। खानपान में सावधानी बरते शाम को दूध का सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपको बुजुर्गों का माता पिता का आशीर्वाद लेकर चलें । आज खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। यात्रा का बिल्कुल नही है सावधानी बरते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अनुकूल नही हैं शिवमंत्र का जप करें । तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। सावधानी से खर्च करें। चींटियों को आटा डालें कर्ज मुक्त होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शानदार बनाना हैं तो ब्रह्म मुहूर्त मे निंद्रा त्याग कर ईश्वर का चिंतन करें । अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। दाम्पत्यजीवन मे पूर्ण सहयोग रहेगा। रिश्तों मे मधुरता बढेगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन खुशहाल हैं तरक्की के रास्ते खुलेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। नौकरी मिलने की पूरे योग हैं धन के रास्ते खुलेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप जो महनत करेंगे उसका परिणाम सौ प्रतिशत मिलेगा। आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। कुंवारों का रिश्ता तय हो सकता है दुर्गा जी को लाल पुष्प चढाए कार्य सिद्ध होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको विरोधी नुकसान पहुंचा सकते हैं सतर्कता बरतें । किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। वाणी पर क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपशब्दों का इस्तेमाल न करें व्यवहार खराब होगा संयमित रहें।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 मई 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 12:52 तक
नक्षत्र : विशाखा अहोरात्र
योग : व्यतिपात रात्रि 09:43 तक
करण : बालव प्रातः 11:52 तक
चन्द्रराशि : तु ला रात्रि 12:30 क
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शुद्ध ज्येष्ठ मास आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कलियुग की तारनहार गीता

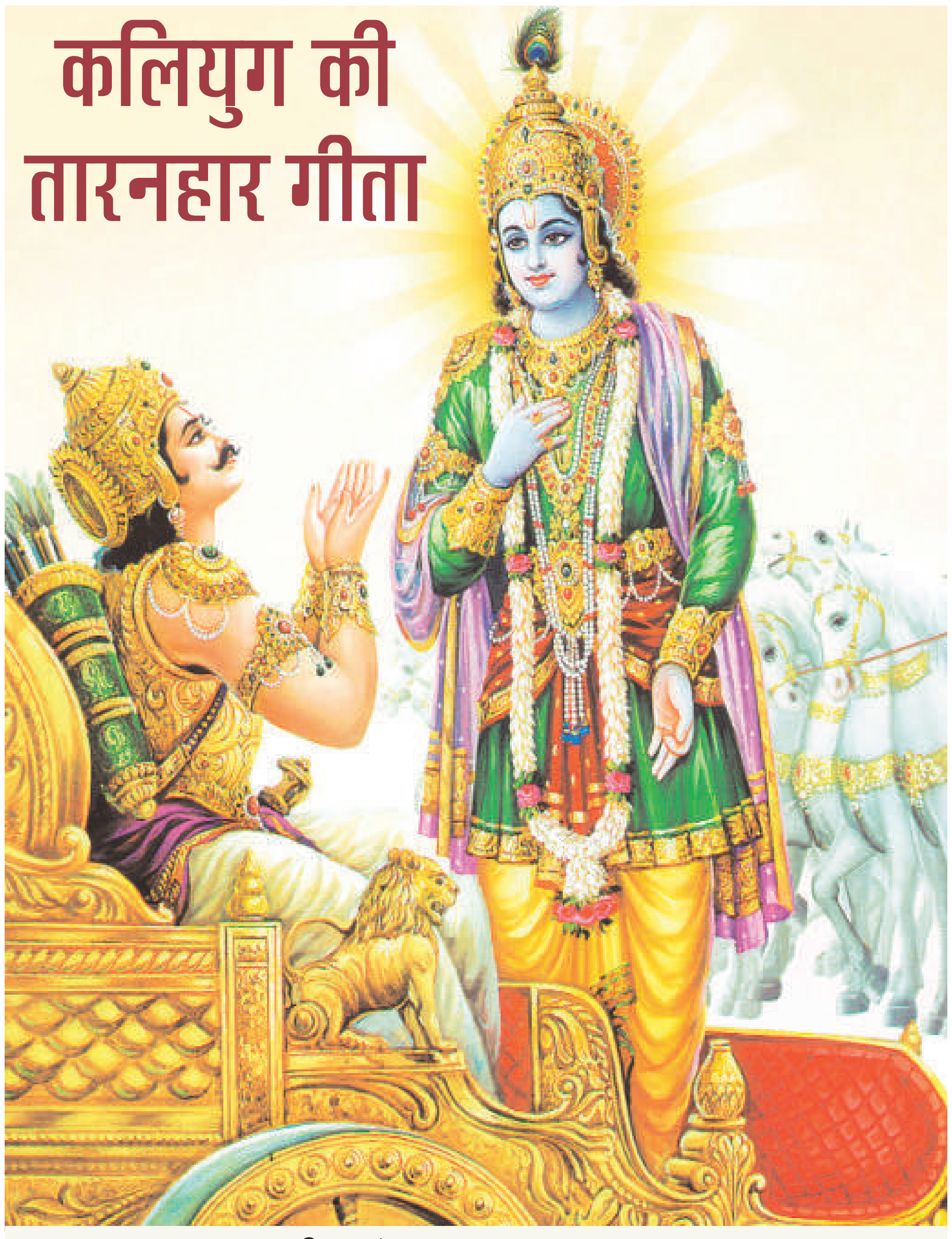

जब-जब कटुता-वैमनस्यता, पृथकता, स्वार्थपरता, अनैतिकता, अत्याचार, अधर्म, पाप रागद्वेष, छलकपट समाज में अव्यवस्थित होते हैं, तो वसुद्या से धर्म विलुप्त होने लगता है। तब-तब भक्तों की रक्षा के लिए ईश्वर को यहां अवतार लेना पड़ता है। यह सब श्री मदभगवद्गीता में कहा गया है—

'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।

अम्युत्थानमधर्मस्य तदात्माने सृजाम्यहम।।

परित्राणाय साधूना विनाशाय च दुष्कूताम्।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।'

जब दुर्योधन ने धर्मराज युधिष्ठर से कह दिया कि मैं सूई के नोक बराबर भूमि बिना युद्ध न दूंगा, तो विवश होकर धर्मराज युधिष्ठर को युद्ध के लिए प्रस्तुत होना पड़ा। कुरुक्षेत्र स्थान में कौरव व पांडव की सेनाएं अलग-अलग एकत्रित हुई। भगवान श्रीकृष्ण ने कौरव और पांडव दोनों को सहयोग दिया। पांडव की ओर से श्री कृष्ण भगवान ने अर्जुन का सारथी बनना स्वीकार किया और कौरव की ओर उन्होंने अपनी सेना को रखा। जिस समय कौरव व पांडव की सेनाएं युद्ध के लिए आमने-सामने थी, अर्जुन ने भगवान श्री कृष्ण से कहा- भगवान्! रथ को दोनों सेनाओं के बीच ले चलो, ताकि मैं युद्ध करने वालों को देख लूं। भगवान श्री कृष्ण ने रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले गए। तब अर्जुन ने देखा कि युद्ध स्थान पर गुरु द्रोणाचार्य भीष्म पितामह अश्वत्थामा आदि लोग मौजूद थे। साथ ही अर्जुन ने अपने निकटस्थ स्वजन बन्धुओं को अस्त्रों से पूर्ण रुपेण सुसज्जित देखा, तो अर्जुन विचलित हो गए, उनका हृदय द्रवित हो गया।

'अशोच्यानन्वशोचस्त्व प्रज्ञावाद्रांश्य भाषते।

गतासूनगतासंश्च नानूशोचन्ति पंडित:।।'

भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को कहा कि तू न शोक करने योग्यों के लिए शोक करता है और पंडितों जैसे वचनों को कहता है। परंतु पंडित जन जिनके प्राण चले गए हैं, उनके लिए और जिनके प्राण नहीं गए हैं उनके लिए भी नहीं शोक करते हैं। *'अनाशिनोऽप्रमेस्य तस्माद्युध्यस्व भारत'* नाशरहित अप्रेमय नित्यस्वरूप जीवात्मा के यह सब शरीर नाशवान कहे गए हैं, इसलिए हे भरतवंशी अर्जुन तू युद्ध कर। 'धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षित:।'

तुम धर्म की हानि कर रहे हो। तुम्हें यह ध्यान नहीं है कि जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी रक्षा स्वयं होती है और धर्म को नष्ट करने वाला स्वयं नष्ट हो जाता है। 'हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा मोक्ष्यसे महीम् मर कर स्वर्ग को प्राप्त होगा अथवा जीतकर राज्य का सुख भोगेगा।'

'मन्मना भव मद्भक्तों मद्याजी मां नमस्कुरू।

मामेवैष्यसि सत्यं ने प्रतिजाने प्रियोऽसि में।।'

हे अर्जुन! तू केवल मुझ सचिदानन्द वासुदेव परमात्मा में ही अनन्य प्रेम से नित्य, निरंतर, अचल मनबाला हो और मुझ परमेश्वर को ही अतिशय श्रद्धाभक्ति सहित निष्कामभाव से नाम, गुण और प्रभाव के श्रवण-कीर्तन, मनन और पठन-पाठन द्वारा निरंतर भजने वाला हो तथा मेरा (शंख, चक्र, गदा, पद्म और किरीट कुंडल आदि भूषणों से युक्त पीताम्बर वनमाला और कौस्तुम मणिधारी विष्णु का) मन वाणी और शरीर के द्वारा सर्वस्व अर्पण करके अतिशय श्रद्धा भक्ति और प्रेम से ह्विलता पूर्वक पूजन करने वाला हो और मुझ सर्वशक्तिमान विभूति बल एश्वर्य, माधुर्य गंभीरता, उदारता, वात्सल्य और सुहृदयता आदि गुणों से संपन्न सबके आश्रयरूप वासुदेव को विनयभाव पूर्वक भ ित सहित साष्टाडंग दंडवत प्रणाम कर। ऐसा करने से तू (अर्जुन) मेरे को ही प्राप्त होगा। यह मैं तेरे लिए सत्य प्रतिज्ञा करता हूं, अत: तू मेरा अत्यंत प्रिय सखा है।

श्रीमद्भगवद्गीता कहती है कि सत् सनातन है, स्थाई है शाश्वते है, अत: जो है वह है, जो नहीं है, वह नहीं है। 'नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सत:' यह सत् अपना कार्य करता है। स्वर्ण से कुंडल बनता है, तो सोना समाप्त नहीं होता है। कुंडल टूट कर पुन: सोना बन जाता है, इसीलिए कि सोना कुंडल में विद्यमान है, यही सनातनता की सार्थकता है।

'सर्वोपनिषदों गांवों दोग्द्या गोपालनंदन:

पार्थो वत्स: सुधीर्भोक्ता दुग्धं गीतामृतं महत्।'

श्रीमद्भगवद्गीता को उपनिषदों का मीठा दूध कहा गया है। उपनिषद गाय हैं। दुहने वाला वासुदेव कृष्ण हैं। अर्जुन बछड़ा हैं। पाठक पीने वाले (भोकता) हैं।

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फल्षु कदाचन'

कर्म और कर्म फल दोनों प्रभु को समर्पित हैं। हम तो उसकी अभिलाषा की पूर्ति के माध्यम मात्र है। वही जो चाहे अभिलाषा की पूर्ति ऐसे व्यक्ति को पूर्ण निश्चितता प्रदान करते हैं और उसकी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेते हैं।

'योगक्षेमम् वहाम्ययहम्'। वही प्रभु सबको संसार सागर से पार करते हैं। हमारा कर्तव्य बनता है कि हम इस कल्याणकारी श्रीगीता के ज्ञानयज्ञ को सर्वत्र फैलाएं।

गीता के पठन-पाठन से मनुष्य जीवन का आधार सुदृढ़ होता है। श्री गीता की अलोकिक महिमा है, इसके श्रवण और रसावास्दन से सच्चिदानंद परमात्मा की प्राप्ति होती है।

गीता के अठारह आध्याय

1, अर्जुन विषाद योग 2.सांख्य योग 3. कर्मयोग 4. ज्ञानकर्मसंन्यास योग 5. कर्मसन्यास योग 6. आत्म संयम योग 7. ज्ञान-विज्ञान योग 8. अक्षर ब्रह्मयोग 9. राजविद्याराजगुह्मयोग 10. विभूति योग 11. विश्वरूपदर्शन योग 12. भक्ति योग 13. क्षेत्रक्षेत्रज्ञविभागयोग 14. गुणत्रयविभाग योग 15. पुरुषोतम योग 16. दैवासुर संपद्धिभाग योग 17. श्रद्धात्रयविभाग योग 18. मोक्ष सन्यांस योग।

ज्ञान, समर्पण और कर्म

गीता का हर श्लोक गागर में सागर है। लेकिन इस पूरे ग्रंथ का सार तीन बातों में छिपा है, ज्ञान, समर्पण और कर्म। ये तीन वो सूत्र हैं, जिन्हें अपनाकर व्यक्ति सफलता की सीढ़ी चढ़ता है। यानी स्वयं को ज्ञानवान बनाकर समर्पण भाव से कर्म में जुट जाएं। ज्ञान, जो बहते जल-सा निर्मल हो, समर्पण, जो गहरे समुद्र-सा अथाह हो और कर्म, जो धरती-सा निस्वार्थ हो।

स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं वास्तुदोष

सभी दिशाएं प्रकृति की ही हैं और सभी शुभ हैं। वास्तुशास्त्र तो मात्र प्रकृति में व्याप्त सूर्य की जीवनदायी सकारात्मक ऊर्जा के श्रेष्ठ उपयोग का तरीका बताता है ताकि पृथ्वीवासी स्वस्थ, सुखद व शांतिपूर्वक जीवन जी सकें।

आजकल छोटे या बड़े भवनों की बनावट पहले के भवनों की तुलना में सुंदर व भव्य जरूर हो गई है, लेकिन आर्किटेक्ट मकानों को सुंदरता प्रदान करने के लिए अनियमित आकार को महत्व देने लगे हैं। इस कारण मकान बनाते समय जाने-अनजाने वास्तु सिद्धांतों की अवहेलना हो रही है। महिला हो या पुरुष, उनकी हर प्रकार की बीमारी में वास्तुदोष की अपनी भूमिका रहती है। वास्तुदोष के कारण घर में सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के बीच असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है। इस कारण वहां रहने वालों के शारीरिक व मानसिक रोगी बनने की आशंका होती है।

वैसे तो सभी दिशाएं प्रकृति की ही हैं और सभी शुभ हैं। वास्तुशास्त्र तो मात्र प्रकृति में व्याप्त सूर्य की जीवनदायी सकारात्मक ऊर्जा के श्रेष्ठ उपयोग का तरीका बताता है ताकि पृथ्वीवासी स्वस्थ, सुखद व शांतिपूर्वक जीवन जी सकें। वह भवन, जहां पर प्रात:काल की बजाय दोपहर की किरणें आती हैं वहां रहने वालों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता। दोपहर के समय पृथ्वी पर पड़ने वाली सूर्य की नकारात्मक किरणें (अल्ट्रा वायलेट) होती हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेह होती हैं। इसी कारण वास्तुशास्त्र में दक्षिण व पश्चिम की दीवारों को ऊंचा रखने का प्रावधान है। साथ ही इन दिशाओं में उत्तर व पूर्व की तुलना में कम खिड़की-दरवाजे रखने की सलाह दी गई है ताकि उस घर में रहने वाले सदस्य इन नकारात्मक ऊर्जा से युक्त किरणों के संपर्क में कम से कम आएं तथा ईशान दिशा में स्थित जल स्रोतों पर भी यह किरणें न पड़ सकें।

भवन के ईशान कोण में अधिक खाली जगह रखने का कारण भी सूर्य की गति ही है। जब सूर्य उत्तरायण की तरफ होता है तो दोपहर तक लाभदायक किरणें पृथ्वी पर पड़ती हैं। जब सूर्य दक्षिणायण होता है तो दोपहर के पूर्व ही हानिकारक किरणें पड़नी शुरू हो जाती हैं, क्योंकि दिन छोटे होते जाते हैं। अत: उत्तरायण काल की सूर्य की किरणों का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए ही वास्तुशास्त्र में दक्षिण की अपेक्षा उत्तर में ज्यादा खाली जगह छोड़ने की सलाह दी गई है। जिस घर का नैऋत्य कोण, किसी भी प्रकार से नीचा हो या वहां किसी भी प्रकार का भूमिगत पानी का टैंक, कुआं, बोरवेल, सेप्टिक टैंक इत्यादि हो तो वहां रहने वाले के असामयिक मृत्यु का शिकार होने की आशंका रहती है।

ध्यान रहे वास्तुशास्त्र एक विज्ञान है। घर की बनावट में ही वास्तु अनुकूल परिवर्तन कर वास्तुदोषों को दूर किया जा सकता है। बाकी टोटकों की जरूरत नहीं है।

श्रीयंत्र उपासना से आती है अमिट सुख-समृद्धि!

भारतीय सनातन उपासना पद्धति में श्रीयंत्र उपासना का बहुत महत्व है। इसके बारे में प्राय: एक व्यक्ति कभी न कभी चर्चा छेड़ ही देता है लेकिन पूरी जानकारी न मिलने पर वह इस अद्भुत उपासना से नहीं जुड़ पाता। उत्तरायण में यानी सूर्य की मकर राशि में प्रवेश करने के बाद जब माघ का महीना प्रारंभ होता है इस यात्रा की उपासना प्रारंभ कर देनी चाहिए। तभी दीपावली की रात्रि को यह यंत्र अराधना के बाद फलदायी बनता है। 14 जनवरी से उत्तरायण शुरू हो जाएगा। अत: अपनी एंव राज्स की सुख-समृद्धि चाहने वालों साधकों की उपासना के लिए श्रीयंत्र की उपासना का अनुकूल समय आ रहा है।

प्राचीन है पद्धति

धन-संपदा और वैभव की देवी महालक्ष्मी की कृपा पाने के लिए श्रीयंत्र की उपासना एवं प्रयोग प्राचीन काल से प्रचलित है। आर्थिक दृष्टि से श्रीयंत्र को समस्त यंत्रों का शिरोमणि और यंत्रराज माना गया है। श्रीयंत्र उस त्रिपुरा महा शिवशक्ति का प्रतीक है, जो धन-वैभव, सुख-समृद्धि एवं संपन्नता की अधिष्ठात्री भी महात्रिपुर सुंदरी के रूप में प्रसद्धि है। ब्रह्मा की उत्पत्ति, स्थिति और पालना की सामर्थ्य प्राप्त करने का कारण भी यही है। जगगुरु आदि शंकराचार्य के अनुसार यदि शिव, शक्ति के सहित होता है। वही शक्ति युक्त अर्थात् सर्व सामर्थ्यवान होता है। शक्ति से रहित हुआ देव शुभाशुभ फल देने योग्य नहीं होता।

शास्त्रानुसार लक्ष्मी सरस्वती एवं ब्रह्माणी तीनों लोकों की संपत्ति, वैभव एवं शोभा का नाम ही श्री है। लक्ष्मी, सरस्वती, धात्री त्रिवर्मसम्पद् विभूति शोभासु। जो ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश इन तीनों से जो पुरातन हो, वही त्रिपुरा है। श्रीयंत्र में पांच त्रिकोण की नोंक ऊपर की ओर और चार त्रिकोण की नीचे की ओर हैं जिनकी नोंक ऊपर की ओर है, उन्हें भगवती की शक्ति का प्रतीक माना जाता है और उसे शिवशक्ति भी कहा जाता है। नीचे की ओर नोंक वाले त्रिकोण कल्याणकारी शिव के प्रतीक हैं। इन्हें श्रीकंठ भी कहते हैं। ऊर्ध्वमुखी पांच त्रिकोण पांच प्राण, पांच ज्ञानेंद्रियां, पांच तन्मात्रा और 5 महातत्वों के प्रतीक हैं। शरीर में यह अस्थि, मेदा, मांस, अवृक और त्वचा के रूप में विद्यमान है।

अधोमुखी चार त्रिकोण शरीर में जीव, प्राण, शुक्र और मज्जा की द्योतक हैं और ब्रह्मांड में मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार के प्रतीक हैं। पांच ऊर्ध्वमुखी और चार अधोमुखी त्रिकोण नौ मूल प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस प्रकार श्री यंत्र में एक आठ दल वाला और दूसरा सोलह दल वाला कमल है। भगवान शंकर के मतानुसार सृष्टि से ऊर्ध्वमुखी त्रिकोण अग्नि, तत्व के वृत्त वायु तत्व के बिंदु आकाश का और भूपुर पृथ्व तत्व का प्रतीक माना जाता है।

श्रीयंत्र की संरचना किसी शुभ मुहूर्त में स्वर्ण पत्र, रजत पत्र, ताम्र पत्र अथवा भोमपत्र पर शुद्धतापर्वूक एवं श्रद्धापूर्वक करवानी चाहिए। तदुपरांत किसी सुयोग्य पंडित से उसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर विधिवत् लाल पुष्पों द्वारा पूजन करना चाहिए। यद्यपि श्रीयंत्र की शास्त्रीय पूजन विधि अत्यंत जटिल एवं विस्तृत प्रक्रिया है, परंतु यहां पर संक्षिप्त विधि का उल्लेख करते हैं-

संक्षिप्त पूजन विधि

नित्य स्नान पूजा, पाठोपरांत शुद्ध स्वच्छ वस्त्र धारण करें। श्रीयंत्र को लाल वस्त्र एवं मौली लपेट कर लाल चंदन का तिलक लगाकर गंगा जल, मंत्र द्वारा शुद्धि कर आसन पर यंत्र को स्थापित करना चाहिए तथा धूप-दीप द्वारा वातावरण को पवित्र करके श्रीयंत्र के पास शुद्धासन पर पूव को मुख कर बैठें तथा यह मंत्र पढ़ते हुए यंत्र को प्रणाम करें-

'दिव्यां परां सुधवलां चक्रयातां,मूलादि बिन्दुपरिपूर्णा कलात्मरूपाम्। स्थित्वात्मिका शरधनुसृणि पाशहस्तां, श्री चक्रतां सततं नमामि।'

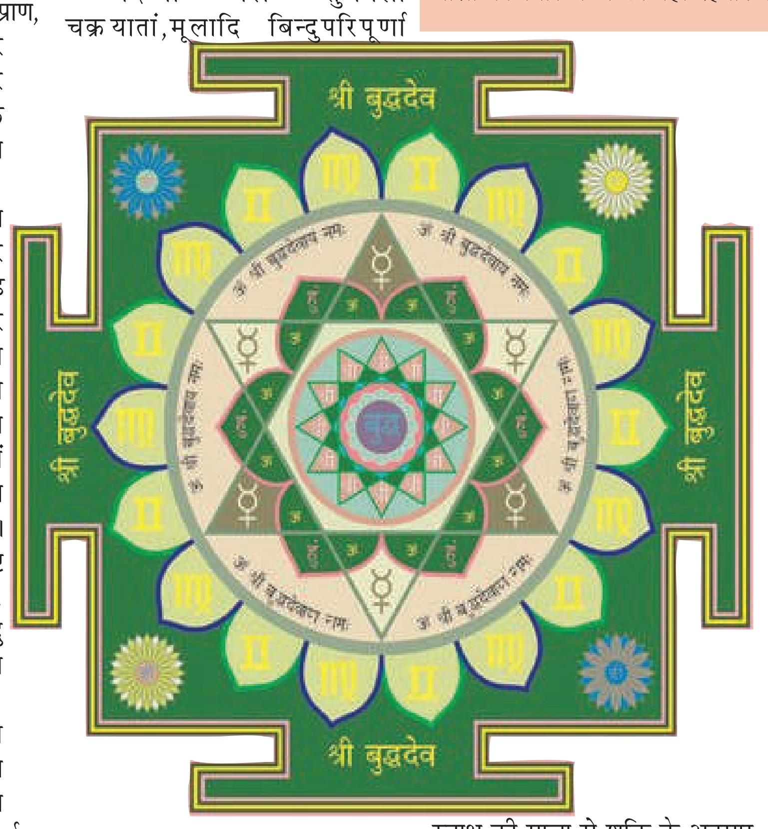

श्रीयंत्र की अधिष्ठानी देवी महात्रिपुर सुंदरी है, अत: यंत्र को प्रणाम करने के बाद निम्न मंत्र द्वारा देवी का ध्यान करें-

बालार्कयुत तैजसं त्रिनयनां, रक्ताम्बरोल्लासिनी।
नानालंकृति राजमान वपुषं बालेन्दु युत शेखरम्।
हस्तैरिक्षु धनु: सृर्णि सुरशंर, पाशं मुदा विभ्रतीम्
श्रीचक्र स्थित सुन्दरीं, त्रिजगतामाधारभूतां भजे।

इसके पश्चात् श्रीयंत्र की पंचामृत अथवा गंगा जल से स्नान कराकर लाल चन्दन, अक्षत, रोला, लाल पुष्प, धूप, दीप नैवेद्य अर्पित करते हुए पूजा करें। फिर कलश पर दीप जलाकर चन्दन या रुद्राक्ष की माला से शक्ति के अनुसार सवा लाख, 51 हजार, 31हजार, 21 हजार अथवा 11 हजार या 108 की संख्या में नियमित रूप से प्रतिदिन एक निश्चित समय पर संकल्प पूर्वक करने से अभीष्ट सिद्धि होती है।

मंत्र इस प्रकार से है-

नम: श्री चक्रस्थेऽखिलमयि नमो बिंदुनिलये।
नम: कामेशाक्तं स्थिताते नमस्तेऽव ललिते।
अथवा
नमो हेमाद्रिस्थे शिवशक्ति नम: श्री पुरगते।
नम: पद्माख्यां कुतुकिनी नमो रत्नगृहगे।
अथवा
ऊँ श्रीं ह्वीं क्लीं ह्वीं श्रीं महालक्ष्म्यै नम:।

पिरामिड देते हैं चमत्कारी प्रभाव

पिरामिड की मूल धारणा मिस्र के पिरामिडों पर आधारित मानी जाती है। पिरामिड का प्रयोग सही तरह से करने पर ये चमत्कारी प्रभाव देते हैं। भारत तथा दूसरे देशों के मंदिरों और गिरजाघरों को दिये गये पिरामिड सरीखे, इस बात को सिद्ध करते हैं कि पिरामिड की आकृति चमत्कारी शक्ति रखती है। इसकी एकाग्रता की शक्ति को समूचे विश्व ने स्वीकार किया है। इसके अलावा भवन निर्माण कला एवं स्थापत्य कला में इसका एक विशेष स्थान है।

किसी भी स्थिति में यह दावा नहीं किया जा सकता कि पिरामिडों में ऐसा कोई प्रभाव है, जो रातों-रात हमारी उन्नति के रास्ते खोल देगा। घर में पिरामिड की स्थापना से धन की बरसात नहीं होगी और इस संसार में ऐसी कोई वस्तु है भी नहीं, जिसके चमत्कार से ही धन प्राप्त हो सके। हमारे परिश्रम और ईश्वरीय कृपा-दोनों के सम्मिलित सहयोग से ही जीवन में प्रगति की जा सकती है। पिरामिड कोई पारस पत्थर नहीं है कि आपके पिछवाड़े सड़ रहे कबाड़ को सोना बना दे। पिरामिड आपकी मनोस्थिति को परिपक्व बनाने का काम करता है। आपके सोचने और सही निर्णय लेने की क्षमता को द्विगणित कर देता है। पिरामिड सही मायने में एक प्रकार की औषधि है और परहेज पूर्वक किया गया सेवन, आपको रोग मुक्त कर सकता है। लेकिन इसके विपरीत यदि आप किसी औषधि का ठीक से सेवन न करें तो आपके शरीर में रोग की उपस्थिति बनी रह सकती है। ऊपर से चाहे आप स्वस्थ दिखाई दें, लेकिन आन्तरिक रूप से आप कमजोर हो सकते हैं। यही स्थिति पिरामिड की है। आमतौर पर बाजार में सभी तरह की धातुओं, लकड़ी, प्लास्टिक और मिट्टी से बने पिरामिड विभिन्न आकारों में उपलब्ध हैं। विभिन्न पदार्थों से बने ये पिरामिड, एकल और नौ के गुणांक में आसानी से मिलते हैं। यह स्थिति आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकती है कि किसे और कितने आकार के पिरामिड की आपको आवश्यकता है। लेकिन इस समस्या का समाधान भी आपके ही पास है। पहले आप निर्णय करें कि आपको पिरामिड की स्थापना कहां करनी है। आमतौर पर यदि आप अपने ऑफिस की टेबल पर पिरामिड को रखते हैं तो आपके लिए एक बड़े आकार का धातु से बना पिरामिड उपयुक्त है, लेकिन इस पिरामिड को रखने से पूर्व कुछ बातों को ध्यान में रखें।

1. पिरामिड वहीं श्रेष्ठ है, जो धातु से बना हो।

2. दूसरी वरीयता उस पिरामिड को दें, जो मिट्टी का बना हो।

3. तीसरी वरीयता पत्थर से बने पिरामिड की है और चौथा स्थान लकड़ी से बने पिरामिड का है।

4. ये सब वस्तुएं प्रकृति का ही प्रतिनिधित्व करती हैं।

5.प्लास्टिक आदि से बने पिरामिड बेकार हैं, उनको उपयोग में न लाएं। क्योंकि प्लास्टिक से बने पिरामिडों का कोई शुभाशुभ प्रभाव नहीं होता।

6. ऑफिस की टेबल पर रखे पिरामिड का उपयोग कभी भी पेपर वेट के लिए न करें।

7. पिरामिड हमेशा आपके दांई तरफ होना चाहिए। अर्थात् अपने दाएं हाथ की ओर पिरामिड रखें।

8. किसी से बात करते समय पिरामिड को इस प्रकार अपने हाथों में न उछालें कि सामने वाले व्यक्ति को ऐसा आभास हो कि आपके हाथ में कोई खिलौना है।

यदि आप पिरामिड का ठीक प्रकार से उपयोग करते हैं तो निश्चित रूप से समय के साथ आपको इसका लाभ भी प्राप्त होगा। आपको केवल सब्र रखने भर की जरूरत है।

क्या करें जब आए नाक से खून

नाक से खून आने की समस्या गर्मियों में ज्यादा बढ़ जाती है। नाक के बीच की हड्डी के आगे के भाग में खून की कई नसें आपस में मिलकर एक जाल-सा बनाती हैं, जिसे लिटिल्स एरिया- कहते हैं। अधिकतर मरीजों में नाक से खून इसी जगह से ज्यादा आता है। सांस लेने में गर्म हवा जब इस भाग से टकराती है, तो वहां पर सूखापन आ जाता है और पपड़ी पडने लगती है। जैसे ही जब कोई व्यक्ति इस पपड़ी को नाक में उंगली डालने की आदत के कारण निकालता है, तब खून निकलने लगता है।

कुछ प्रमुख कारण

- बहुत गर्म वातावरण में रहना।
- हाई ब्लडप्रेशर में भी नाक से खून आता है।
- नाक में चोट लगना।
- नाक में कोई बाहरी चीज चली जाए।
- नाक में किसी तरह का संक्रमण होना,
- बैक्टीरिया या वाइरस का प्रकोप।

प्राथमिक उपचार

- मरीज को बैठाकर उसकी नाक के अगले हिस्से को कुछ मिनट के लिए दबाकर रखना चाहिए। दबाब पड़ने से खून रुक जाता है।
- नाक पर बर्फ रखें।
- जब खून निकल रहा हो, उस वक्त मरीज को लिटाना नहीं चाहिए। इससे खून गले से होकर पेट में जाने लगता है और मरीज को उल्टियां व पेट में दर्द हो सकता है। ज्यादातर मरीजों में प्राथमिक उपचार के बाद रक्त आना बंद हो जाता है। यदि खून आना बंद न हो या बार- बार आए, तो किसी नाक, कान व गला विशेषज्ञ से परामर्श लें ताकि खून आने की वजह का पता लगाया जा सके। विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा खून रोकने के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं।

ध्यान दें

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप से निकलकर सीधे एयर कंडीशन वाले कमरे में या फिर कूलर वाले कमरे में न जाएं। थोड़ी देर रुकने के बाद ही कमरे में प्रवेश करें।

ब्रेन ट्यूमर अब नहीं रहा लाइलाज

मस्तिष्क ट्यूमर (ब्रेन ट्यूमर) मस्तिष्क में या मस्तिष्क के किसी भाग में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि से संबंधित रोग है। ये असामान्य कोशिकाएं मस्तिष्क में एक गांठ के रूप में बन जाती हैं। ब्रेन ट्यूमर एक जानलेवा रोग है, लेकिन आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई प्रगति के कारण अब समय रहते इस रोग का इलाज संभव है.... ब्रेन ट्यूमर के कई प्रकार हैं। जो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में ही उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। वहीं जो ट्यूमर शरीर के अन्य भागों से शुरू होकर मस्तिष्क तक भी फैल जाते हैं, उन्हें मेटास्टैटिक ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, जिन्हें बिनाइन कहा जाता है और कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर ग्रस्त होते हैं, जिन्हें मैलिग्नेंट (घातक) कहा जाता है। अलग-अलग प्रकार के ब्रेन ट्यूमर की वृद्धि की रफ्तार अलग-अलग होती है। प्राथमिक ब्रेन ट्यूमर अनेक तरह के होते हैं। जैसे...

ग्लीओमा

ये ट्यूमर मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी से शुरू होते हैं। एकास्टिक न्यूरोमा कैंसर रहित (बिनाइन) ट्यूमर हैं, जो शारीरिक संतुलन और सुनने की शक्ति को संचालित करने वाली तंत्रिका (नर्व)पर विकसित होते हैं।

पिट्यूटरी एडेनोमा

ये ज्यादातर बिनाइन ट्यूमर होते हैं और इनमें से ज्यादातर मस्तिष्क के आधार पर स्थित पिट्यूटरी ग्रंथि में विकसित होते हैं। ये पिट्यूटरी ग्रंथि के हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और इसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है।

मेडुलोब्लास्टोमा

ये बच्चों में होने वाले सबसे सामान्य किस्म के कैंसरजन्य मस्तिष्क ट्यूमर हैं। वयस्कों को ये ट्यूमर होते हैं।

जर्म सेल ट्यूमर

ऐसे ट्यूमर बचपन से ही विकसित होते हैं। ऐसे कैंसर मस्तिष्क के अलावा शरीर के अन्य भागों पर शुरू होते हैं, लेकिन बाद में मस्तिष्क को अपनी चपेट में ले लेते हैं। जोखिम वाले कारण उम्र- ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ती उम्र से संबंधित है। उम्रदराज लोगों में ब्रेन ट्यूमर अधिक होते हैं। हालांकि कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकते हैं।

विकिरण से संपर्क

कुछ प्रकार के विकिरण (रेडिएशन) के संपर्क में आने वाले लोगों में ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

पारिवारिक इतिहास

कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर ऐसे लोगों में होते हैं, जिनके परिवार में ब्रेन ट्यूमर या जेनेटिक बीमारियों का इतिहास रहा हो।

डायग्नोसिस

इसके अंतर्गत एमआरआई, कंप्यूटराइड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन और पेट स्कैन शामिल हैं। शरीर के अन्य भागों में कैंसर का पता लगाने के लिए भी परीक्षण कराए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर फेफड़े के कैंसर का पता लगाने के लिये सीने का सीटी स्कैन।
वहीं बायोप्सी परीक्षण भी कराया जाता है। सुई का इस्तेमाल करके भी बायोप्सी की जा सकती है। बायोप्सी से लिए गए नमूने का परीक्षण माइक्रोस्कोप के जरिए किया जाता है ताकि यह पता चल सके कि यह कैंसरजन्य है या कैंसररहित। यह जानकारी डायग्नोसिस और रोग के इलाज के लिये महत्वपूर्ण है।

इलाज

ब्रेन ट्यूमर का उपचार ट्यूमर के प्रकार, आकार और स्थान पर निर्भर करता है। जैसे... सर्जरी अगर ब्रेन ट्यूमर ऐसे स्थान पर है, जहां तक ऑपरेशन के लिए सुलभता से पहुंचा जा सकता है, तब न्यूरो सर्जन ब्रेन ट्यूमर के यथासंभव अधिक से अधिक हिस्से को हटाने की कोशिश करते हैं। ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए की जाने वाली सर्जरी के कुछ खतरे होते हैं।

विकिरण चिकित्सा

इस चिकित्सा में ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए एक्स- रे या प्रोट्रॉन जैसी उच्च ऊर्जा किरणों का इस्तेमाल किया जाता है। विकिरण चिकित्सा आपके शरीर से बाहर रखी एक मशीन (एक्सटर्नल बीम रेडिएशन) से दी जा सकती है। एक्सटर्नल बीम रेडिएशन आपके मस्तिष्क के सिर्फ उन क्षेत्रों पर फोकस करता है, जहां पर ट्यूमर स्थित है या इसे आपके पूरे मस्तिष्क पर फोकस किया जा सकता है।

रेडियो सर्जरी

इसके अंतर्गत स्टीरियोटैक्टिक रेडियो सर्जरी को अंजाम दिया जाता है। ब्रेन ट्यूमर के इलाज में विकिरण देने के लिए रेडियो सर्जरी में गामा नाइफ जैसी कई आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। रेडियो सर्जरी में आम तौर पर पीड़ित व्यक्ति उसी दिन घर जा सकता है।

कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी के तहत ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट यह ट्रीटमेंट कैंसर कोशिकाओं के अंदर मौजूद विशिष्ट असामान्यताओं पर केंद्रित होता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट इन असामान्यताओं को रोककर सिर्फ कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं का ही इलाज करता है। कैंसरग्रस्त भाग के निकट के अन्य स्वस्थ भागों पर इसका प्रभाव नहीं

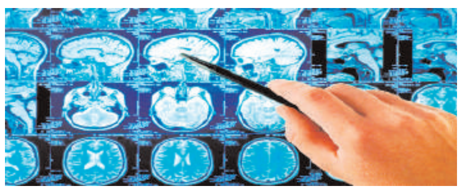

स्वस्थ रखता है केला

केला खाने में स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। इसमें विभिन्न प्रकार के विटामिन्स, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें थाइमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन और फॉलिक एसिड पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। एक शोध से पता चला है कि केला खाने से स्वास्थ्य सही रहता है। साथ यह सुंदरता भी बढ़ाता है। केला खाने से न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि मासिक धर्म के समय होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलती है। शुगर और फाइबर से भरपूर होने के साथ ही केला कई बीमारियों से बचाता है। इसके कुछ प्रमुख फायदे इस प्रकार हैं। केला ऊर्जा का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। यह एक ऐसा फल है जिसको खाने पर तुरंत एनर्जी मिलती है। यह तनाव कम करने में भी मददगार है। इसमें ट्राइप्टोफान नामक एमिनो एसिड होता है जिससे मूड सही होता है। पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे अनेक तत्वों के कारण यह डिप्रेशन जैसी कई बीमारियों को दूर रखने में कारगर है। दिल के मरीजों के लिए भी केला बहुत फायदेमंद होता है। पोटेशियम से भरपूर इस फल में नमक की मात्रा कम होती है जिसके कारण यह उच्च रक्तचाप में फायदेमंद साबित होता है। यदि आपको लगता है कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है तो केले का सेवन करना शुरू कर दें। केला याददाश्त बढ़ाने में काफी सहायक होता है।

आज के समय प्रदुषण इतना बढ़ गया है कि लोगों को त्वचा संबंधी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पढ़ता है। सब लोग चाहते हैं कि उनकी त्वचा देखने में अच्छी और अट्रैकटिव दिखाई दे। कई वजह से आपको चेहरे पर भारीपन लगता है। लोग चाहते हैं कि त्वचा पर कुछ ऐसा लगाएं जिससे उनकी स्कीन में फेशनेस लगे। सभी लड़कियां यही चाहती हैं कि उनके पास कुछ ऐसा हो जिससे उनको आराम मिले और उनका चेहरा चमक उठें। आज हम आपको यह बताएंगे कि कैसे आप अपनी स्कीन को फ्रैश कर सकते हैं। ये सभी चीजें प्राकृतिक होंगी, जो आपको आपके घर में आसानी से मिल जाएंगी। इन चीजों का इस्तेमाल करके आप अपनी त्वचा को फ्रेश कर सकते हैं।

बनाएं अपनी त्वचा को फ्रेश

बर्फ का पानी: फ्रीजर में से चिल्ड वॉटर निकालकर उससे चेहरा धो लें। इससे आपको फ्रेशनेश आवश्य मिलेगी। यह सबसे सस्ता स्कीन टोनर है, जो आपकी त्वचा को मिनट भर में ही फ्रेश कर देता है।

दूध: फ्रिज में रखे हुए दूध को निकालकर उससे चेहरे को धो लें या कॉटन बॉल में लगाकर चेहरे को साफ कर लें। इससे चेहरे के छिद्र खुलने के साथ साथ आपके चेहरे पर प्राकृतिक चमक आ जाएगी।

गुलाब जल: गुलाब जल बहुत सस्ता होता है और घरों में आसानी से मिल जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं जो चेहरे पर पिपंल नहीं होने देते। गुलाब जल से स्कीन को कोई नुकसान नहीं होता।

ग्रीन टी: ग्रीन टी के तत्व चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ग्रीन टी को पानी के साथ मिलाकर चेहरा धोने से आपको अच्छा महसूस होगा। इससे चेहरे में चमक आ जाएगी।

एलोवेरा जूस: चेहरे के लिए एलोवेरा के पत्तों का गूदा बहुत फायदेमंद होता है। इसके पत्तों का रस भी चेहरे के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसको चेहरे पर लगाने से चेहरा साफ तो होता ही है, दमकने भी लगता है। प्रतिदिन सोने से पहले इसको चेहरे पर लगाने से आपका चेहरा शाइन करने लगेगा।

अब मिलेगा गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा

गायनीकोमैस्टिया से ग्रस्त पुरुष अपने शरीर के प्रति बहुत चिंतित हो जाते हैं। विशेषकर तैरते समय, जिम में या चुस्त टीशर्ट पहनते वक्त। इससे उनका आत्मविश्वास घट जाता है। इस प्रकार उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इलाज

गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए लाइपोसक्शन और कुछ विधियों के द्वारा अतिरिक्त चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को हटा दिया जाता है। कुछ मामलों में ऊपरी त्वचा को भी टाइट किया जाता है। यह सर्जरी लोकल या जनरल एनेस्थीसिया देकर की जा सकती है। निपल के एरिया के निचले हिस्से में एक छोटा छेद किया जाता है जिसके जरिए लाइपोसक्शन कैन्युला को भीतर डाला जाता है। कितनी चर्बी निकालनी है, इस आधार पर सर्जरी में एक से दो घंटे लग सकते हैं। जनरल एनेस्थेसिया देकर सर्जरी करने पर रोगी को एक रात के लिए अस्पताल में रुकना पड़ता है।

नवीनतम इलाज

मिनिमली इनवेसिव सर्जरी एक आधुनिक और बेहद कम चीरफाड़ वाली सर्जरी है। इसमें एक छोटे से छिद्र के जरिए चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इसमें निशान कम पड़ते हैं और कोई रिक्त स्थान शेष नहीं रहता। इस सर्जरी के बाद तेजी से रोगी स्वास्थ्य लाभ करता है और कम से कम निशान दिखाई पड़ते हैं। रोगी को सर्जरी वाले स्थान पर कुछ पीड़ा, खरोंच व सूजन जैसा अनुभव होगा, किंतु यह सब कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है। रोगी को कुछ दिनों के लिए काम से छुत्री लेनी पड़ सकती है और कुछ समय के लिए ऐसी गतिविधियों से परहेज करना पड़ता है, जिनसे शरीर पर दबाव पड़ता हो। सर्जरी किए गए स्थान पर संक्रमण या निशान रह जाने का जोखिम बहुत कम होता है। इस समस्या से परेशान पुरुषों को इस सर्जरी के बाद बहुत संतुष्टि और खुशी प्राप्त होती है और वे अपने शरीर के संदर्भ में पहले से कहीं ज्यादा सहज व स्वाभाविक महसूस करते हैं।

समोसे को बोलें बाय सलाद को कहें हाय

जब भी हम तनाव में होते हैं या कुछ खाए काफी देर हो जाती है तो तेज भूख लगती है। पहली इच्छा कुछ सेहतमंद चीज खाने की जगह एक्स्ट्रा चीज वाले पिज्जा, समोसा या फिर क्रीमयुक्त पेस्ट्री खाने की होती है। बहुत कम ही लोग होते है, जिसने तनाव की स्थिति में खाने की इच्छा होने पर उसने सलाद या फल खाना चाहा हो।

ऑफिस में लेट हो जाएं

ऐसी स्थिति में लो फेट दूध से बनी कोल्ड कॉफी और गेहूं से बना सैंडविच खाएं। इसमें सोया और चीज फिलिंग कर सकते हैं। तनाव की स्थिति में सेरोटोनिन रसायन कम हो जाता है। दूध में प्रोटीन होता है। सैंडविच से आपको प्रोटीन और कॉम्प्लैक्स काबरेहाइड्रेट दोनों मिल जाते हैं, जिससे आप एलर्ट रहते हैं। पर, ध्यान रहे, अधिक कॉफी तनाव बढ़ा भी सकती है।

नींद नहीं आती हो

दलिया और केला खाएं। तनाव नींद बढ़ाने वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन से कम हो जाता है। मेलाटोनिन जई, मक्का, ब्राउन राइस, अदरक, पका टमाटर, सोया और खजूर आदि में होता है। दलिया, दूध के साथ खाएं। इससे कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट और फाइबर दोनों मिलते हैं। यह मस्तिष्क पर असर करता है, आप अच्छी नींद ले पाते हैं। केले में मेलाटोनिन और मैग्नीशियम दोनों होते हैं। मैग्नीशियम प्राकृतिक तरीके से मांसपेशियों को राहत पहुंचाता है। रात को सहज नींद आ जाती है।

इंटरव्यू के दौरान

ग्रीन सलाद खाएं। शाकाहारी हैं तो इसमें सोयाबीन, अलसी के बीज और अखरोट की गिरी मिला सकते हैं। मांसाहारी ग्रिल्ड चिकन या सैलमन मछली ले सकते हैं। ग्रीन सलाद विटामिन बी-12 का अच्छा स्रोत है। इससे मूड अच्छा करने वाले सेरोटोनिन और डोपामाइन रसायन मिलते हैं, जिसकी कमी से थकावट और झुंझलाहट होती है।

संपादकीय

बंगाल में भाजपा का अनुमान

एग्जिट पोल का पहला, महत्वपूर्ण, परिवर्तनकारी अनुमान यह है कि सात में से पांच पोल्स ने पश्चिम बंगाल में भाजपाई सत्ता का अनुमान लगाया है। विभिन्न एग्जिट पोल्स का सार-रूप पोल यह है कि भाजपा को 166 और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 121 सीटें मिल सकती हैं। बंगाल में 294 सदस्यों की विधानसभा है, लिहाजा सामान्य बहुमत का आंकड़ा 148 माना जाता है। इस बार बंगाल में बंपर मतदान हुआ है। दोनों चरणों में कुल मतदान 92.84 फीसदी हुआ है। अकेले दूसरे चरण में ही 92.48 फीसदी मतदान किया गया। यकीनन यह अभूतपूर्व और ऐतिहासिक मतदान है। कारण जो भी हो, लेकिन ऐसे मतदान के लिए मतदाता ही बधाई और जागृति के पात्र हैं। ऐसे मतदान का निष्कर्ष कुछ भी हो सकता है। उस निष्कर्ष के लिए 4 मई तक का इंतजार करना चाहिए। वैसे हम भारत में एग्जिट पोल को वैज्ञानिक नहीं मानते, क्योंकि बंगाल में मतदान शाम 6 बजे के बाद भी जारी था, लेकिन एग्जिट पोल के आंकड़े अपराह्न 3 बजे के आसपास ही टीवी चैनलों को भेज दिए गए। इस तरह मतदाताओं का रुझान कैसे आंका जा सकता है? पोल्स का साइज कितना बड़ा था, कितने मतदाताओं से बातचीत की गई, कितने समय बातचीत हुई, उनके ब्यौरे सार्वजनिक नहीं किए जाते, नतीजतन एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरते रहे हैं। भारतीय राजनीति के संदर्भ में अक्सर एग्जिट पोल अथवा सर्वेक्षण गलत साबित होते रहे हैं। मसलन-2004 में 'भारत उदय' के मुद्दे पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार की बरकरारी के अनुमान लगभग सभी पोल्स में लगाए गए थे, लेकिन भाजपा 138 सीटों पर ही ठहर गई और 145 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। बाद में यूपीए के बैनर तले 'खिचड़ी सरकार' बनी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा-एनडीए को 415 सीटें जीतने की भविष्यवाणी की गई थी। भाजपा 240 सीटों पर और कुल एनडीए 293 सीटों पर ही ठहर गए। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और सहयोगी दलों की सरकारें बनने के अनुमान लगाए गए थे, लेकिन तीनों महत्वपूर्ण राज्यों में भाजपा सरकारें बनीं। ओडिशा में भी भाजपा सरकार बनी। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी (अजित पवार) के साथ भाजपा के गठबंधन को नया नाम भी दिया गया-'महायुति।' एग्जिट पोल्स के गलत साबित होने के अनेक उदाहरण हैं, लेकिन हम फिर भी उन्हें न तो खारिज कर रहे हैं और न ही पूरी तरह स्वीकार करने की मनःस्थिति में हैं। बेशक असम में भाजपा, तमिलनाडु में द्रमुक गठबंधन, पुडुचेरी संघशासित क्षेत्र में एनडीए और केरलम में कांग्रेस नेतृत्व के यूडीएफ के सत्ता में आने के आसार पर्याप्त थे, लिहाजा पोल्स के अनुमान भी उन्हीं लाइनों पर हैं। केरलम में बीते 10 साल से वामदलों के एलडीएफ की सरकार थी, लिहाजा अब जनादेश यूडीएफ के पक्ष में स्वाभाविक लग रहा था। हालांकि तमिलनाडु में 'एक्सिस माई इंडिया' ने सुपरस्टार विजय की नवजात पार्टी टीवीके को 98-120 सीटें दी हैं। यानी द्रमुक और अन्नाद्रमुक गठबंधन हार रहे हैं। यह बड़ा असामान्य अनुमान लगता है। तमिलनाडु में सामान्य बहुमत 118 सीट का है। यदि तमिल जनादेश यही रहा और बंगाल का जनमत भाजपाई रहा, तो ये चुनावी नतीजे किसी चमत्कार से कम नहीं होंगे। बंगाल में परिवर्तन की भावनाओं का चुनाव था, तो ममता बनर्जी की 15 साल की सत्ता के बावजूद स्वीकार्यता कम नहीं है। कमोबेश 75-80 फीसदी मुस्लिम वोट, महिलाओं और हिंदुओं का बराबर का समर्थन आज भी 'दीदी' के पक्ष में है। आश्चर्य होता है कि ममता किन क्षेत्रों में इतना हार गईं कि सत्ता के बाहर होती लग रही हैं। यदि बंगाल में ऐसा जनादेश सामने आता है, तो 'जनसंघ' के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मस्थली में 'कमल' खिलेगा और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अधूरी ख्वाहिश पूरी होगी।

सात में से पांच पोल्स ने पश्चिम बंगाल में भाजपाई सत्ता का अनुमान लगाया है। विभिन्न एग्जिट पोल्स का सार-रूप पोल यह है कि भाजपा को 166 और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 121 सीटें मिल सकती हैं। बंगाल में 294 सदस्यों की विधानसभा है, लिहाजा सामान्य बहुमत का आंकड़ा 148 माना जाता है। इस बार बंगाल में बंपर मतदान हुआ है। दोनों चरणों में कुल मतदान 92.84 फीसदी हुआ है। अकेले दूसरे चरण में ही 92.48 फीसदी मतदान किया गया। यकीनन यह अभूतपूर्व और ऐतिहासिक मतदान है। कारण जो भी हो, लेकिन ऐसे मतदान के लिए मतदाता ही बधाई और जागृति के पात्र हैं। ऐसे मतदान का निष्कर्ष कुछ भी हो सकता है। उस निष्कर्ष के लिए 4 मई तक का इंतजार करना चाहिए। वैसे हम भारत में एग्जिट पोल को वैज्ञानिक नहीं मानते, क्योंकि बंगाल में मतदान शाम 6 बजे के बाद भी जारी था, लेकिन एग्जिट पोल के आंकड़े अपराह्न 3 बजे के आसपास ही टीवी चैनलों को भेज दिए गए। इस तरह मतदाताओं का रुझान कैसे आंका जा सकता है? पोल्स का साइज कितना बड़ा था, कितने मतदाताओं से बातचीत की गई, कितने समय बातचीत हुई, उनके ब्यौरे सार्वजनिक नहीं किए जाते, नतीजतन एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरते रहे हैं। भारतीय राजनीति के संदर्भ में अक्सर एग्जिट पोल अथवा सर्वेक्षण गलत साबित होते रहे हैं।

कुछ अलग

दफ्तर जाने के लिए...

दफ्तर जाने के लिए मुझे बहुत सी तैयारियां करनी पड़ती हैं। आखिर दफ्तर जो जा रहा हूं। दफ्तर जाने का मतलब यह तो है नहीं कि साबुन से नहाओ भी मत या रोजाना शेव भी मत बनाओ। दफ्तर में मेरे कई साथी हैं। वे इसे वेस्टेज मानते हैं। उनका तर्क यह है कि दफ्तर कोई निजी कार्य या सगे सम्बन्धी का काम तो है नहीं, जो रोज एक रुपया का ब्लेड खराब करो, साबुन खराब करो, चेहरे को चमकाने के लिए क्रीम लगाओ, बाल काले करो अथवा मूंछों की करीने से कटाई-छंटाई करो। जबकि मेरा मानना है कि दफ्तर से वेतन मिलता है, घर चलता है और वहां महिलाएं काम करती हैं, इसलिए थोड़ा शऊर से ही जाना चाहिए। कपड़े इस्त्री करे हुए पहनता हूं, यहां तक कि कपड़ों की फैशन का भी मैं पूरा ख्याल रखता हूं। मेरे साथी कहते हैं- 'भाई शर्मा, क्या तुम्हें कोई एक्स्ट्रा इन्क्रीमैंट मिलेगा, जो इतने सज-धज कर आते हो। कभी गणतंत्र दिवस या स्वाधीनता दिवस पर भी अभी तक तो सम्मानित नहीं किए गए। क्यों बेकार में धन का अपव्यय और समय जाया करते हो। इससे बढिया तो कोई पार्ट टाइम करते तो समय का सदुपयोग हो।' मैं कहता हूं, 'यारो, क्या मुंह उठाकर सीधे बिस्तर से निकल कर कुर्सी पर आ बैठते हो। कभी मिसेज मलकानी के बारे में भी सोचा है, जो आप लोगों से बात करना तो दूर, पल भर को नजर भरकर भी आप लोगों को देखती तक नहीं। एक मैं हूं जिससे वह घंटों हंस-हंसकर बतियाती हैं।' 'ओह तो शर्मा यह सब मिसेज मलकानी के लिए कर रहे हो। भाभी जी को पता चल गया न तो वे तुम्हारी यह सारी सजावट को तेल लेने भेज देंगी।

आज भी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हजारों महिला शिक्षिकाएँ नई पीढ़ी को ज्ञान दे रही

स्त्री को देह से आगे देखने की आवश्यकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

अंतरिक्ष में जाने वाली महिलाएँ केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा बनती हैं। वे यह संदेश देती हैं कि आकाश भी सीमा नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिला वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और शोधकर्ताओं ने ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन दुखद सत्य यह है कि उनकी उपलब्धियों की चर्चा अक्सर सीमित दायरों में रह जाती है, जबकि उनके व्यक्तित्व की सतही बातों को अधिक महत्व दिया जाता है। कवि ने "मैथमेटिक्स पढ़ाती महिलाओं" का उल्लेख करके एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। गणित जैसे विषय को लंबे समय तक पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। विज्ञान और गणित में महिलाओं की भागीदारी को कम आँका गया, जबकि इतिहास में अनेक महिलाओं ने गणित, भौतिकी, खगोलशास्त्र और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अद्भुत योगदान दिया है।

समाज की प्रगति केवल इमारतों, तकनीक और आर्थिक विकास से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि वह अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, को किस दृष्टि से देखता है। यदि किसी समाज में स्त्री को केवल उसके रूप, देह या पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाए, तो वह समाज आधा सच देख रहा होता है। प्रस्तुत रचना इसी अधूरे और संकीर्ण दृष्टिकोण पर करारा प्रहार करती है। कवि यह प्रश्न उठाता है कि क्यों स्त्रियों की उपलब्धियों, उनके ज्ञान, श्रम, संघर्ष और आत्मबल को उतनी प्रमुखता नहीं मिलती, जितनी उनके बाहरी स्वरूप को मिलती है। यह प्रश्न केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ प्रश्न है। आज जब दुनिया विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और नेतृत्व के नए आयाम छू रही है, तब महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध कर रही हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली महिलाएँ केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा बनती हैं। वे यह संदेश देती हैं कि आकाश भी सीमा नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिला वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और शोधकर्ताओं ने ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन दुखद सत्य यह है कि उनकी उपलब्धियों की चर्चा अक्सर सीमित दायरों में रह जाती है, जबकि उनके व्यक्तित्व की सतही बातों को अधिक महत्व दिया जाता है। कवि ने "मैथमेटिक्स पढ़ाती महिलाओं" का उल्लेख करके एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। गणित जैसे विषय को लंबे समय तक पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। विज्ञान और गणित में महिलाओं की भागीदारी को कम आँका गया, जबकि इतिहास में अनेक महिलाओं ने गणित, भौतिकी, खगोलशास्त्र और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अद्भुत योगदान दिया है। आज भी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हजारों महिला शिक्षिकाएँ नई पीढ़ी को ज्ञान दे रही हैं। वे केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ातीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और तर्कशीलता का संस्कार भी देती हैं। फिर भी समाज अक्सर उनके योगदान को सामान्य मानकर अनदेखा कर देता है। इसी प्रकार "परिवार को पालती औरतों" का जिक्र इस रचना का अत्यंत संवेदनशील पक्ष है। घर चलाना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना, आर्थिक जिम्मेदारियों में भागीदारी निभाना—ये सब ऐसे कार्य हैं, जिन्हें समाज लंबे समय तक स्वाभाविक मानता रहा और इन पर पर्याप्त चर्चा नहीं हुई। घर संभालने वाली महिला का श्रम अक्सर अदृश्य माना जाता है। यदि वही श्रम किसी संस्था या नौकरी के रूप में किया जाए, तो उसका मूल्य तय होता है; पर घर के भीतर किए गए श्रम को प्रेम और कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया जाता है। यह सोच बदलने की आवश्यकता है। परिवार की नींव को मजबूत रखने में महिलाओं की भूमिका केंद्रीय होती है, और इसे सम्मानपूर्वक स्वीकार करना समय की मांग है। रचना की सबसे प्रभावशाली बात यह है कि यह केवल शिकायत नहीं करती, बल्कि समाज को आईना दिखाती है। अंतिम

पंक्ति—जो लोग स्त्री को केवल शरीर तक देखते हैं, वे अभागे हैं—बहुत गहरा अर्थ रखती है। यहाँ "अभागे" शब्द केवल आलोचना नहीं, बल्कि दया का भाव भी व्यक्त करता है। ऐसे लोग स्त्री के वास्तविक स्वरूप को समझने की क्षमता से वंचित हैं। वे उसकी संवेदना, बुद्धिमत्ता, सृजनशीलता, संघर्षशीलता और नेतृत्व क्षमता को नहीं देख पाते। वास्तव में वे स्त्री का नहीं, अपनी सोच का नुकसान करते हैं। आज सोशल मीडिया और विज्ञापन की दुनिया में स्त्री की छवि को लेकर अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। अक्सर महिलाओं को आकर्षण की वस्तु बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। उनकी योग्यता से अधिक उनके पहनावे, रूप-रंग और निजी जीवन पर चर्चा होती है। सार्वजनिक जीवन में सफल महिलाओं को भी कई बार उनकी उपलब्धियों से अधिक उनके बाहरी व्यक्तित्व के आधार पर आँका जाता है। यह प्रवृत्ति केवल मनोरंजन जगत तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति, खेल, शिक्षा और कॉर्पोरेट जगत में भी दिखाई देती है। यह मानसिकता बदलने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। शिक्षा इस बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। यदि बचपन से लड़कों और लड़कियों दोनों को समानता, सम्मान और संवेदनशीलता का संस्कार दिया जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकती हैं। स्कूलों में ऐसी कहानियाँ, उदाहरण और पाठ होने चाहिए जो महिलाओं की उपलब्धियों को सामने लाएँ। बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि स्त्री केवल एक संबंध नहीं, बल्कि स्वतंत्र व्यक्तित्व है। उसकी पहचान उसके सपनों, परिश्रम और उपलब्धियों से बनती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाचार, फिल्में, धारावाहिक और डिजिटल मंच समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। यदि मीडिया महिलाओं को केवल परंपरागत भूमिकाओं या बाहरी आकर्षण तक सीमित दिखाएगा, तो समाज भी उसी दृष्टि को अपनाएगा। इसके विपरीत यदि महिला वैज्ञानिकों, शिक्षिकाओं, उद्यमियों, किसानों, खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की कहानियों को प्रमुखता दी जाए, तो समाज की चेतना सकारात्मक दिशा में बढ़ेगी। आज आवश्यकता है कि प्रेरक महिला चरित्रों को अधिक स्थान मिले। कार्यस्थलों पर भी महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव जरूरी है। महिला कर्मचारी या अधिकारी को उसकी क्षमता, नेतृत्व और कार्यकुशलता के आधार पर सम्मान मिलना चाहिए, न कि उसके लिंग के आधार पर पूर्वाग्रहों से देखा जाए। समान वेतन, सुरक्षित वातावरण और अवसरों की समानता केवल नीतिगत विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के मूल तत्व हैं। जब महिलाएँ बिना भेदभाव के काम कर पाएँगी, तभी समाज अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँच सकेगा। परिवार स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता है। अक्सर बेटियों को सीमाओं और बेटों को स्वतंत्रता के साथ पाला जाता है। यह अंतर बचपन से ही असमानता को जन्म देता है। यदि परिवार बेटियों को भी सपने देखने, निर्णय लेने और आगे बढ़ने का समान अवसर दें, तो समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव है। साथ ही बेटों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि सम्मान, साझेदारी और संवेदना ही मजबूत रिश्तों की नींव हैं। यह रचना हमें यह भी समझाती है कि स्त्री का सम्मान केवल नारों से नहीं होगा। महिला दिवस पर शुभकामनाएँ देना पर्याप्त नहीं, यदि रोजमर्रा के व्यवहार में भेदभाव बना रहे। सम्मान का अर्थ है—उसकी बात सुनना, उसकी मेहनत को स्वीकार करना, उसके निर्णयों का आदर करना और उसे स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना। यह बदलाव भाषा, व्यवहार, सोच और व्यवस्था—चारों स्तरों पर होना चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब-जब महिलाओं को अवसर मिले हैं, उन्होंने असाधारण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। राजनीति से विज्ञान तक, साहित्य से खेल तक, शिक्षा से उद्यमिता तक—हर क्षेत्र में महिलाओं ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। इसलिए यह कहना कि स्त्री किसी क्षेत्र में कमतर है, केवल पूर्वाग्रह है, सत्य नहीं। समाज को चाहिए कि वह महिलाओं को प्रेरणा, नेतृत्व और परिवर्तन की शक्ति के रूप में देखे। रचना की शक्ति इसी में है कि वह सरल शब्दों में गहरी बात कहती है। यह कविता केवल स्त्री की प्रशंसा नहीं करती, बल्कि समाज से प्रश्न पूछती है—क्या हम अब भी स्त्री को आधा देखकर संतुष्ट हैं? क्या हम उसकी उपलब्धियों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? क्या हम उसे बराबरी की दृष्टि से देखने का साहस रखते हैं? ये प्रश्न हर व्यक्ति के सामने खड़े हैं। समय आ गया है कि हम स्त्री को देह से आगे देखें—विचार के रूप में, संघर्ष के रूप में, सृजन के रूप में, नेतृत्व के रूप में और पूर्ण मनुष्य के रूप में। जब समाज यह दृष्टि अपनाएगा, तभी वास्तविक समानता संभव होगी। स्त्री को सीमित देखने वाली मानसिकता जितनी जल्दी बदलेगी, उतनी जल्दी समाज भी आगे बढ़ेगा। क्योंकि स्त्री को सम्मान देना केवल महिला अधिकारों का विषय नहीं, बल्कि सभ्यता की परिपक्वता का प्रमाण है।

देश दुनिया से

आम आदमी पार्टी के विखंडन की दिशा

आम आदमी पार्टी के गठन के पीछे किसकी योजना थी और क्या उद्देश्य था, इसको लेकर उन्हीं दिनों से माथापच्ची हो रही है जब से दिल्ली के रामलीला मैदान में महाराष्ट्र से अन्ना हजारे को लाकर बिठा दिया गया था और तीव्र गति से उसका नेतृत्व अरविंद केजरीवाल ने संभाल लिया था। अनेक उद्देश्यों में से एक उद्देश्य इस भय में से उपजा था कि जिस प्रकार की परिस्थितियां कांग्रेस शासन के भ्रष्टाचार को लेकर बनती जा रही थीं, उससे लगता था कि कांग्रेस की पराजय निश्चित ही थी। असली भय यह था कि कांग्रेस के संभावित पतन से उत्पन्न हुए शून्य को कौनसी राजनीतिक पार्टी भर सकती है। ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही थी कि यह शून्य भारतीय जनता पार्टी भर सकती थी। लेकिन पश्चिम में 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन' को लेकर जिस प्रकार की बहस छिड़ चुकी थी, उस वातावरण में यह प्रश्न भी बहस में आने लगा था कि यदि भारत में भाजपा सत्ता के केन्द्र में आ जाती है तो 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन' की बहस में भारत भी तीसरा पक्ष बन सकता है। शायद इसीलिए बहुत ही जल्दी में अरविंद केजरीवाल और उनके मित्र मनीष सिसोदिया को मैदान में उतारा गया। निराकार को साकार रूप देने के लिए उसके ऊपर आम आदमी पार्टी का नाम चस्पां कर दिया गया। उन दिनों ये आरोप भी लगे थे कि तुरत फुरत नई पार्टी बनाने और संवारने के लिए किसी एनजीओ के नाम से किसी अमरीकी फाउंडेशन ने पैसा मुहैया करवाया था। जब चर्चा बहुत चल पड़ी तो केजरीवाल ने कुछ इस प्रकार का खंडन भी किया था कि पैसा वापस कर दिया गया था। केजरीवाल और उसका कद रातों रात बड़ा करना था, इसलिए केजरीवाल ने सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह इत्यादि को ही निशाने पर रखा। मीडिया ने बड़ी मेहनत से हवा बनाना शुरू कर दिया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस का विकल्प आम आदमी पार्टी ही है। यहां यह ध्यान में रखना चाहिए कि जब केजरीवाल और उनके मित्र मनीष सिसोदिया ने आम आदमी पार्टी का रूप धारण करना शुरू कर दिया था तो अन्ना हजारे को भी शक

पडने लगा था कि उनका किसी गहरी साजिश में दुरुपयोग किया गया है। वे वापस महाराष्ट्र चले गए थे। यह मानना पड़ेगा कि केजरीवाल और सिसोदिया की रणनीति पहले चरण में तो कामयाब ही रही। दिसंबर 2023 में जब दिल्ली विधानसभा के चुनाव हुए तो आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ दिया। उनकी मुख्यमंत्री शीला दीक्षित केजरीवाल के हाथों पराजित हुई। यह ठीक है कि कोई भी पार्टी बहुमत प्राप्त नहीं कर सकी। कांग्रेस को केवल 8, भाजपा को 31 और आम आदमी पार्टी को 28 सीटें मिलीं। जिस प्रकार अन्ना हजारे का उपयोग शून्य में से एक नए राजनीतिक दल को आकार देने के लिए किया गया, इसी प्रकार अब कांग्रेस पार्टी का ही उपयोग केजरीवाल का कद बढ़ाने के लिए किया गया। कांग्रेस ने यह आत्मघाती भूल खुद की या किसी के इशारे पर, यह तो इशारे करने वाले या इशारे समझने वाले ही जानें, लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल को दिल्ली में सरकार बनाने के लिए अपने आठ विधायकों का समर्थन दे दिया और केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बन गए। अब तक केजरीवाल की छवि भ्रष्टाचार के विरोध में एक कट्टर ईमानदार व्यक्ति की बनाई गई थी। लेकिन अब उनको लांच करने के दूसरे चरण पर काम शुरू हो गया। अब उन पर महात्मा का आकार चस्पां करना था। सत्ता के लालच से दूर रहने वाला महापुरुष। सत्ता को ठोकर मार देने वाला महात्मा। इस प्रकार की छवि के लिए सत्याग्रह करना लाजिमी होता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री भरी सर्दी की रात्रि में भी सडक़ पर ही सत्याग्रही की मुद्रा में आ गए। कांग्रेस ने केजरीवाल को समर्थन दिया था। लेकिन केजरीवाल ने दिल्ली की जनता की खातिर कांग्रेस का वह समर्थन वापस कर दिया। मुख्यमंत्री की गद्दी को लात मार दी। विधानसभा भंग हो गई। दरअसल लोकसभा के चुनाव सिर पर आ गए थे। केजरीवाल देश में विकल्प के तौर पर उतरे थे या उतारे गए थे। इसलिए पूरे देश में आकार ग्रहण करने के लिए त्याग के इस अनुपम उदाहरण का प्रदर्शन अनिवार्य था। केजरीवाल की पार्टी ने पूरे देश भर में लोकसभा के लिए अपने प्रत्याशी उतार दिए थे। वे स्वयं वाराणसी में नरेंद्र मोदी के मुकाबले में आ गए थे। कुमार विश्वास को राहुल गांधी के खिलाफ उतारा गया। लेकिन इस समय अमरीका के मीडिया की सक्रियता देखते ही बनती थी। उनका निष्कर्ष था कि आम आदमी पार्टी भारत में कांग्रेस का विकल्प बन कर उभर आई है। अब चिन्ता की जरूरत नहीं है। केवल पंजाब में आम आदमी पार्टी के चार सदस्य चुने गए जिनमें से भगवंत मान भी एक थे। बाकी सारे भारत में अरविंद केजरीवाल समेत सभी की जमानतें जब्त हो गई थीं। चुनाव नतीजों ने बताया कि कांग्रेस का विकल्प भारत के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को माना है। 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन' पर माथापच्ची करने वालों के लिए सबसे बड़ी चिन्ता भी यही थी। भाजपा के आने का अर्थ था केन्द्र में सशक्त सरकार का स्थापित ही नहीं हो जाना, बल्कि भारत का पुनः अपने सांस्कृतिक सूत्रों को मजबूत करना। लेकिन कांग्रेस ने जो गलती केजरीवाल को मुख्यमंत्री की पहचान देकर की थी, अब उसके परिणाम आने शुरू हुए। 2015 में दिल्ली विधानसभा के लिए पुनः चुनाव हुए तो कांग्रेस का तो एक भी प्रत्याशी जीत नहीं सका। 70 में से आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीत लीं।

आप का नज़रिया

धर्मशाला की पिच पर

चुनावी तख्तियों पर लिखे जाएंगे, आलेख तुम्हारे, तुमने जनता को अभी तक हुक्मरान बन के देखा। यानी शहरी निकाय चुनावों की अदालत में उन नेताओं का मुकदमा शुरू हुआ, जो अब तक सत्ता के सितारे बन कर आकाश में थे। इस बार नगर निगम चुनावों के बहाने कांगड़ा (धर्मशाला व पालमपुर) मंडी व सोलन जिलों में सियासी संगठन और प्रदर्शन सामने आएंगे। भाजपा और कांग्रेस ने नगर निगम चुनावों में न केवल अपने खास प्रहरी मैदान में उतारे, बल्कि आर पार की मुद्रा में शक्तियों की परख भी होगी। कांग्रेस ने मंडी में विक्रमादित्य, सोलन में रोहित ठाकुर, पालमपुर में राजेश धर्माणी और धर्मशाला में आरएस बाली के सुपुर्द रणनीतिक पासा सौंपा है। भाजपा इसके मुकाबले नगर निगमों में एक साथ कई नेताओं को उतार रही है। मंडी में पायल वैद्य, अनिल शर्मा, इंद्र सिंह गांधी व निहाल चंद तो सोलन में संजीव कटवाल, बलवीर वर्मा, रश्मि धर सूद तथा वंदना योगी के हवाले चुनाव कर रही। उधर कांगड़ा के पालमपुर में विपिन सिंह परमार, राजेश ठाकुर, त्रिलोक कपूर तथा रागिणी तथा धर्मशाला में सुधीर शर्मा, पवन काजल और सचिन शर्मा के हाथों में कमान सौंप रही है। निगम चुनावों की चौपाल थोड़ी बड़ी तथा विधानसभा क्षेत्रों की पड़ताल के नजदीक है, इसलिए कांग्रेस के मंत्रियों को कई विभागों के रिपोर्ट कार्ड दिखाने पड़ेंगे। यह कोई सिक्का उछालने का ही सबब नहीं, बल्कि रणनीतिक कौशल है जिसके ध्रुव में कांग्रेस और भाजपा के बीच पगडियां उछलेंगी। विडंबना यह है कि इन चारों नगर निगमों के किसी भी पूर्व महापौर के हाथों में स्वतंत्र कमान न देकर पार्टियां अपने स्थापित नेताओं के हाथ में बागडोर थमा रही हैं। यानी बड़ी राजनीति के छोटे से किरदार में नगर प्रशासन की जान फंसी है। खैर यह तो वक्त, उम्मीदवारों का चयन, मुद्दों की फेहरिस्त और स्थानीय नेताओं की पहचान बताएगी कि हमारे शहर अपने सुशासन के लिए किस पर भरोसा करते हैं। शिमला के बाद राजनीतिक परिपक्वता तथा नगर निगम चुनावों के दौर देख चुका धर्मशाला शहर पूरी सियासत को भी कुछ सबक दे सकता। सबक तो पालमपुर, मंडी व सोलन के भी महत्त्वपूर्ण हैं, लेकिन धर्मशाला के कई हिसाब बाकी हैं। यह इसलिए भी कि कांग्रेस ने पहली बार के विधायक और पूर्व मंत्री स्व.जीएस बाली की सलतनत पर उनके पुत्र आरएस बाली को बैठाया है। यह कोई कोरे कागज पर दस्तखत नहीं, लेकिन कांग्रेस से भाजपा में समाए पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा के लिए भी हिसाब बराबर करने का मौका है यानी धर्मशाला में सुधीर बनाम छोटे बाली होने वाला है। जाहिर है बाली को ऐसे कई प्रश्नों के जवाब देने पड़ेंगे जिनके नाखून लंबे हो चुके हैं। सर्वप्रथम जिस शहर की हवाओं में आरएस बाली अपने नेतृत्व की पीठ ठोंकते-ठोंकते मरणासन्न की स्थिति तक पहुंचे बस स्टैंड का नामाकरण अपने स्व. पिता जी के आदर्शों को सौंप देते हैं, उस बस अड्डे के निर्माण की न विधि सामने आई और न ही इस दक्षता से वह कुछ कर पाए। ऐसे ही कांगड़ा को पर्यटन कैपिटल बनाने के दावों के बीच कानवेंशन सेंटर के शिलालेख उजड़ गए। वैसे सबसे बड़ा मुद्दा तो केंद्रीय विश्वविद्यालय के परिसर का है। हालांकि इसकी परिधि में जदरांगल का ग्रामीण क्षेत्र आता है, लेकिन स्मार्ट सिटी के नाम पर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंजीकृत पते पर हुई चोट दर्द बयां करती है। मुद्दे तो बरसात के दरकते मकलोडगंज मार्ग पर खड़े हैं और डल झील के साथ रिस रहे हैं। बहरहाल यह मुकाबला रोचक होने वाला है क्योंकि सरकार में कांगड़ा के सारे सियासी प्रोत्साहन जिस पहली टर्म के विधायक को मिले, उससे पूछा जाएगा आपने धर्मशाला की स्मार्ट सिटी के रंग रोगन के लिए क्या किया।

मंडी व सोलन जिलों में सियासी संगठन और प्रदर्शन सामने आएंगे। भाजपा और कांग्रेस ने नगर निगम चुनावों में न केवल अपने खास प्रहरी मैदान में उतारे, बल्कि आर पार की मुद्रा में शक्तियों की परख भी होगी। कांग्रेस ने मंडी में विक्रमादित्य, सोलन में रोहित ठाकुर, पालमपुर में राजेश धर्माणी और धर्मशाला में आरएस बाली के सुपुर्द रणनीतिक पासा सौंपा है। भाजपा इसके मुकाबले नगर निगमों में एक साथ कई नेताओं को उतार रही है। मंडी में पायल वैद्य, अनिल शर्मा, इंद्र सिंह गांधी व निहाल चंद तो सोलन में संजीव कटवाल, बलवीर वर्मा, रश्मि धर सूद तथा वंदना योगी के हवाले चुनाव कर रही। उधर कांगड़ा के पालमपुर में विपिन सिंह परमार, राजेश ठाकुर, त्रिलोक कपूर तथा रागिणी तथा धर्मशाला में सुधीर शर्मा, पवन काजल और सचिन शर्मा के हाथों में कमान सौंप रही है। निगम चुनावों की चौपाल थोड़ी बड़ी तथा विधानसभा क्षेत्रों की पड़ताल के नजदीक है, इसलिए कांग्रेस के मंत्रियों को कई विभागों के रिपोर्ट कार्ड दिखाने पड़ेंगे। यह कोई सिक्का उछालने का ही सबब नहीं, बल्कि रणनीतिक कौशल है जिसके ध्रुव में कांग्रेस और भाजपा के बीच पगडियां उछलेंगी। विडंबना यह है कि इन चारों नगर निगमों के किसी भी पूर्व महापौर के हाथों में स्वतंत्र कमान न देकर पार्टियां अपने स्थापित नेताओं के हाथ में बागडोर थमा रही हैं। यानी बड़ी राजनीति के छोटे से किरदार में नगर प्रशासन की जान फंसी है।

दृष्टि कोण

उच्च शिक्षा में 'मार्केट फॉर लेमन्स'

भारत में उच्च शिक्षा का तीव्र विस्तार अवसरों के साथ-साथ गंभीर चुनौतियाँ भी लेकर आया है। एक ओर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर लगातार प्रश्न उठ रहे हैं। ऐसे समय में अर्थशास्त्री जॉर्ज अकेलॉफ का 'मार्केट फॉर लेमन्स' सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देता है। इस सिद्धांत के अनुसार जब उपभोक्ता को किसी वस्तु की वास्तविक गुणवत्ता की सही जानकारी नहीं होती, तब निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बाजार पर हावी हो जाते हैं और अच्छे उत्पाद पीछे हट जाते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थी उपभोक्ता हैं और संस्थान सेवा प्रदाता। जब विद्यार्थियों को संस्थानों की वास्तविक स्थिति, शिक्षकों की गुणवत्ता, रोजगार संभावनाओं, शोध कार्य और आधारभूत सुविधाओं की सही जानकारी नहीं मिलती, तब वे कमज़ोर संस्थानों में प्रवेश लेने को विवश हो जाते हैं। भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार मुख्य रूप से नीतिगत प्रयासों के कारण हुआ है। नई शिक्षा नीति ने उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने, दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहन देने, ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा देने और निजी निवेश को आकर्षित करने पर बल दिया। इससे शिक्षा तक पहुँच बढ़ी और अधिक विद्यार्थियों को अवसर मिला, परंतु संस्थानों की गुणवत्ता उसी गति से विकसित नहीं हो सकी। अनेक निजी संस्थान आकर्षक विज्ञापन, भव्य परिसर और बड़े-बड़े दावे करके विद्यार्थियों को अपनी ओर खींचते हैं, जबकि वास्तविकता में वहाँ योग्य शिक्षक, शोध वातावरण और रोजगारपरक शिक्षा का अभाव होता है। सरकारी आँकड़े भी अक्सर विलंब से आते हैं या सामान्य लोगों की समझ से परे जटिल रूप में उपलब्ध होते हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थी और अभिभावक सही निर्णय नहीं ले पाते। यही स्थिति निम्न गुणवत्ता वाले शिक्षा बाजार को जन्म देती है। इसी समस्या को दूर करने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग

व्यवस्था प्रारंभ की। इसका उद्देश्य देश के उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन निश्चित मानकों के आधार पर करना है। इसमें शिक्षण व्यवस्था, संसाधन, शोध कार्य, स्नातक परिणाम, समावेशन और प्रतिष्ठा जैसे पहलुओं को देखा जाता है। इस व्यवस्था ने पहली बार विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच दिया जहाँ वे विभिन्न संस्थानों की तुलनात्मक स्थिति जान सकते हैं। इससे संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ी और अनेक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों ने शिक्षकों की नियुक्ति, शोध प्रकाशनों, रोजगार सहायता केंद्रों और आधारभूत सुविधाओं में सुधार करना प्रारंभ किया। इस रैंकिंग व्यवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने उच्च शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता के संकेत उपलब्ध कराए। अब विद्यार्थी केवल विज्ञापनों या प्रचार सामग्री पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि संस्थान की स्थिति, शोध प्रदर्शन, परीक्षा परिणाम और समावेशन जैसी जानकारियों को देखकर निर्णय ले सकते हैं। इससे सूचना के अभाव की समस्या में कुछ कमी आई है। सरकार के लिए भी यह एक महत्त्वपूर्ण नीति उपकरण सिद्ध हुआ है, जिसके माध्यम से विभिन्न संस्थानों की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन संभव हुआ है। फिर भी यह व्यवस्था पूर्ण समाधान नहीं है। इसकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह काफी हद तक संस्थानों द्वारा स्वयं दिए गए आँकड़ों पर आधारित रहती है। यदि कोई संस्थान गलत या बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दे, तो रैंकिंग की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। दूसरा, शोध कार्य को अधिक महत्व मिलने से वे महाविद्यालय पीछे रह जाते हैं जो मुख्य रूप से शिक्षण पर केंद्रित हैं।

एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहेंगी चानू

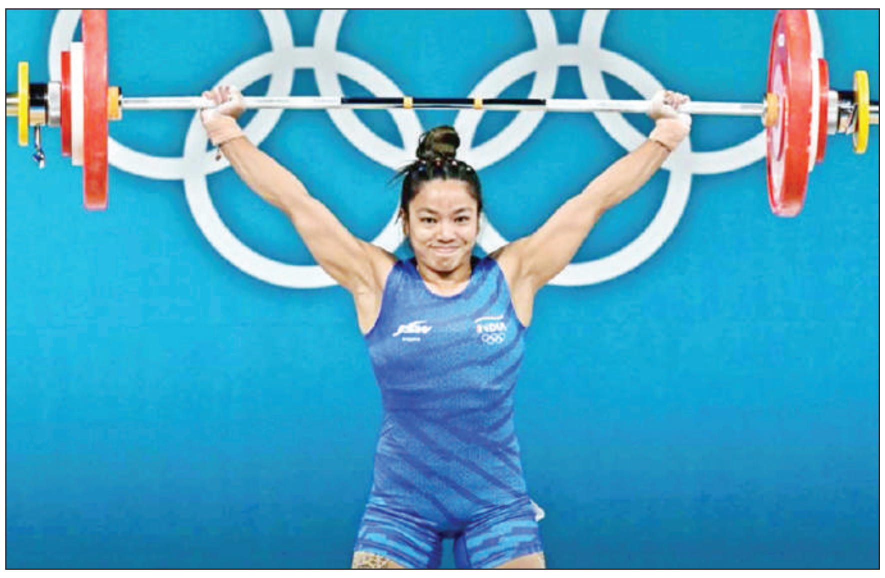

नई दिल्ली

भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कंधे की चोट के चलते उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। चानू का मुख्य लक्ष्य इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करना है, जिसके लिए वह कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहतीं। उनका यह रणनीतिक निर्णय सुनिश्चित करेगा कि वह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से फिट और तैयार रहें। भारोत्तोलन एक ऐसा खेल है जिसमें शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, और चानू जैसी शीर्ष स्तर की एथलीट के लिए चोट से बचाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली मीराबाई का मानना है कि उनकी शारीरिक स्थिति सर्वोच्च प्राथमिकता है। एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहकर, उन्हें अपनी चोट से पूरी तरह उबरने और आगामी मेगा-इवेंट्स के लिए अपनी शक्ति और तकनीक को निखारने का पर्याप्त समय मिलेगा। यह कदम उनके दीर्घकालिक करियर के लिए भी बुद्धिमानी भरा है, ताकि वह भविष्य में भी भारत के लिए पदक जीतती रहें। मीराबाई चानू का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल होंगे। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फार्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है। यह साल 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

बुमराह के बचाव में उतरे पोलार्ड

मुम्बई। मुंबई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और लगातार मिल रही हार से वह नौवे स्थान पर खिसक गयी है। मुम्बई की हार में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खराब प्रदर्शन भी एक प्रमुख कारण रहा है। बुमराह इस सत्र में असफल रहने के बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये और उन्होंने 56 रन दे दिए। यह उनके टी20 करियर के सबसे महंगे स्पेल में से एक रहा, जिसके बाद से ही वह आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में टीम के बल्लेबाजी कोच कायरन पोलार्ड ने बुमराह का बचाव किया है। में पोलार्ड ने कहा कि हर खिलाड़ी अपने करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है और बुमराह भी कोई अलग नहीं हैं। उन्होंने कहा, बुमराह ने लगातार अविश्वसनीय प्रदर्शन किया है। एक खिलाड़ी के तौर पर वह अपने खराब दौर से गुजर रहे हैं जिसमें गलतियां होती हैं। हमें हमेशा उनके बेहतरीन योगदान को याद रखना चाहिए न कि केवल एक-दो खराब प्रदर्शन पर उन्हें आंकना चाहिए। पोलार्ड ने प्रशंसकों और आलोचकों से खिलाड़ियों के प्रति थोड़ा संयम बरतने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हर पल सार्वजनिक जांच के दायरे में रहते हैं, जिससे उनकी गलतियां सामान्य लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा नजर आती हैं।

क्लासेन को एकदिवसीय विश्वकप के लिए शामिल करे दक्षिण अफ्रीका : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन ने कहा है कि जिस प्रकार से क्लासेन खेल रहे हैं। उसको देखते हुए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड को उन्हें संन्यास से वापसी करने को कहना चाहिये। इसके साथ ही साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी टीम में शामिल करना चाहिये। पीटरसन इंग्लैंड टीम में शामिल होने से पहले दक्षिणा अफ्रीकी मूल के क्रिकेटर रहे हैं। उनका मानना है जिस प्रकार की आक्रामक बल्लेबाजी क्लासेन करते हैं। उससे वह दक्षिण अफ्रीकी टीम को एकदिवसीय खिताब जिताने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। क्लासने ने जिस प्रकार से मुबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में केवल 30 गेंदों में नाबाद 65 रनों की आक्रामक पारी खेली उससे भी पीटरसन बेहद प्रभावित हैं। उनकी इस पारी में 7 शानदार चौके और 4 छक्के लगाये थे। क्लासेन इस सत्र में मध्यक्रम में सबसे आक्रामक बल्लेबाज बनकर सामने आये हैं। उन्होंने अब तक 9 पारियों में कुल 414 रन बनाए हैं, उनका औसत 59.14 जबकि स्ट्राइक रेट 157.41 का रहा है। पीटरसन ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने भी क्लासेन के प्रदर्शन की सराहतना की है। उन्होंने कहा कि मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए भी क्लासेन ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के साथ रन और स्ट्राइक रेट में मुकाबला किया है। जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है।

विश्व टीम टेबल टेनिस : लंदन में भारतीय पुरुषों का दमदार पलटवार, स्लोवाकिया को दी पटखनी

लंदन। यूनाइटेड किंगडम के लंदन में आयोजित हो रही आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के ग्रुप-7 के एक बेहद कड़े मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम ने जबरदस्त वापसी की है। बुधवार रात कापर बाक्स एरिना में खेले गए मैच में भारत ने स्लोवाकिया को 3-2 से पराजित कर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने नाकआउट दौर के लिए अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। मुकाबले की शुरुआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही। दुनिया के 51वें नंबर के खिलाड़ी मानुष शाह को स्लोवाकिया के अनुभवी लुबोमिर पिस्टेज ने पाँच सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, भारत के स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर (रैंक 42) ने तुरंत मोर्चा संभाला और जैकब जेलिंका को सीधे सेटों में 11-6, 11-8, 11-6 से शिकस्त देकर स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे मैच में स्लोवाकिया के रक्षात्मक खिलाड़ी वांग यांग ने हरमीत देसाई को 16-14, 11-5, 11-9 से हराकर भारत को फिर मुश्किल में डाल दिया। जब भारतीय टीम 1-2 से पिछड़ रही थी, तब मानव ठक्कर ने फिर जादुई खेल दिखाया। उन्होंने लुबोमिर को एकतरफा मुकाबले में 11-3, 11-3, 11-3 से हराकर मैच को निर्णायक मोड़ पर पहुँचा दिया।

दिल्ली ने चेज कर दिया आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा टारगेट, 225 रन बनाकर भी हार गई राजस्थान की टीम

जयपुर: आईपीएल 2026 के हाईवोल्टेज मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराकर कमाल की जीत हासिल की। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान की टीम ने बोर्ड पर 225 रन लगाए थे। जवाब में दिल्ली की टीम ने इस टारगेट को आखिरी ओवर तक 3 विकेट खोकर चेज कर लिया। यह आईपीएल इतिहास में दिल्ली का सबसे बड़ा चेज है।

रियान पराग की पारी गई खराब

कप्तान रियान पराग की शानदार पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को जीत के लिए 226 रन का टारगेट दिया है। राजस्थान की कोशिश इस मैच को जीतकर प्वाइंट्स टेबल में दूसरा पायदान हासिल करने की होगी। मैच में टॉस जीतकर रियान पराग ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। शुरुआत में कप्तान का यह निर्णय गलत साबित होता नजर आया। मैच की पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले यशस्वी जायसवाल (6) तीसरी गेंद पर अपना कैच गेंदबाज मिचेल स्टार्क को थमा बैठे।

राजस्थान की शुरुआत रही खराब

अगले ओवर की पांचवीं गेंद पर टीम ने वैभव सूर्यवंशी का विकेट भी खो दिया, जो महज एक चौका लगाकर पवेलियन लौट गए। टीम ने 1.5 ओवरों तक 12 के स्कोर पर अपने 2 विकेट खो दिए थे। यहां से कप्तान रियान पराग ने ध्रुव जुरेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 102 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 114 के स्कोर तक पहुंचा दिया। जुरेल 30 गेंदों में 1 छक्का और 4 चौकों के साथ 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से रियान पराग ने रविंद्र जडेजा के साथ चौथे विकेट के लिए 28 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। जडेजा 14 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान पराग ने 50 गेंदों में 5 छक्कों और 8 चौकों के साथ 90 रन की पारी खेली।

फरेरा की शानदार पारी

डोनोवन फरेरा ने शुभम दुबे के साथ छठे विकेट के लिए 15 गेंदों में 40 रन जुटाकर राजस्थान को 200 के पार पहुंचाया। फरेरा 14 गेंदों में 6 छक्कों और 2 चौकों के साथ 47 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान ने निर्धारित ओवरों में 225/6 का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि काइल जैमीसन, अक्षर पटेल और टी नटराजन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

रियान पराग ने दिया बड़ा बयान

मैच के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग अपनी टीम के प्रदर्शन से थोड़े निराश नजर आए। पराग ने माना कि बल्लेबाजी में स्कोर पर्याप्त था लेकिन गेंदबाजी में अनुशासन की कमी खली। उन्होंने हार के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि हमारा स्कोर अच्छा था। यहां 200 रन पार स्कोर माना जाता है।

रियान पराग के ई-सिगरेट विवाद से कोच संगकारा भी नाराज

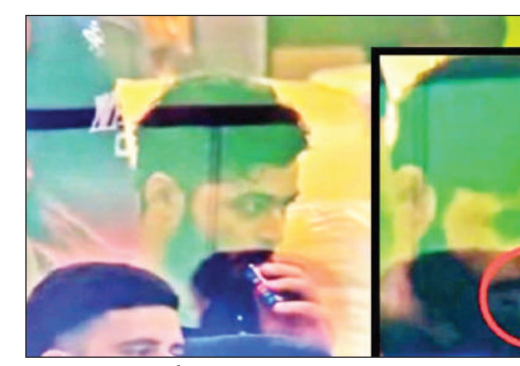

मुम्बई

राजस्थान रायल्स की टीम के कप्तान रियान पराग की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप्स) विवाद में फंसने के बाद जहां भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है। वहीं अब इस मामले में टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा भी नाराज हैं और पराग को छोड़ने के मुड में नजर नहीं आते। पराग को न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान सिगरेट पीते देखा गया था। जिसका बाद से ही वह आलोचना का केन्द्र बने हैं। वहीं संगकारा का मानना है कि इस तरह के विवाद न केवल टीम के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं, बल्कि इससे ड्रेसिंग रूम का माहौल भी खराब होता है। संगकारा ने कहा है कि टीम के सभी खिलाड़ियों को अनुशासन बनाये रखना होगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पहले संगकारा ने कहा, इस तरह के विवाद टीम के लिए सही नहीं हैं। मैं बस इतना कह सकता हूं कि बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी दोनों ने इन मामले पर गंभीरता से बात की है। यह खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि उन्हें हर हाल में टीम के माहौल को बेहतर बनाए रखना होगा और आईपीएल की गरिमा का ध्यान रखना होगा। उनके इस बयान से साफ है कि फ्रेंचाइजी भी इस मामले पर गहरा विचार कर रही है और रियान पर आंतरिक कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि बीसीसीआई केवल रियान पराग पर कार्रवाई करके संतुष्ट नहीं है। बोर्ड अब राजस्थान रायल्स फ्रेंचाइजी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है।

रायल्स पर भी कार्रवाई कर सकती है बीसीसीसी

बीसीसीआई का मानना है कि आईपीएल जैसे बड़े मंच पर ऐसे आचरण से लीग की प्रतिष्ठा और मर्यादा को नुकसान पहुंचता है। इसे बनाए रखना सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई दोषी टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने पर विचार कर रहा है ताकि यह पक्का किया जा सके कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो और आईपीएल की वैश्विक छवि को कोई नुकसान न पहुंचे।

भारतीय खेलों के भविष्य पर ऐतिहासिक संवाद

खेलों का भविष्य: नीति, व्यवसाय और उत्कृष्टता का संगम

आईपीएल मॉडल को अन्य खेलों में अपनाने की जरूरत

हैदराबाद । सिम्पोजियम हैदराबाद ने भारतीय खेलों के भविष्य पर एक महत्वपूर्ण और यादगार चर्चा का आयोजन किया। खेल, नीति, मीडिया और व्यवसाय क्षेत्र के प्रमुख नेताओं ने हैदराबाद में एकत्र होकर भारत में एथलेटिक उत्कृष्टता के विकसित हो रहे पारिस्थितिकी तंत्र पर गहन विचार-विमर्श किया।

सिम्पोजियम, हैदराबाद का उभरता हुआ विचार और नेतृत्व मंच, ने गुरुवार शाम को क्वोरम, माधापुर, हैदराबाद में अपना दूसरा प्रमुख सत्र बियॉन्ड द गेम: द बिजनेस ऑफ एथलेटिक एक्सीलेंस आयोजित किया। इस सत्र में भारत के खेल, लोक नीति, प्रशासन, मीडिया और उद्योग क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तियों ने भाग लिया और उच्च स्तरीय चर्चा की।

सिम्पोजियम की स्थापना श्री गिरिश मल्लपानी द्वारा की गई है और सह-संस्थापक श्री जयेश रंजन आईएएस हैं। यह मंच सरकार, व्यवसाय, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन के नेताओं को भारत के भविष्य को आकार देने वाले मुद्दों पर अर्थपूर्ण संवाद के लिए एक recuring बौद्धिक मंच के रूप में विकसित किया गया है। सत्र में शामिल प्रमुख पैनलिस्ट थे- अभिनव बिंद्रा - भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन के संस्थापक। कर्नल नछत्तर सिंह जोहल - सीईओ, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स), स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, बोरिया मजूमदार - प्रसिद्ध खेल इतिहासकार, लेखक और पत्रकार और मंदिरा बेदी ¯-अभिनेत्री, प्रस्तुतकर्ता और खेल-फिटनेस की पैरोकार।

इस चर्चा की मॉडरेशन श्री जयेश रंजन आईएएस, तेलंगाना सरकार के स्पेशल चीफ सेक्रेटरी और सिम्पोजियम के सह-संस्थापक ने की।

तेलंगाना स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की बड़ी घोषणा

सत्र के दौरान श्री जयेश रंजन आईएएस ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि प्रस्तावित तेलंगाना स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी द्वारा दिया जाने वाला पहला मानद डॉक्टरेट अभिनव बिंद्रा को प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा, जब भी तेलंगाना स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह होगा, हम अभिनव बिंद्रा को तेलंगाना स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का पहला मानद डॉक्टरेट प्रदान करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान एमसी द्वारा बिंद्रा को गलती से डॉक्टर कहे जाने का जिक्र करते हुए कहा, हम जल्द ही इसे हकीकत बना देंगे।श्री जयेश रंजन ने तेलंगाना सरकार के खेल विकास के प्रगतिशील दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार को बुनियादी ढांचा और दीर्घकालिक सहायता प्रणाली उपलब्ध करानी चाहिए, जबकि विशेषज्ञ एथलीट प्रशिक्षण, प्रतिभा पहचान और करियर प्लानिंग का नेतृत्व करें। कर्नल नछत्तर सिंह जोहल ने भारत की ओलंपिक तैयारी रणनीति और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने साफ कहा, अगर इस देश में खेल अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो इसके मुख्य दोषी खेल महासंघ हैं।

अभिनव बिंद्रा ने अपनी एलीट खेल यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा, खेल ने मुझे खुद का सम्मान करना सिखाया है। उन्होंने ग्रामीण युवाओं और बच्चों में खेल भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

बोरिया मजूमदार ने महिला क्रिकेट की चुनौतियों और मीडिया की भूमिका पर बात की, जबकि मंदिरा बेदी ने भारतीय महिला खेलों के उल्लेखनीय उदय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वरिष्ठ नौकरशाह, उद्योगपति, उद्यमी, शिक्षाविद् और नीति विशेषज्ञों ने सक्रिय भागीदारी की।

श्री गिरिश मल्लपानी ने कहा, सिम्पोजियम का उद्देश्य अलग-अलग क्षेत्रों के नेताओं के बीच सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। यह सत्र उसी विचार का प्रतिबिंब था। श्री जयेश रंजन आईएएस ने कहा, भारत की खेल महत्वाकांक्षाएं अब केवल पदकों तक सीमित नहीं हैं। वे नीति, बुनियादी ढांचे, अर्थव्यवस्था, युवा विकास और राष्ट्रीय पहचान से जुड़ी हैं। सिम्पोजियम जैसे मंच ऐसे अंतर्विषयी विचार-विमर्श के लिए आवश्यक स्थान प्रदान करते हैं। यह सफल सत्र सिम्पोजियम को भारत के उभरते और स्थापित नेतृत्व के बीच गंभीर संवाद और सहयोगी सोच के लिए एक आशाजनक मंच के रूप में स्थापित करता है।

आईपीएल 2026 में बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा

10 बार 200 से अधिक रनों के लक्ष्य हासिल किये गये

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में बल्लेबाज इस कदर हावी रहे हैं कि बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा है। इस बार टीमों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 से अधिक रनों के स्कोर भी आसनी से हासिल लिए। इस सत्र में पिछले सारे रिकार्ड टूट गये हैं। ये किसी आईपीएल सत्र में पहली बार है जब 10 बार 200 से बड़े लक्ष्य हासिल किये गये हैं। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था। इस कारण अब पहली पारी में बनाए गए बड़े से बड़े स्कोर भी अब सुरक्षित नहीं माने जा रहे हैं। पिछला रिकार्ड आईपीएल 2025 में बना था, जब टीमों ने 9 बार 200 से अधिक के लक्ष्य हासिल किये थे। मौजूदा सीज़न का लगभग आधा हिस्सा अभी बाकी है, जिसका मतलब है कि यह आंकड़ा

और भी बढ़ सकता है और रिकार्ड को और मजबूत कर सकता है। इस सत्र में ऐसे कई मुकाबले देखने को मिले हैं जिन्होंने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान किया है। मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच गत दिवस हुआ मैच ही लें इसमें मुम्बई की टीम 243 रन बनाने के बाद भी हार गयी। इसी प्रकार दिल्ली कैपिटल्स भी 264 रनों के स्कोर का बचाव नहीं कर पायी। इन मुकाबलों से साफ है कि अब टीमें कोई भी स्कोर हासिल कर सकती हैं। आईपीएल 2026 में 200 या उससे अधिक का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल करने वाली टीमों में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर 2 बार, मुंबई इंडियंस 1 बार, पंजाब किंग्स 3 बार, राजस्थान रायल्स 2 बार, और सनराइजर्स हैदराबाद 2 बार शामिल हैं। इन टीमों ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन से यह संभव कर दिखाया है। आईपीएल इतिहास में सबसे बड़े सफल लक्ष्य का पीछा करने का रिकार्ड पंजाब किंग्स ने अपने नाम किया है, जब उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल किया। दूसरे नंबर पर भी पंजाब किंग्स ही है, जिन्होंने आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रनों का पीछा किया था। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद का दबदबा है, जिन्होंने आईपीएल 2025 में पंजाब के खिलाफ 246 रनों का लक्ष्य, फिर आईपीएल 2026 में मुंबई के खिलाफ 244 रनों का लक्ष्य और इसी सीज़न में राजस्थान रायल्स के खिलाफ 229 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है।

आईपीएल में इस बार डिकाक सहित पांच बल्लेबाजों के शतक के बाद भी हारी टीम

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ये सत्र कई मायनों में पिछले सत्रों से अलग नजर आ रह है। इस बार किसी बल्लेबाज का शतक भी जीत की गारंटी नहीं माना जा रहा है क्योंकि पांच बार ऐसा हो गया है जब बल्लेबाज के शतक लगाने के बाद भी उसकी टीम हारी है। इस सत्र में अब तक 41 मैचों में 9 शतक लगे हैं। इसमें हैरान करने वाली बात ये रही है 5 बार ऐसा हुआ जब बल्लेबाज ने शतक लगाया पर टीम को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस के दो सलामी बल्लेबाजों, क्विंटन डिकाक और रयान रिकल्टन, ने पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाए पर दोनो बार ही टीम को हार मिली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 152 रन बनाए पर इसके बाद भी पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम को हार मिली। गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने भी रायल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ एक शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ,वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया पर इसके बाद भी टीम हार गयी। दूसरी ओर चार बल्लेबाजों के शतकों से उनकी टीम को जीत मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने इस सीजन में दो शतक दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगाये और दोनों ही अवसरों पर सीएसके जीती है। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

कविता को टीआरएस टैग

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): कल्वाकुंतला कविता की नई पार्टी के लिए दिए गए पांच नामों में से, चुनाव आयोग (ईसी) ने 'तेलंगाना रक्षण सेना' (टीआरएस) नाम को प्रारंभिक मंजूरी प्रदान की है। अन्य दलों की ओर से किसी भी आपत्ति पर विचार करने के बाद अंतिम स्वीकृति दी जाएगी।

इसकी घोषणा एक्स पर करते हुए कविता ने कहा: तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस), यही है! हम तेलंगाना की जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य करेंगे, जैसा कि हमने पिछले दो दशकों में तेलंगाना जागृति के रूप में किया है। हमने व्यक्तिगत रूप से चुनाव आयोग से अनुमोलन पत्र प्राप्त किया है। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करना चाहूंगी और नियमों और विनियमों का पालन करने की प्रतिबद्धता जताना चाहूंगी। जनवरी 2026 में, मानक ईसी प्रोटोकॉल के अनुसार, हमने पांच नाम विकल्प प्रस्तुत किए, और चुनाव आयोग ने आधिकारिक रूप से हमारी तीसरी पसंद को मंजूरी दी।

हाल ही में, 25 अप्रैल को मेडचल में आयोजित एक बैठक में कविता ने अपनी पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना घोषित किया था।

सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग को विकल्प के रूप में तेलंगाना प्रजा जागृति, तेलंगाना जागृति, तेलंगाना रक्षण सेना, तेलंगाना प्रजा शक्ति और तेलंगाना राष्ट्र जागृति नाम प्रस्तुत किए गए थे।

नवीनतम घटनाक्रम के बारे में एक वरिष्ठ बीआरएस नेता ने कहा, मुझे नहीं लगता कि लोग नई पार्टी के बारे में बहुत ज्यादा उत्सुक हैं। तकनीकी रूप से, कोई भी कोई भी नाम चुन सकता है, बशर्ते यह किसी अन्य पार्टी के समान न हो। कई संक्षिप्त रूप हो सकते हैं। यदि हम बीआरएस का नाम बदलकर टीआरएस करना चाहते, तो तकनीकी रूप से कुछ भी हमें रोक नहीं सकता था, क्योंकि दलों के पूरे नाम अलग-अलग हैं।

दिलचस्प बात यह है कि तुपाकुला बालारंगम नामक एक व्यक्ति ने कविता द्वारा अपनी पार्टी का नाम टीआरएस घोषित करने के संबंध में चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि हालांकि कविता की पार्टी का नाम उनकी पार्टी के नाम से अलग है, जो तेलंगाना राज्य समिति (टीआरएस) है, लेकिन चूंकि वह एक ही संक्षिप्त रूप का उपयोग करेंगी, इसलिए मतदाताओं के बीच भ्रांति उत्पन्न होगी।

न्यूज ब्रीफ

जगुआर लैंड रोवर ने 1.70 लाख हाइब्रिड कारों को किया रिकाल

नई दिल्ली। अमेरिका में लग्जरी कार निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर ने अपनी लगभग 1.70 लाख हाइब्रिड कारों को वापस बुलाने (रिकाल) का फैसला किया है। गंभीर तकनीकी खराबी के कारण कंपनी ने यह कदम उठाया गया है। अगर इस समस्या को समय रहते ठीक नहीं किया गया तो सड़क पर बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बढ़ सकता है। सबसे डराने वाली बात यह है कि खराबी आने पर कार का इंजन, लाइट और यहां तक कि एयर कंडीशनिंग भी काम करना बंद कर देते हैं। इस खराबी के दौरान कार चालक को स्क्रीन पर एक चेतावनी मिलती है जिसमें स्टाप सेफली इलेक्ट्रिक फाल्ट डिटेक्टेड लिखा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर ड्राइवर इस चेतावनी को नजरअंदाज कर गाड़ी चलाता रहता है, तो कार अपने आप न्यूट्रल गियर में चली जाती है और गियरबाक्स खराब होने का मैसेज दिखाने लगती है। इसके बाद गाड़ी धीरे-धीरे रुक जाती है और कार की बाहरी लाइटें, एसी और सेंट्रल डिस्प्ले भी बंद हो जाते हैं। अंधेरे में या तेज रफ्तार हाईवे पर कार की लाइटें और इंजन का अचानक बंद हो जाना किसी बड़े हादसे को दावत देने जैसा है। अमेरिका की नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) ने जानकारी दी है कि इस रिकाल से कुल 1,70,169 एसयूवी गाड़ियां प्रभावित हुई हैं। इसमें रेंज रोवर इवोक, रेंज रोवर स्पोर्ट, वेलार, डिफेंडर और डिस्कवरी जैसे लोकप्रिय माडल शामिल हैं जो साल 2019 से 2024 के बीच बने हैं।

ओपेक की पाबंदियां से परेशान यूएई गठबंधन से हुआ बाहर अब मनमुताबिक बेच सकता हैं तेल

अबूधाबी

वैश्विक ऊर्जा राजनीति में 1 मई 2026 एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में उभर रहा है, क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओपेक और ओपेक प्लस गठबंधन से बाहर निकलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह कदम न केवल दशकों पुराने तेल सहयोग ढांचे को चुनौती देता है, बल्कि तब आया है जब वैश्विक तेल बाजार पहले से ही अस्थिर बना हुआ है। वर्तमान में तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

ब्रेंट क्रूड करीब 110 डालर प्रति बैरल के आसपास और डब्ल्यूटीआई क्रूड 99 डालर के करीब कारोबार कर रहा है। इस बढ़त के पीछे मुख्य कारण मध्य पूर्व, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव हैं, जहां से दुनिया के एक बड़े हिस्से का तेल परिवहन होता है। इसतरह माहौल में यूएई का ओपेक से बाहर निकलना बाजार की चिंताओं को और बढ़ा सकता है।

ओपेक की स्थापना 1960 में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने की थी। इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच तेल उत्पादन नीतियों का समन्वय करना और वैश्विक बाजार में कीमतों को स्थिर बनाए रखना है। समय के साथ इस संगठन में कई अन्य तेल उत्पादक देश शामिल हुए और बाद में ओपेक प्लस के रूप में रूस जैसे गैर-सदस्य देशों के साथ एक व्यापक गठबंधन बना, जिससे उत्पादन नियंत्रण और अधिक प्रभावी हो सके।

यूएई का इस गठबंधन से बाहर निकलना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ओपेक के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है और कुल उत्पादन में इसका योगदान लगभग 12 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि यह सिर्फ एक सदस्य का बाहर निकलना नहीं, बल्कि संगठन की सामूहिक ताकत में एक बड़ी कमी है। इससे ओपेक की उत्पादन नियंत्रण क्षमता कमजोर हो सकती है, जिससे तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है।

ओपेक लंबे समय से उत्पादन कोटा प्रणाली पर निर्भर रहा है, जिसके तहत सदस्य देश तय सीमा से अधिक उत्पादन नहीं करते ताकि कीमतों को स्थिर रखा जा सके। लेकिन यूएई इस व्यवस्था से असंतुष्ट था। वह अपनी उत्पादन क्षमता को तेजी से बढ़ा रहा है और अपने ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश कर चुका है। वर्तमान में उसकी उत्पादन क्षमता लगभग 4.85 मिलियन बैरल प्रति दिन है, जिसे वह 2027 तक 5 मिलियन बैरल तक बढ़ाना चाहता है। इसके बाद ओपेक की पाबंदियां उसके विकास के रास्ते में बाधा बन रही थीं।

यूएई के ऊर्जा मंत्री सुहैल अल मजरूई के अनुसार, यह फैसला देश की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति और बाजार के मूलभूत सिद्धांतों को ध्यान में रखकर लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय स्वतंत्र रूप से लिया गया और इसमें अन्य सदस्य देशों, यहां तक कि सऊदी अरब से भी कोई परामर्श नहीं किया गया। यह बयान ओपेक के भीतर बढ़ते मतभेदों की ओर संकेत करता है। इस फैसले के संभावित प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। एक ओर, यूएई को अब उत्पादन बढ़ाने और बाजार में अधिक हिस्सेदारी हासिल करने की स्वतंत्रता मिलेगी। दूसरी ओर, ओपेक के लिए उत्पादन संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। यदि अन्य देश भी इसी तरह के कदम उठाते हैं, तब वैश्विक तेल बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

म्युचुअल फंड में बदला खेल, एग्जिट लोड घटाकर निवेशकों को साधने की होड़

नई दिल्ली

म्युचुअल फंड उद्योग में प्रतिस्पर्धा अब केवल रिटर्न और लागत तक सीमित नहीं रही। निवेशकों को आकर्षित करने और उन्हें लंबे समय तक जोड़े रखने के लिए फंड हाउस अब एग्जिट लोड जैसे शुल्क ढांचे में बड़े बदलाव कर रहे हैं। म्युचुअल फंड कंपनियां निवेशकों के लिए अपने प्रोडक्ट को अधिक आकर्षक बनाने की दिशा में तेजी से कदम उठा रही हैं। हाल के महीनों में कई बड़े फंड हाउस ने अपनी योजनाओं में एग्जिट लोड को कम या पूरी तरह खत्म कर दिया है। उदाहरण के तौर पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड ने अप्रैल में अपनी पांच सक्रिय इक्विटी योजनाओं के लिए एग्जिट लोड की अवधि एक साल से घटाकर मात्र एक महीना कर दी। वहीं, व्हाइटओक कैपिटल म्युचुअल फंड ने अपनी सभी इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं से एग्जिट लोड परी तरह हटा दिया है।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा और निवेशकों के बदलते व्यवहार के बीच फंड हाउस फीस ढांचे को बना रहे आसान

इससे पहले टाटा म्युचुअल फंड और एसबीआई म्युचुअल फंड भी 2025 में अपनी कई योजनाओं में इसी तरह की कटौती कर चुके हैं। इसके अलावा, कुछ फंड हाउस ने खास योजनाओं, जैसे आर्बिट्राज फंडों, में भी एग्जिट लोड को तर्कसंगत बनाया है। एग्जिट लोड वह शुल्क होता है जो निवेशक को तय अवधि से पहले निवेश निकालने पर देना पड़ता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अब इसका महत्व पहले जैसा नहीं रह गया है।

क्रिसिल इंटेलिजेंस के अनुसार, निवेशकों में लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने का अनुशासन बढ़ा है, जिससे ऐसे शुल्कों की भूमिका कम हई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महँगाई...

जो सामान 20 का मिलता था उसे 25 में बेचना पड़ेगा। लकड़ी की भट्टी से बस सिलेंडर नहीं मिलने पर मदद मिलती है, लेकिन भट्टी में समस्या है कि एक बार जली तो जलती रहेगी। एक केनोब से कम ज्यादा नहीं होता, ऐसे में भट्टी से भी कीमत कम रखने में मदद नहीं मिलने वाली।

भोपाल के अनुपम स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट के संचालक ने बताया, हमें उम्मीद है कि सरकार कोई बीच का रास्ता निकालेगी, ताकि दुकानदारों का कारोबार बिना किसी रुकावट के चलता रहे और उनके काम पर कोई असर न पड़े। हम सरकार की चिंताओं को भी समझते हैं। पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है, लेकिन इस संकट से निपटने के लिए इतना बड़ा और अचानक बदलाव लाना उचित नहीं लगता।

रेस्टोरेंट और फूड स्टॉल चलाने वाले लोग अब दोहरे दबाव में हैं, एक तरफ बढ़ती लागत और दूसरी तरफ ग्राहकों की सीमित जेब। अगर वे दाम बढ़ाते हैं तो ग्राहकों की संख्या घटने का डर है, और अगर नहीं बढ़ाते तो मुनाफा खत्म होने का खतरा है।

दरअसल, तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय कीमतों और डॉलर-रुपया विनिमय दर के आधार पर एलपीजी और एटीएफ के दाम तय करती हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में करीब 50% तक उछाल आ चुका है, जिसका सीधा असर भारत में ईंधन कीमतों पर पड़ रहा है।

कुल मिलाकर, कमर्शियल गैस की बढ़ती कीमतें अब सिर्फ कारोबारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसका सीधा असर आम आदमी की थाली पर पड़ना तय है। बाहर खाना महंगा हो सकता है और छोटे कारोबारियों के लिए टिके रहना और भी मुश्किल हो सकता है।

जीएसटी...

रिफंड घटाने के बाद सरकार का शुद्ध राजस्व 2,10,909 करोड़ रहा।

इम्पोर्ट से होने वाली कमाई में 25.8% की बढ़ोतरी

इस बार जी.एस.टी ग्रोथ में विदेशी व्यापार यानी इम्पोर्ट का बड़ा हाथ रहा है। ग्रॉस इम्पोर्ट रेवेन्यू 25.8% की उछाल के साथ 57,580 करोड़ हो गया है। वहीं, ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू यानी घरेलू राजस्व में 4.3% की सामान्य बढ़त देखी गई और यह 1.85 लाख करोड़ रहा।

महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात का योगदान सबसे ज्यादा

राज्यों के प्रदर्शन की बात करें तो टैक्स सेटलमेंट के बाद स्थिति में सुधार नजर आ रहा है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात जैसे बड़े राज्यों ने सरकारी खजाने में सबसे ज्यादा योगदान दिया है। इसके साथ ही उत्तर और दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी टैक्स कलेक्शन के आंकड़ों में तेजी देखी गई

जीएसटी कलेक्शन यह बताता है कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी तंदुरुस्त है। अगर कलेक्शन ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ रहा है और लोग ईमानदारी से टैक्स भर रहे हैं।

जी.एस.टी रिफंड क्या है: जब कोई कंपनी अपनी देनदारी से ज्यादा टैक्स चुका देती है या एक्सपोर्ट करती है, तो सरकार उसे टैक्स वापस करती है, जिसे रिफंड कहते हैं।

नेट वर्सेस ग्रॉस जी.एस.टी: ग्रॉस कुल इकट्ठा किया गया पैसा होता है, जबकि रिफंड घटाने के बाद बची राशि नेट रेवेन्यू कहलाती है।

अमेरिका कागजी...

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय देशों का आपसी भाग्य जुड़ा हुआ है और दूर बैठे विदेशी देशों को यहां दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, ईश्वर की कृपा से फारस की खाड़ी का भविष्य उज्ज्वल होगा, जहां अमेरिका नहीं होगा और यह क्षेत्र यहां के लोगों की तरक्की और खुशहाली के लिए काम करेगा।

खामेनेई ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी दावा करते हुए कहा कि उनका मुल्क किसी भी शत्रुतापूर्ण गतिविधि का जवाब देगा। उन्होंने पश्चिमी देशों पर आरोप लगाया कि उनकी सैन्य मौजूदगी ने हमेशा इस क्षेत्र में अस्थिरता और संघर्ष को बढ़ावा दिया है। खामेनेई ने कहा कि हाल के घटनाक्रम से साफ है कि बाहरी शक्तियां यहां स्थिरता बनाए रखने में असमर्थ हैं। ईरान ने अमेरिका के साथ जारी तनाव को कम करने के लिए नया प्रस्ताव भी भेजा है। ईरान की सरकारी एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, यह प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया है। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस प्रस्ताव को खारिज करने के संकेत दे चुके हैं।

क्या यूएई भी इस बार ...

यूएई के विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर एक बयान भी जारी किया है। इस बयान में यूएई के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात को देखते हुए यूएई के नागरिकों के ईरान, इराक और लेबनान की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया गया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इन देशों में पहले से मौजूद अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी भी जारी की है।

यूएई के विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए यह अपील की है कि हमारे जो भी नागरिक ईरान, इराक और लेबनान में हैं, वे तुरंत अपने देश वापस लौट आएं। यूएई ने अपने नागरिकों के इन देशों की यात्रा पर रोक लगाने, तुरंत इन देशों से स्वदेश लौट आने की एडवाइजरी से पहले तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक से भी बाहर आने का ऐलान कर दिया था। ओपेक कच्चे तेल का उत्पादन और निर्यात करने वाले देशों का प्रमुख संगठन है।

ओपेक और ओपेक प्लस से यूएई की एग्जिट को ईरान के लिए झटके की तरह देखा जा रहा था। अब, जब उसने अपने नागरिकों के ईरान, इराक और लेबनान जाने पर रोक लगा दी है, चर्चा इस बात को लेकर तेज हो गई है कि क्या यूएई इस युद्ध में शामिल होगा? गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान में सीजफायर के बीच भी जुबानी जंग जारी है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोज्तबा खामेनेई ने दो टूक कह दिया है कि ईरान अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेगा। ईरान के सुप्रीम लीडर ने ईरान की वैज्ञानिक, तकनीकी और सैन्य क्षमता को राष्ट्रीय पहचान और संप्रभुता की संपत्ति बताते हुए कहा है कि अमेरिकी दबाव की रणनीतियों के आगे नहीं झुकेंगे।

मतगणना...

अधिकार क्षेत्र में आती है।

हाईकोर्ट ने कहा- आदेश अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं, सीसीटीवी और ऑब्जर्वर सुनिश्चित करेंगे पारदर्शिता।

हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि चुनाव आयोग की हैंडबुक के नियम केवल राज्य कर्मचारियों के चयन को सीमित नहीं करते। इसके अलावा माइक्रो ऑब्जर्वर, एजेंट्स और सीसीटीवी जैसी व्यवस्थाएं पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करती हैं, जिससे अनियमितताओं की आशंका कम हो जाती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि एडिशनल चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर (एसीईओ) को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपी एक्ट) के तहत वैध अधिकार प्राप्त हैं, इसलिए उनका आदेश अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं है।

हाईकोर्ट ने यह आशंका भी खारिज कर दी थी कि केंद्र सरकार के कर्मचारी राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। कोर्ट ने कहा था कि काउंटिंग हॉल में कई पक्ष मौजूद रहते हैं और सीसीटीवी, ऑब्जर्वर तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं पारदर्शिता सुनिश्चित करती हैं। साथ ही कोर्ट ने कहा था कि बिना सबूत के लगाए गए आरोप केवल आशंकाएं हैं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान दखल देना उचित नहीं है और किसी भी तरह की शिकायत का समाधान चुनाव याचिका (सेक्शन 100, आरपी एक्ट 1951) के जरिए किया जा सकता है। अब टीएमसी ने इसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिससे यह मामला एक बार फिर न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ गया है।

अब 'ल्यारी ऑफ...

अगर किसी ने बदमाशी की तो कायदे से इलाज किया जाएगा। इसका वीडियो खूब वायरल हुआ था। इस पर टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान ने कहा था कि यह बंगाल है, अगर वो सिंघम हैं तो मैं पुष्पा हूं। उन्होंने पुलिस पर दबाव बनाने का भी आरोप लगाया था।

बीजेपी ने की ल्यारी से तुलना, आरोप- घुसपैठ और आपराधिक गतिविधियां चरम पर

इसी विवाद के बीच बंगाल बीजेपी ने हाल ही एक पोस्ट करके डायमंड हार्बर की तुलना ल्यारी से की थी और आरोप लगाया था कि सुंदरबन और बांग्लादेश सीमा के करीब होने के कारण यहां घुसपैठ और आपराधिक गतिविधियां चरम पर हैं। बीजेपी ने मतदान के दिन भी यह आरोप लगाया था कि यहां के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के कई बूथों पर ईवीएम में बीजेपी के चुनाव चिह्न पर टेप चिपका दिया गया था।

टीएमसी का तीखा पलटवार- बीजेपी बंगाल के प्रति नफरत और तिरस्कार की भावना से काम कर रही

अभिषेक बनर्जी के गढ़ डायमंड हार्बर को बीजेपी द्वारा ''ल्यारी'' बताए जाने पर तृणमूल कांग्रेस ने तीखा पलटवार किया है और आरोप लगाया है कि बीजेपी बंगाल के प्रति नफरत और तिरस्कार की भावना से काम कर रही है। वो चुनाव में अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए बंगाल की तुलना पाकिस्तान से कर रहे हैं।

टीएमसी ने सोशल मीडिया पर कहा कि पहले हमारी बंगाली मातृभाषा के कारण हमें बांग्लादेशी कहा गया, फिर मछली खाने पर 'रोहिंग्या' बताया गया और अब बंगाल की तुलना सीधे पाकिस्तान से की जा रही है। टीएमसी ने इसे बंगाल के खिलाफ ''सांस्कृतिक आक्रमण'' करार देते हुए कहा कि जिस राज्य ने देश की आजादी के लिए सबसे ज्यादा खून बहाया, उसके प्रति ऐसी नफरत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खेड़ा को ...

कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद असम सीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि मुझे किसी से भी लोकतंत्र पर सबक सीखने की जरूरत नहीं है। इस केस में असली मुद्दा यह है कि एक महिला की छवि को राष्ट्रीय स्तर पर उछाला गया, जिसका राजनीति से कुछ लेना-देना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि अदालतें जल्द ही या बाद में इस पर संज्ञान लेंगी और चुनावी परिणामों को प्रभावित करने के लिए झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल करने वालों को सजा मिलेगी।

समझिए, क्या है पूरा मामला...

5 अप्रैल: खेड़ा ने 5 अप्रैल को आरोप लगाया था कि असम उच् सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के पास कई देशों के पासपोर्ट हैं और विदेश में अघोषित संपत्ति है, जिनका जिक्र चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया। इसके बाद रिनिकी भुइयां शर्मा ने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में खेड़ा के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

6 अप्रैल: हिमंता ने दुबई में फ्लैट होने के आरोपों का जवाब देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा था कि हमने दुबई के उन 2 अपार्टमेंट के असली मालिकों का पता लगा लिया है, जिनका जिक्र कांग्रेस ने किया है। ये फ्लैट मोहम्मद अहमद और फातिमा सुलेमान के हैं।

10 अप्रैल: तेलंगाना हाईकोर्ट ने खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, ताकि वे असम की अदालत में जा सकें। असम सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसके बाद 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी।

17 अप्रैल: सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा कि वे अपनी याचिका असम की अदालत में दाखिल करें।

24 अप्रैल: गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके बाद खेड़ा फिर सुप्रीम कोर्ट गए।

सगी बहनें चाहती...

अदालत ने कहा कि यह परिवार के भीतर का आपसी विवाद है, न कि आपराधिक मामला। इसी आधार पर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दिया गया।

सरकारी पक्ष की ओर से एडिशनल गवर्नमेंट एडवोकेट डीके शर्मा ने बताया कि महिला ने कोर्ट में साफ कहा कि वह स्वेच्छा से अपने बहनोई के साथ रह रही है और आगे भी वहीं रहना चाहती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 02 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

विशाल नि:शुल्क कृत्रिम अंग फिटमेंट कैंप कल

745 दिव्यांगजनों को 815 मॉड्यूलर कृत्रिम हाथ-पैर व कैलिपर्स से मिलेगी नई जिंदगी

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्यांगजनों के पुनर्वास और मानव सेवा के लिए समर्पित नारायण सेवा संस्थान द्वारा 3 मई, रविवार को हैदराबाद में एक विशाल नि:शुल्क नारायण मॉड्यूलर कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स फिटमेंट कैंप आयोजित किया जाएगा।

यह शिविर सीएसआर सहयोगी मेक ए चेंज फाउंडेशन, स्वर्ण जयंती एवं श्री स्वामीनारायण मंदिर विल्सडेन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। शिविर एग्ज़िबिशन ग्राउंड्स, नामपल्ली में प्रातः 08:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक चलेगा, जबकि उद्घाटन समारोह प्रातः 11:00 बजे होगा। इसमें केवल पूर्व चयनित दिव्यांगजन ही लाभान्वित होंगे।

इस शिविर में 745 दिव्यांगजनों को कुल 815 नारायण मॉड्यूलर कृत्रिम हाथ-पैर (लिम्ब) एवं कैलिपर्स नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे। इन लाभार्थियों का चयन 1 फरवरी को आयोजित मापन शिविर के दौरान किया गया था।

विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं तकनीकी टीम द्वारा आधुनिक तकनीक से निर्मित कृत्रिम अंगों का फिटमेंट किया जाएगा। साथ ही लाभार्थियों को चलने, संतुलन बनाए रखने और उपकरणों के सही उपयोग की विशेष ट्रेनिंग भी दी जाएगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संस्थान की संरक्षक अलका चौधरी, हैदराबाद आश्रम प्रमुख महेंद्र सिंह रावत तथा शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लड्डा ने संबोधित किया और शिविर की विस्तृत जानकारी साझा की।

संस्थान का उद्देश्य आत्मनिर्भर जीवन

संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगजनों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देशभर में ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके।

उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य है कि हर दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर उसे आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन प्रदान किया जाए।

दानदाताओं का होगा अभिनंदन

शिविर के दौरान सीएसआर पार्टनर संस्थाओं, समाजसेवियों एवं दानदाताओं का अभिनंदन भी किया जाएगा। इस मानवीय पहल से सैकड़ों दिव्यांगजनों के जीवन में नई रोशनी आने की उम्मीद है।

शिविर में आने वाले सभी दिव्यांगजनों एवं उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क भोजन, बैठने की व्यवस्था और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

सेवा की प्रेरणा 'नर सेवा ही नारायण सेवा'

यह शिविर केवल कृत्रिम अंग वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को आत्मसम्मान और गरिमा के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करने का प्रयास है। यह पहल नर सेवा ही नारायण सेवा है के भाव को साकार करती है।

संस्थान का गौरवशाली योगदान

वर्ष 1985 में स्थापित नारायण सेवा संस्थान निरंतर सेवा कार्यों में संलग्न है। इसके संस्थापक कैलाश मानव को पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है, वहीं अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल को वर्ष 2023 में दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

संस्थान द्वारा अब तक 39,591 से अधिक दिव्यांगजनों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रदान किए जा चुके हैं तथा 4.52 लाख से अधिक दिव्यांगजनों का नि:शुल्क उपचार किया गया है।

सुल्तान बाजार में नरसिंह जयंती उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

नरसिंह मंदिर में भक्ति, भजन और आरती के बीच उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुल्तान बाजार स्थित नरसिंह मंदिर में भगवान नरसिंह का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिमय वातावरण में भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर के ट्रस्टी गोविंद नारायण राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के दौरान पंडित गणेश महाराज ने भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार का प्रदर्शन करते हुए सिंह का चोला धारण कर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया।

इससे पूर्व पंडित रमेश व्यास ने विधिपूर्वक भगवान की आरती की। नरसिंह भगवान के जयकारों के बीच मुरारी दायमा, हरीश दायमा, सुमित राठी, कमल जाजू एवं राजेंद्र राठी द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई।

मंदिर के ट्रस्टी गोविंद नारायण राठी ने सभी भक्तजनों का स्वागत किया और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उत्सव में धर्मस्व विभाग के डिप्टी कमिश्नर विनोद रेड्डी, ट्रस्टी नवनीत पिट्टी, हरिनारायण राठी, कमल नारायण राठी, शैलेश अग्रवाल, रमेश कुमार बंग, विनोद बंग, डॉ. मोहन गुप्ता, लक्ष्मी नारायण व्यास, हरी अट्टल, घनश्याम तोषनीवाल, चंदमल तोतला, हरीश दागा, मेघारानी, उमेश अग्रवाल, रामकिशोर राठी, किशोर व्यास, नारायण लोया, श्रीकांत कालांत्री, आदित्य राठी, अमित राठी, कैलाश मनियर, राजू यादव, विजय किशोर मोदानी, पुनीत विजयवर्गीय, पवन भरड़िया, लक्ष्मीनिवास लोया, नवल सांकला, नवल राठी, उमेश असवा, गिरधर तोषनीवाल, गुलाब देवड़ा, अरुणा ज्योति, शैलेन्द्र यादव, रमेश यादव, संतोष गुप्ता, मनोहर सूर्यवंशी, सीताराम बजाज, कलावती जाजू, यादगिरी, पुरुषोत्तम लाहोटी, वेणु कालांत्री, महेंद्र व्यास, कार्तिक राठी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान नरसिंह के दर्शन किए और उत्सव का लाभ उठाया।

केंद्र सहकारिता मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

एस. गैबुवली ने संभाला पदभार, हिंदी के प्रचार-प्रसार पर दिया जोर

नई दिल्ली/हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्र सहकारिता मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की प्रथम बैठक नई दिल्ली स्थित अटल अक्षय ऊर्जा भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्र सहकारिता मंत्रालय के राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने की।

इस अवसर पर हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के प्रधान मंत्री एवं हिंदी सेवा सदन के संस्थापक प्रधान सचिव एस. गैबुवली ने हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में पदभार संभालते हुए बैठक में भाग लिया।

बैठक के दौरान मंत्रालय की ओर से उप-सचिव एस. गैबुवली का औपचारिक स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि पिछले 25 वर्षों से वे हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और विभिन्न हिंदी विकास कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

एस. गैबुवली ने कहा कि उनकी हिंदी सेवा को देखते हुए उन्हें केंद्र सहकारिता मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का सदस्य चुना गया है। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार, विशेष रूप से केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा राज्य मंत्रियों और संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय का संबंध ग्रामीण क्षेत्र और किसानों से होने के कारण, एक किसान परिवार से होने के नाते उन्हें इस जिम्मेदारी को निभाने में विशेष आनंद और गर्व का अनुभव हो रहा है।

एस. गैबुवली ने आश्वस्त किया कि वे मंत्रालय में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अपने सुझाव और सहयोग प्रदान करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर का सम्मान भी किया।

बैठक में सांसद कुलदीप इंदौरा, सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग के निदेशक अफसर अहमद, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के संयुक्त सचिव राजेश श्रीवास्तव सहित सहकारिता मंत्रालय के विभिन्न स्तरों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नई पीढ़ी में संस्कार ही सशक्त समाज की असली नींव : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान नियमित अनुदान केंद्र पर आयोजित सेवा कार्य में जगत नारायण अग्रवाल एवं सुयश अग्रवाल ने विशेष रूप से सहभागिता निभाई। कम उम्र में ही सुयश अग्रवाल का सेवा कार्यों में जुड़ना सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के संस्कार ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला रखते हैं। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी और बच्चों को सेवा कार्यों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उनमें संस्कारों का विकास हो और वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भली-भांति समझ सकें। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना का संचार करते हैं।

इससे समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है और सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, सुयश अग्रवाल,अर्चना शास्त्री, मीना अग्रवाल, रेनू शर्मा, रेनू गुप्ता, शर्मिला अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल एवं नीलम विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया।

ई-चालान के बदले वाहन जब्ती पर तेलंगाना हाईकोर्ट सख्त अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एन.वी. श्रवण कुमार ने शुक्रवार को ई-चालान प्रवर्तन के दौरान वाहनों को जब्त न करने के अदालती आदेशों के उल्लंघन पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने इस मामले में वरिष्ठ राज्य अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। अदालत ने गृह सचिव, तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक , हैदराबाद के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात), परिवहन आयुक्त और चिक्कड़पल्ली यातायात पुलिस स्टेशन के कर्मियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 जून को तय की गई है। यह कार्यवाही वी. राघवेंद्र चारी द्वारा दायर एक अवमानना याचिका पर शुरू हुई। याचिकाकर्ता, जो एक अभ्यास करने वाले अधिवक्ता हैं, ने शिकायत की कि बकाया ट्रैफिक चालान के लिए दंडात्मक कार्रवाई न करने के स्पष्ट न्यायिक निर्देशों के बावजूद, पुलिस ने उनका वाहन जबरन जब्त कर लिया।

याचिकाकर्ता के वकील वी. विजय गोपाल ने दलील दी कि उच्च न्यायालय ने जनवरी में स्पष्ट आदेश दिया था कि बकाया चालान के लिए वाहन जब्त नहीं किए जा सकते।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि वे सक्षम न्यायालयों में आरोप पत्र दाखिल कर कानूनी कार्यवाही शुरू करें।

इसके बावजूद, 9 अप्रैल को आरटीसी एक्स रोड्स पर पुलिस ने याचिकाकर्ता का स्कूटर जब्त कर लिया। अदालत को बताया गया कि अधिकारियों ने न केवल एम वैलेट प्लेटफॉर्म के माध्यम से दिखाए गए डिजिटल पंजीकरण प्रमाणपत्र को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, बल्कि मूल आरसी भी छीन ली। वकील ने तर्क दिया कि यह आचरण उच्च न्यायालय के बाध्यकारी निर्देशों और केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है, जिससे न्यायिक आदेशों के अनुपालन और यातायात अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन ने नेताओं को दी गो सेवा कार्यों की दी जानकारी, कोदंड राम का किया अभिनंदन

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना के पूर्व मंत्री हरीश राव तथा एमएलसी कोदंड राम से भेंट कर संस्था द्वारा संचालित गो सेवा कार्यों एवं देशभर में चलाए जा रहे गो सम्मान आह्वान अभियान की विस्तृत जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल में फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, तरुण मेहता, एम. श्रीकांत, मुरली कृष्ण, स्वामी चैतन्यदास सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आपदा प्रबंधन व प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण सफल

युवा दिवस 2026 पर टीटीएफ शौर्य के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में मिला व्यावहारिक ज्ञान

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी के 53वें दीक्षा दिवस के पावन उपलक्ष्य में देशभर में प्रशिक्षण कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में हैदराबाद में प्रथम कैंप का सफल एवं प्रभावी आयोजन सम्पन्न हुआ।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, युवा दिवस 2026 के अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद द्वारा टीटीएफ शौर्य के अंतर्गत अकैडेमस स्कूल, हैदराबाद में विशेष आपदा प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को जलने, रक्तस्राव, दम घुटने और फ्रैक्चर जैसी आपात स्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्राथमिक उपचार देने की तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। साथ ही स्ट्रेचर के सही उपयोग एवं सीपीआर जैसी जीवनरक्षक प्रक्रियाओं का भी विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण सत्र का संचालन एमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के अनुभवी प्रशिक्षक प्रमोद कुमार द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया, जिससे प्रतिभागियों को व्यवहारिक और उपयोगी ज्ञान प्राप्त हुआ। इस पहल को यंग इंडियंस तथा हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल का सशक्त सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे कार्यक्रम की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद की ओर से मंत्री नीरज सुराणा, टीटीएफ ग्रीन ब्रिगेड के कार्यकारी सदस्य प्रांजल दुगड़ एवं सदस्य सौरभ बैद की सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आपदा प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। यह आयोजन न केवल आपातकालीन परिस्थितियों में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में सेवा, सुरक्षा और सजगता की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

वैशाख पूर्णिमा पर कैलाश केडिया के सान्निध्य में राधे-राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान, सामाजिक समरसता का संदेश

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास जारी नियमित सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत आज वैशाख पूर्णिमा के पावन अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान कैलाश केडिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सामाजिक समरसता और भाईचारे का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज को जोड़ने और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैशाख पूर्णिमा जैसे पावन पर्व पर किया गया अन्नदान विशेष पुण्यदायी होता है और इससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगन एलाकुर्थी, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, रविंद्र शर्मा, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, गोपाल गोयल, कैलाश केडिया एवं निर्मला केडिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने इस प्रकार के सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में 28 मई से 3 जून तक नुमाइश मैदान, नामपल्ली में गोवत्स श्री राधाकृष्णजी महाराज श्री के मुखार्विन्द से आयोजित 'श्रीमद् भागवत कथा' के मुख्य यजमान ओमप्रकाश-प्रेमलता अग्रवाल द्वारा 5 लाख रुपये का सहयोग चेक प्राप्त करते हुए अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड़, मंत्री बद्रीविशाल लोया एवं राजेश करवा ।

शमशाबाद स्थित मनियार फार्म हाउस में संगीता-पुरुषोत्तम तोषनीवाल की सुपुत्री सौ.कां. श्वेता एवं किरण-रामनिवास इन्नानी के सुपुत्र चि. कृष्णा के विवाह समाराहे में दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए- संगिता - पुरषोत्तम तोषनीवाल, महेंद्र बजाज, राजेश मालपानी, कमल बजाज, दामोदर काकानी, प्रशांत बांगड, कमल शर्मा, सम्पत तोषनीवाल, रितेश इन्नानी, पंकज नावंदर एवं अन्य ।

दमरे ने एआई-आधारित यात्री सहायक 'भोलू मिनी' और 'भोलू मैक्स' लॉन्च किए

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):
दक्षिण मध्य रेलवे ने रेलवे स्टेशनों पर स्मार्ट, संवादात्मक और बहुभाषी सहायता के माध्यम से यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई) आधारित सूचना सहायक ``भोलू मिनी'' और ``भोलू मैक्स'' पेश किए हैं।

इस उन्नत प्रणाली का प्रदर्शन शुक्रवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में संजय कुमार श्रीवास्तव, मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इन एआई सहायकों की परिकल्पना और विकास हैदराबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक डॉ. अनिरुद्ध पामर द्वारा आंतरिक रूप से किया गया है। 'भोलू मिनी' एक तेलुगु वॉयस-सक्षम कियॉस्क है, जिसे मलकजगिड़ी रेलवे स्टेशन पर स्थापित किया गया है। यह सरल वॉयस कमांड के माध्यम से वास्तविक समय में ट्रेनों की जानकारी, प्लेटफॉर्म विवरण और स्टेशन की सुविधाओं की जानकारी प्रदान करता है। यह कम लागत वाली प्रणाली विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए डिज़ाइन की गई है जो क्षेत्रीय भाषा में बातचीत करना पसंद करते हैं।

इसका उन्नत संस्करण 'भोलू मैक्स' काचेगुडा रेलवे स्टेशन पर तैनात किया गया है। 21-इंच टचस्क्रीन और वॉयस इंटरफेस से लैस यह सिस्टम 12 भारतीय भाषाओं को सपोर्ट करता है। इसमें लाइव ट्रेन ट्रैकिंग और रूट गाइडेंस जैसी सुविधाएँ हैं, साथ ही निर्बाध सेवा सुनिश्चित करने के लिए ऑफलाइन डेटाबेस का भी समर्थन है।

अधिकारियों के अनुसार, दोनों प्रणालियों को परीक्षण के आधार पर शुरू किया जा रहा है और यात्री फीडबैक के आधार पर इनमें और सुधार किया जाएगा। इस पहल से पूछताछ काउंटरों पर भीड़ कम होने की उम्मीद है।

नरसिंह जयंती महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पारीक भवन, कोलसावाड़ी स्थित नरसिंह मंदिर में नरसिंह जयंती महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया गया, जिसमें समाज बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान नरसिंह के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर राजस्थानी ब्राह्मण सभा के महामंत्री रामदेव नागला विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में श्रीगोपाल व्यास, श्रीलाल पारीक, दुर्गा प्रसाद तिवारी, धनराज तिवारी, राजेश पारीक, सुरेश खटोड़, मोहन खटोड़, गोपाल जोशी, विरन जोशी, संजय व्यास, सत्यनारायण पुरोहित, दीपक पारीक, गोविंद जोशी, मनोज व्यास सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे और महोत्सव का लाभ उठाया।

गौ सेवा कोर कमेटी द्वारा नवल किशोर का सम्मान

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना की गौ सेवा कोर कमेटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय गौ सेवा के सह-संयोजक नवल किशोर जी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्रीमती मोनिका अग्रवाल ने नवल किशोर जी को सम्मानित करते हुए गौ सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में शिल्पा अग्रवाल एवं अनीता अग्रवाल भी उपस्थित रहीं और उन्होंने भी इस सम्मान समारोह में सहभागिता निभाई।

टीसीएस लंदन मैराथन 2026 में

इतिहास रचने वाली पहली महिला सिविल सेवक बनीं आईआरटीएस अधिकारी इती पांडे

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दक्षिण मध्य रेलवे की प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर सुश्री इती पांडे (आईआरटीएस 1995 बैच) ने टीसीएस लंदन मैराथन 2026 में एक अनूठी उपलब्धि हासिल कर इतिहास रच दिया है।

वे लंदन मैराथन पूरा करने वाली पहली महिला सिविल सेवक और पहली आईआरटीएस अधिकारी बन गई हैं।

लगभग 60,000 प्रतिभागियों वाले इस रिकॉर्डतोड़ मैराथन में मात्र 41 भारतीय वेटरन (50+ आयु वर्ग) धावकों ने फिनिशिंग लाइन पार की। इन्हीं चुनिंदा 41 भारतीय धावकों में शामिल होकर सुश्री इती पांडे ने यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

दक्षिण मध्य रेलवे ने अपनी प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक सुश्री इती पांडे को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

50 वर्ष से अधिक उम्र में विश्व के सबसे प्रतिष्ठित मैराथनों में से एक को पूरा करना किसी भी साधारण व्यक्ति के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। सुश्री इती पांडे ने अपनी अटूट इच्छाशक्ति, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से न केवल यह चुनौती पूरी की, बल्कि महिला सिविल सेवकों और आईआरटीएस अधिकारियों के लिए एक नई प्रेरणा भी बन गई हैं।

उनकी इस उपलब्धि को रेलवे परिवार के साथ-साथ पूरे देश के युवा अधिकारी और महिला कर्मचारी प्रेरणा स्रोत मान रहे हैं। यह उपलब्धि साबित करती है कि व्यस्त प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच भी अनुशासन और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने आशा व्यक्त की है कि सुश्री इती पांडे की यह उपलब्धि अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को खेल, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

एनडीएमए आज करेगा देशव्यापी सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट टेस्ट; जनता से न घबराने की अपील

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण 2 मई को पूरे भारत में 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' का परीक्षण करेगा। इस परीक्षण के दायरे में तेलंगाना सहित देश के अन्य सभी राज्य शामिल रहेंगे। यह अभ्यास आपदाओं और गंभीर स्थितियों के दौरान उपयोग किए जाने वाले आपातकालीन अलर्ट सिस्टम की प्रभावशीलता और पहुंच का आकलन करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा है। इस परीक्षण के दौरान, मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं के डिवाइस पर अलर्ट संदेश प्राप्त हो सकते हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ये केवल परीक्षण अलर्ट हैं और इसके लिए जनता को किसी भी तरह की कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि ऐसे संदेश प्राप्त होने पर बिल्कुल भी न घबराएं।

गणगौर उत्सव कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न

तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद के तत्वावधान में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में गणगौर उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद के तत्वावधान में मनाया गया। यह कार्यक्रम तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं मंगलाचरण से किया गया। मंडल की अध्यक्षा श्रीमती नमिता सिंघी ने सभी आगंतुक बहनों एवं मेहमानों का स्वागत किया और कार्यक्रम की सुंदर एवं व्यवस्थित तैयारियों के लिए संयोजिकाओं की सराहना की।

इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की कार्यकारिणी सदस्य शिल्पा सुराणा भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

सहमंत्री मीनाक्षी सुराणा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में कई आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें मेंहदी प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, पारंपरिक गीत गायन प्रतियोगिता, गणगौर है राजस्थान की शान विषय पर लेखन प्रतियोगिता तथा ऑडियंस स्पेशल प्राइज शामिल रहे।

कार्यक्रम में श्रीमती सरला शाह ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

मेंहदी प्रतियोगिता: प्रथम – प्रियंका कठोतिया, द्वितीय – मनीषा सुराणा

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता: प्रथम – सुप्रिया बैद, द्वितीय – मनीषा सुराणा एवं मनीषा सिंघी की जोड़ी

सांत्वना पुरस्कार: सुशीला संचेती एवं बबीता बैद

पारंपरिक समूह गीत गायन:

प्रथम – ममता दुगड़ एंड ग्रुप

द्वितीय – अंजु बैगानी एंड ग्रुप एवं अंजु चोरड़िया एंड ग्रुप

लेखन प्रतियोगिता: प्रथम – विनु नाहटा, द्वितीय – अनिता सेखानी

सभी विजेताओं को तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कन्या मंडल की नितिशा सिंघी ने सभी आगंतुकों का तिलक लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन विनु नाहटा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मंत्री निशा सेठिया द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम की संयोजिकाओं में मनीषा सिंघी, अंजू बैंगानी, संतोष गुजरानी, मनीषा सुराणा, विनु नाहटा, संगीता गोलछा, सुनीता कठोतिया एवं सुनीता बोहरा शामिल रहीं, जिनके प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गणगौर उत्सव में सभी महिलाओं ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में भाग लिया, जिससे पूरे कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग और उत्साह का माहौल बना रहा।

विश्व मजदूर दिवस पर केबीआर पार्क में अन्नदान, सेवा भाव का दिया संदेश

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया और समाज में सेवा, सहयोग व मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि विश्व मजदूर दिवस केवल श्रमिकों के सम्मान का दिन ही नहीं, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। ऐसे में अन्नदान जैसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य करते हैं।आज का अन्नदान कार्यक्रम मधुसूदन जी गुप्ता एवं संतोष गुप्ता सेवा परिवार की ओर से समर्पित रहा। सेवा परिवार के सदस्यों ने पूर्ण समर्पण भाव से इस कार्य में सहयोग किया और यह संदेश दिया कि नियमित सेवा ही सच्ची भक्ति का रूप है। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, तेज प्रकाश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

50 सप्ताह : 1265 शिकायतें,921 समाधान

जन विश्वास जीतने वाले राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबू का प्रजा दरबार

विजयवाड़ा, 01 मई 2026

समस्याओं के समाधान के लिए एक विश्वसनीय मंच साबित हुए राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू के नेतृत्व में चल रहा प्रजा दरबार कार्यक्रम आज 50वें सप्ताह को सफलतापूर्वक पूरा कर चुका है।

पिछले 50 सप्ताहों से लगातार जारी इस कार्यक्रम ने जनता तक सीधे पहुंच बनाई है और समस्याओं के समाधान में एक भरोसेमंद व्यवस्था के रूप में स्थापित हो गया है। इस अवधि में लगभग 1,265 शिकायतें प्राप्त की गईं, जिनमें से 921 से अधिक समस्याओं को समाधान की दिशा में ले जाया गया। यह आंकड़ा कार्यक्रम की प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

मुख्यमंत्री राहत कोष की मदद से लेकर घरों के प्लॉट, राशन कार्ड, रोजगार के अवसर, पेंशन, सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं तक ˉ जनजीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण समस्याओं का प्रजा दरबार के माध्यम से समाधान की ओर प्रगति हो रही है। हर अर्जी पर त्वरित प्रतिक्रिया, फॉलो-अप और समाधान ˉ यही इस कार्यक्रम की खासियत है।हालांकि, सिविल

विवाद, व्यक्तिगत वित्तीय मामले और अदालत के दायरे में आने वाले मुकदमों से संबंधित मुद्दों को इस प्रजा दरबार के अंतर्गत शामिल नहीं किया जाता है। साथ ही, रोजगार के अवसरों के लिए आने वाली अर्जियों पर जहां तक संभव हो मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। युवाओं को स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल विकास प्रदान करना भी इस कार्यक्रम का हिस्सा है।साना सतीश बाबू स्वयं इस कार्यक्रम की निरंतर निगरानी करते हैं और हर समस्या पर संबंधित अधिकारियों से सीधे बात करके समाधान के लिए कदम उठाते हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कार्यालय हमेशा जनता के लिए उपलब्ध रहे और वे तथा उनकी टीम 24 घंटे जनता की सेवा में तत्पर रहें।

इस सप्ताह मशारि संसाधन व्यक्तियों ने वेतन वृद्धि के लिए आवेदन पत्र सौंपा। साथ ही, जगन्नाधपुरम क्षेत्र की एक महिला को कृत्रिम पैर की जरूरत बताए जाने पर दिव्यांग कल्याण अधिकारी और उमा मनोविकास केंद्र के अधिकारियों से बात करके तत्काल सहायता प्रदान की गई ˉ यह प्रजा दरबार की मानवीय संवेदना का जीवंत उदाहरण है।

कार्यालय टीम ने प्रजा दरबार के माध्यम से प्राप्त प्रमुख सफलताओं को याद किया। तुनी निर्वाचन क्षेत्र के बोधवरम गांव में किसानों की 45 वर्ष पुरानी मांग ˉ पुल निर्माण ˉ को साना सतीश बाबू फाउंडेशन द्वारा 7 लाख रुपये खर्च करके पूरा किया गया। काकिनाडा में आरओ वाटर प्लांट की स्थापना, स्कूलों को खेल सामग्री प्रदान करना जैसी कई पहलें कार्यक्रम की सकारात्मक छवि को मजबूत करती हैं।

वर्तमान में 85 प्रतिशत समस्याओं के समाधान के लक्ष्य के साथ यह कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है। हर सप्ताह जनता से बढ़ती हुई प्रतिक्रिया इसकी सफलता को और मजबूत बना रही है।संयुक्त पूर्व गोदावरी जिले में कहीं भी रहते हों ˉ अपनी समस्या लेकर हमारे प्रजा दरबार में आएं समाधान के लिए हम तैयार हैं।

हर समस्या का समाधान मिलने तक प्रजा दरबार जारी रहेगा ˉ इस विश्वास के साथ कार्यक्रम जनता का सहारा बना हुआ है।

इस कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी मेयर अरिगेल श्रीनिवास (बुन्नी), कार्यालय प्रभारी मशङ्गर लक्ष्मणमूर्ति, नुलुकुर्ति वेंकटेश्वर राव, आनंद न्यूटन, गौरी शंकर, गिंजाला श्रीनिवास, बाबजी, दुर्गाप्रसाद, अल्लुमुल्लू विजयकुमार, दसरथुडु, कोंडबाबू, स्वामी, सतीश, अनिल आदि कई लोग शामिल रहे।

यह निरंतर प्रयास साना सतीश बाबू की जनसेवा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और लोकतंत्र में जन प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी का सजीव उदाहरण प्रस्तुत करता है।

शीघ्र गठित होगा जैन विकास निगम : जमीर अहमद

जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन, उत्थान से जुड़ी कई मांगें रखीं

बेंगलूरु, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मंत्री हिंडसगिरी एवं प्रधानमंत्री 15 सूत्री योजना के राज्य सदस्य महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बीजेड जमीर अहमद से भेंट कर समाज के उत्थान से संबंधित विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने जैन समाज के हित में कई महत्वपूर्ण मुद्दों को मंत्री के समक्ष रखा, जिनमें धार्मिक संस्थानों से जुड़े सेवाभावी लोगों के लिए आर्थिक सहयोग और जैन विकास निगम के गठन को शीघ्र अमल में लाने की मांग प्रमुख रही।

महेंद्र सिंघी ने बताया कि कर्नाटक सरकार मंदिरों के पुजारियों को 6000 रुपये का गौरव धन प्रदान करती है। इसी तर्ज पर जैन समाज के स्थानक, मंदिरों एवं तेरापंथ सभा भवनों में संचालित धार्मिक पाठशालाओं में सेवा देने वाले व्यक्तियों को भी यह लाभ दिया जाना चाहिए। उन्होंने इस मांग को जोरदार तरीके से मंत्री के समक्ष रखते हुए कहा कि इससे

धार्मिक शिक्षा और सेवाकार्य को प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक में निवासरत लगभग 20-21 लाख जैन समाज के लोगों के समग्र विकास के लिए पूर्व घोषित जैन विकास निगम के गठन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने का आग्रह किया।

महेंद्र सिंघी ने अल्पसंख्यक समाज के लिए संचालित योजनाओं के लिए सरकार का आभार व्यक्त करते हुए जैन समाज के उत्थान हेतु आवंटित 100 करोड़ रुपये की राशि के लिए भी मंत्री जमीर अहमद को साधुवाद दिया।

कर्नाटक अल्पसंख्यक कांग्रेस के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने कर्नाटक सरकार द्वारा पूरे भारत में सर्वप्रथम सार्वजनिक रूप से महावीर जयंती मनाने की पहल के लिए मंत्री एवं सरकार का आभार जताया। वहीं बेंगलूरु रेलवे मंडल सलाहकार समिति सदस्य अश्विन सेमलानी ने जरूरतमंद जैन समाज के उत्थान के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बीजेड जमीर अहमद ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी अल्पसंख्यक वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि जैन समाज के लिए पूर्व घोषित जैन कल्याण निगम के गठन की प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है। साथ ही धार्मिक पाठशालाओं के कर्मचारियों को सरकारी मानदेय देने के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री से विचार-विमर्श कर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा।

मंत्री ने जैन समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं जनोत्थान कार्यों की भी सराहना की।

अंत में जैन प्रतिनिधिमंडल द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमीर अहमद एवं पूर्व मंत्री हिंडसगिरी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जितेंद्र अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मोहनखेड़ा तीर्थ देश-विदेश का महत्वपूर्ण आस्था केंद्र : डॉ. दिनेश गुरुजी

महाकाल मंदिर उज्जैन के पुजारी का भव्य स्वागत, दादा गुरु राजेंद्रसूरी की महिमा का किया गुणगान

मोहनखेड़ा (राजगढ़), 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मध्य प्रदेश के विश्वविख्यात श्री आदिनाथ राजेंद्र जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट), श्री मोहनखेड़ा तीर्थ में शुक्रवार को एक गरिमामय धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। उज्जैन स्थित बाबा श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के विद्वान पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी ने तीर्थ पहुंचकर प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री आदिनाथ एवं दादा गुरु श्रीमद् विजय

इस अवसर पर तमिलनाडु से पधारे लाभार्थी परिवार के गुरुभक्त नरेश रतनचंद कोठारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने जैन विधि से दादा गुरु श्री राजेंद्र सूरीश्वरजी महाराजा की अतिदिव्य प्रतिमा का प्रातःकालीन पूजन-अर्चन किया।

कार्यक्रम के दौरान तीर्थ धाम के मैनेजिंग ट्रस्टी सुजानमल सेठ सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। ट्रस्टी सुजानमल सेठ ने तीर्थ की विभिन्न दुर्लभ गतिविधियों एवं आगामी आयोजनों की विस्तृत जानकारी डॉ. दिनेश गुरुजी को दी।

तीर्थ धाम की ओर से डॉ. दिनेश गुरुजी का तिलक, माल्यार्पण एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। वहीं डॉ. गुरुजी ने भी मंत्रोच्चार के साथ महाकालेश्वर भगवान की दिव्य भस्म (भभूती) एवं प्रसाद भेंट कर, विशेष दुपट्टा ओढ़ाकर सुजानमल सेठ का सम्मान किया।

अपने स्वागत से अभिभूत डॉ. दिनेश गुरुजी ने मोहनखेड़ा तीर्थ की पवित्र धरा की अलौकिक ऊर्जा का उल्लेख करते हुए कहा कि

आचार्य श्रीमद् विजय राजेंद्र सूरीश्वरजी महाराजा (1827-1906) जैन धर्म के श्वेतांबर संप्रदाय के महान धर्म सुधारक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दादा गुरु एक धर्मनिष्ठ, सच्चे और कर्मठ संत थे।

वे ज्योतिषशास्त्र के पूर्ण ज्ञाता एवं विलक्षण विद्वान थे।

उनकी शिक्षा और उपदेशों से असंख्य लोग लाभान्वित हुए हैं।

डॉ. गुरुजी ने यह भी उल्लेख किया कि किसी संत का जन्म और निर्वाण एक ही तिथि को होना अत्यंत अद्भुत एवं चमत्कारिक घटना है।

उन्होंने कहा कि जिस पावन भूमि पर दादा गुरु का अंतिम संस्कार हुआ, वही आज श्री मोहनखेड़ा तीर्थ देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए एक प्रमुख आस्था केंद्र बन चुका है। साथ ही उन्होंने तीर्थ की सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं और संचालन की सराहना भी की।

कार्यक्रम के अंत में तीर्थ धाम के जनसंपर्क अधिकारी प्रीतेश जैन ने सभी आगंतुकों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

को-ऑप्शन मेंबर्स के चयन हेतु आवेदन प्रक्रिया पूरी

अंतिम दिन कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने किया आवेदन

बांसवाड़ा, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा में को-ऑप्शन मेंबर्स के चयन के लिए आवेदन प्रक्रिया के अंतिम दिन कांग्रेस पार्टी से जुड़े उम्मीदवारों ने अपने नामांकन प्रस्तुत किए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कांग्रेस पार्टी से कसुला रोहित, मोहम्मद मजीद (मुज्जू), कोरला प्रतिमा नरेश रेड्डी एवं कमर सुल्ताना गौस ने को-ऑप्शन इलेक्शन के लिए आवेदन किया।

इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें चेयरमैन एरवाला कृष्ण रेड्डी, पूर्व म्युनिसिपल चेयरमैन जंगम गंगाधर, पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन नरला रविंदर एवं गुरु विनय कुमार स्वामी प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम में तड़कोल सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष पिटला श्रीधर, पूर्व काउंसलर नरला नंदकिशोर, म्युनिसिपल काउंसलर अब्दुल काले के, हकीम, रमेश काटी के, जंगम राजू, नागेश, रुक्मिणी, पूर्व वार्ड मेंबर सलीम, कोठा अशोक सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

सीवी आनंद को डीजीपी बनने पर गायकवाड़ ने दी बधाई

बांसवाड़ा, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में सीवी आनंद द्वारा पदभार ग्रहण करने के शुभ अवसर पर समाज-सेवी एवं एससी, एसटी, दलित टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राम चंद्र गायकवाड़ ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राम चंद्र गायकवाड़ ने कहा कि सीवी आनंद ने एक काबिल, ईमानदार और कमिटेड पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने अपने कार्यकाल में हमेशा निष्पक्षता और समर्पण के साथ कार्य किया है।

उन्होंने बताया कि निज़ामाबाद जिले में एसपी के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान सीवी आनंद ने पत्रकारों के साथ

सम्मानजनक व्यवहार किया और आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना।

गायकवाड़ ने कहा कि कई ऐसे लोग, जो अन्याय का सामना कर रहे थे, उन्हें सीवी आनंद के प्रयासों से न्याय मिला, जो उनके संवेदनशील और न्यायप्रिय व्यक्तित्व को दर्शाता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डीजीपी के रूप में सीवी आनंद के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य के लोगों को न्याय मिलेगा और कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

निज़ामाबाद जिले के एससी, एसटी एवं दलित शिक्षकों की ओर से भी सीवी आनंद को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

राम चंद्र गायकवाड़, जो दलित कल्याण समिति के जिला महासचिव भी हैं, ने कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य में न्याय और सुरक्षा का माहौल और मजबूत होगा।

भजन गायक धनराज जोशी का सड़क हादसे में निधन

मेवाड़ (राजस्थान), 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेवाड़ क्षेत्र के सुप्रसिद्ध भजन गायक धनराज जोशी का शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में निधन हो गया। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह दरोली के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ने के बाद पलट गई। हादसे में कार चालक राजेंद्र सोनेरी भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार जारी है। सूत्रों के अनुसार धनराज जोशी गुरुवार रात हल्दीघाटी के पास सेमल गांव में आयोजित भजन संध्या में प्रस्तुति देने गए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वे अपने बेटे और अन्य साथियों के साथ कार से अपने गांव बड़वाई लौट रहे थे।

रास्ते में उनके बेटे और साथी किसी कार्यवश उदयपुर में उतर गए। इसके बाद जब वे बड़वाई लौट रहे थे, तभी सुबह करीब 5 बजे दरोली के पास यह हादसा हो गया और कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई।

हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने डबोक थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस एवं हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को एम्बुलेंस के जरिए डबोक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद भजन गायक धनराज जोशी को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल चालक राजेंद्र को आगे उपचार के लिए एमबी अस्पताल रेफर किया गया।

धनराज जोशी मेवाड़ और मारवाड़ क्षेत्र में अपने भजनों और हास्य शैली के लिए बेहद लोकप्रिय थे। उन्होंने अपनी मधुर आवाज और अनूठी प्रस्तुति से देशभर में राजस्थानी समाज के बीच विशेष पहचान बनाई थी।पिछले वर्ष बाबा रामदेव भजन मंडली द्वारा आयोजित जागरण में उन्होंने अपनी प्रस्तुति से भाग्यनगर (हैदराबाद) के श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था।धनराज जोशी की शिक्षा कक्षा 8 तक ही हुई थी, लेकिन उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर संगीत जगत में ऊंचा स्थान हासिल किया।

उन्होंने स्कूल में पहली कक्षा में ही पहली बार मंच पर गायन प्रस्तुति दी थी।उनके परिवार में भी संगीत का माहौल रहानाना-नानी और माता भोली बाई भी भजन गायक थे। चार बहनों में वे इकलौते भाई थे और उनकी बहनें भी भजन व सांस्कृतिक गीत गाती हैं।धनराज जोशी अपने पीछे दो बेटेगणपत व सोनू, तथा एक बेटी किरण को छोड़ गए हैं।सोशल मीडिया पर भी उनकी बड़ी लोकप्रियता थी, उनके इंस्टाग्राम पर लगभग 3.79 लाख फॉलोअर्स थे।

हैदराबाद इंटरनेशनल ज्वेलरी शो 2026 का भव्य शुभारंभ

दक्षिण भारत का सबसे बड़ा बी2बी ज्वेलरी प्रदर्शनी शुरू

हैदराबाद, 1 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

दक्षिण भारत की सबसे बड़ी बी2बी ज्वेलरी प्रदर्शनी हैदराबाद इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (एचआईजेएस) 2026 का आज भव्य उद्घाटन किया गया। तीन दिवसीय यह प्रदर्शनी 1, 2 और 3 मई 2026 तक एस.एस. कन्वेंशन सेंटर, शमशाबाद, हैदराबाद में आयोजित हो रही है।

उद्घाटन समारोह में दक्षिण भारत के प्रमुख ज्वेलरी एसोसिएशंस और उद्योग के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने शिरकत की, जिसने प्रदर्शनी के लिए जोरदार शुरुआत का संकेत दिया।

एचआईजेएस 2026 ने कई

नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस प्रदर्शनी में शामिल प्रमुख आंकड़े इस प्रकार हैं:- 20,00,000 से अधिक यूनिक ज्वेलरी डिज़ाइन, 250+ प्रमुख निर्माता और थोक विक्रेता , 700+ एग्जीबिशन बूथ्स और 1,50,000+ वर्ग फुट में फैला विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र।

प्रदर्शनी में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल सहित देश के विभिन्न राज्यों से व्यापारी और विजिटर्स पहुंचे।

एचआईजेएस को दक्षिण भारत के प्रमुख ज्वेलरी एसोसिएशंस का भरपूर समर्थन प्राप्त है, जिससे यह क्षेत्र के खुदरा विक्रेताओं और निर्माताओं के लिए एक विश्वसनीय और प्रभावशाली बी2बी सोर्सिंग प्लेटफॉर्म बन गया है।

प्रदर्शनी के दौरान ज्ञानवर्धक सेमिनार भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें शामिल प्रमुख विषय हैं: जेमस्टोन्स : उत्पत्ति, पहचान और मूल्यांकन, रिटेल ज्वेलरी में निर्यात के अवसर, ज्वेलरी रिटेल में टेक्नोलॉजी और रिस्क मैनेजमेंट एवं इंश्योरेंस।

युनाइटेड एग्जीबिशंस के प्रोजेक्ट डायरेक्टर वी.के. मनोज ने कहा,हैदराबाद इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (एचआईजेएस) 2026 दक्षिण भारत के ज्वेलरी उद्योग के लिए एक नया मील का पत्थर साबित हुआ है। व्यापारियों और निर्माताओं की भारी प्रतिक्रिया ने इस प्लेटफॉर्म के प्रति उनके विश्वास को दर्शाया है।

हम पूरे उद्योग के सर्वश्रेष्ठ ब्रांड्स को एक छत के नीचे लाने में सफल रहे हैं।

क्खगड-2026 सोने, हीरे, चांदी और कीमती रत्नों के आभूषणों का एक विशाल संग्रह प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें पारंपरिक शिल्पकला को आधुनिक डिज़ाइन और इनो-वेशन के साथ जोड़ा गया है।

नि:शुल्क इंडक्शन वितरण कार्यक्रम स्थगित

अग्रवाल समाज, अशोक नगर शाखा का निर्णय, नई तिथि जल्द घोषित होगी

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, अशोक नगर शाखा द्वारा आयोजित होने वाला नि:शुल्क इंडक्शन वितरण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

प्रेस विज्ञप्ति में शाखा के मानद मंत्री सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि कुछ आकस्मिक कारणों के चलते कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम की नई तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी, जिसके बारे में समाज के सभी सदस्यों को समय रहते अवगत कराया जाएगा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रेवंत ने आरटीसी को मजबूत करने के लिए संयुक्त कार्य योजना का आह्वान किया

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को आरटीसी कर्मचारी यूनियनों से निगम को मजबूत करने और यात्री सेवाओं में सुधार के लिए एक व्यापक कार्य योजना के साथ आगे आने का आग्रह किया।

यूनियनों को साझा रणनीति बनाने का सुझाव

अपने निवास पर यूनियन प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि सभी यूनियनों को मान्यता प्राप्त यूनियन चुनाव और आरटीसी विलय जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा कर एक साझा रणनीति बनानी चाहिए और अपने प्रस्ताव सरकार को सौंपने चाहिए।

लंबित मुद्दों और पीआरसी के समाधान का आश्वासन

उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) सहित लंबित मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आरटीसी की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विद्युतीकरण और वित्तीय सुधार पर जोर

रेवंत रेड्डी ने सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला, जिसमें भर्ती, बेड़े का विस्तार और वित्तीय सहायता शामिल है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत और ऋणों के पुनर्गठन के माध्यम से लागत कम करने के कदम उठाए जा रहे हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यूनियन नेताओं के साथ नियमित बैठकें करने का निर्देश दिया और आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की चिंताओं को दूर किया जाएगा। उन्होंने दो-हराया कि सरकार आरटीसी कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी है।

सी.वी. आनंद ने तेलंगाना के डीजीपी के रूप में कार्यभार संभाला

अपराध रोकथाम और आधुनिक पुलिसिंग पर दिया विशेष ध्यान

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी सी.वी. आनंद ने शुक्रवार को तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में कार्यभार संभाल लिया।

श्री आनंद ने कार्यभार संभालने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि पुलिस बल के प्रमुख के रूप में सेवा करना किसी भी आईपीएस अधिकारी के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने दोहराया कि कानून व्यवस्था बनाए रखना, शांति सुनिश्चित करना और जन सद्भाव को बनाए रखना पुलिस बल की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

नए पुलिस महानिदेशक ने अपराध रोकथाम और जांच जैसे प्रमुख पुलिसिंग कार्यों को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभाग दिन-रात गश्त और 'डायल 100' आपातकालीन सेवा सहित मौजूदा प्रणालियों को नया रूप देगा और आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए रात्रि गश्त को और भी गहन बनाने पर विशेष ध्यान देगा।

श्री आनंद ने अपराध के बदलते स्वरूप, साइबर अपराध और संपर्क हीन अपराधों में वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि अपराधी तकनीक का उपयोग करके तेजी से दूर से ही अपराध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर धोखाधड़ी, नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों और संगठित अपराध से निपटने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और इसमें जिला स्तर के अधिकारियों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

उन्होंने यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा में सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि राज्य भर में यातायात नियमों की निगरानी के लिए एक समर्पित ब्यूरो स्थापित करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा, बाल तस्करी की रोकथाम और आपदा प्रबंधन की तैयारी को अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है। श्री आनंद ने बताया कि उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस विभाग में संरचनात्मक सुधार किए जाएंगे, जिनमें प्रमुख इकाइयों का पुनर्गठन और प्रशिक्षण में सुधार शामिल हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि तेलंगाना पुलिस की देश के अग्रणी पुलिस बलों में से एक के रूप में प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

माओवादियों के बारे में उन्होंने कहा कि शीर्ष नेताओं सहित लगभग सभी माओवादी या तो आत्मसमर्पण कर चुके हैं या मुठभेड़ों में मारे गए हैं और तेलंगाना में केवल पांच माओवादी बचे हैं। उन्होंने उनसे मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की।

पहले वेतन रोका, फिर प्रमोशन

कैट पहुंचा भूवैज्ञानिक विष्णु के उत्पीड़न का मामला

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । विश्व श्रमिक दिवस (01 मई) पर पूरी दुनिया जहाँ श्रमिकों को सम्मानित करती हैं और अनेकों कार्यक्रम आयोजित कर उनके योगदान की सराहना करती हैं, वहीं भारत सरकार का एक उपक्रम ऐसा भी हैं, जो अपने अधिकारी को न केवल प्रताड़ित करने की कोशिश कर रहा है, बल्कि इससे आहत उक्त अधिकारी आत्महत्या करने तक को मजबूर है। और तो और यह मामला एक भूविज्ञानी से जुडा होने के चलते और भी गंभीर हो जाता है। हालांकि लंबे समय से विभागीय उत्पीड़न के शिकार जीएसआई के भूवैज्ञानिक विष्णु कुमार का मामला अब सीएटी इलाहाबाद पहुंच गया है। उन्होंने अपनी याचिका में अपने वरिष्ठ अफसरों पर मनमाने तरीके से वेतन रोकने, यूपीएससी द्वारा चयनित होने के बावजूद उनकी नियुक्ति को दुर्भावनापूर्ण तरीके से रद्द करने का आरोप लगाया है।मूल रूप से उत्तर प्रदेश में बलिया के रहने वाले भूविज्ञानी विष्णु कुमार सिंह ने इस संबंध में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) में याचिका दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने पूरे मामले की सक्षम अधिकारी से जांच कराने और रोका गया वेतन तत्काल प्रभाव से जारी कराने की मांग की है।

जीएसआई आंध्र प्रदेश यूनिट के हैदराबाद कार्यालय में तैनात भू वैज्ञानिक विष्णु कुमार सिंह ने अपनी याचिका में बताया कि उनका चयन संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2022 के तहत हुआ था। नवंबर 2023 में इंटरव्यू के बाद उन्हें यह परीक्षा 13वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की थी। इसके बाद उनकी नियुक्ति की औपचारिकताएं भी शुरू हुई, लेकिन जीए-सआई ने दुर्भावनापूर्वक उनका नियुक्ति-पूर्व प्रमाण पत्र, चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन, सतर्कता मंजूरी, सत्यनिष्ठा प्रमाण पत्र आदि जारी नहीं किया। इसकी वजह से उन्हें एक सुनहरे अवसर से हाथ धोना पड़ा है।

वेतन रोकने का आरोप

अपनी याचिका में भू वैज्ञानिक ने बताया है कि उनके वेतन को बार-बार और मनमाने तरीके से रोका गया। यहां तक कि फील्ड ड्यूटी का खर्च भी बिना उन्हें जानकारी दिए काट लिया गया। बल्कि फील्ड ड्यूटी को उनकी अनुपस्थिति बता कर छुट्टियों का वेतन काट लिया गया।यहां तक कि पीजी पोर्टल पर गलत इनपुट दर्ज किए गए। इससे अपने घर से करीब 4000 किमी दूर रह रहे भूवैज्ञानिक को ना केवल आर्थिक, बल्कि शारीरिक और मानसिक परेशानियों से भी जूझना पड़ रहा है। अपनी आपबीती सुनाते हुए उन्होंने यहाँ तक कहा कि वे मानसिक उत्पीड़न से इस कदर आहत है कि कभी-कभी उनके मन में आत्मघाती कदम उठाने के विचार आते है।

नियुक्ति का डोजियर लौटाया

विष्णु सिंह ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक अधिकारी, आईबीएम ने महज अपनी टशन की वजह से यूपीएससी में चयन के बवाजूद उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी। यहां तक कि यूपीएससी के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए उनका डोजियर खान मंत्रालय को लौटा दिया गया। यह सीधे-सीधे डीओपीटी के नियमों का भी उल्लंघन है, जबकि उनके खिलाफ आज तक कोई निलंबन या दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी सेवा के दौरान स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के बावजूद पूरे डेडिकेशन के साथ काम किया है।बावजूद इसके, उनके साथ लगातार भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है।

याचिका में बताई पारिवारिक समस्या

भूवैज्ञानिक ने सीएटी में दाखिल अपनी याचिका में अपनी पारिवारिक समस्या का भी उल्लेख किया है. उन्होंने बताया कि वह अपने परिवार में इकलौते कमाने वाले हैं, जबकि घर में उनके बुजुर्ग और हार्ट की बीमारी से ग्रसित माता-पिता के अलावा एक विवाह योग्य बहन भी है। ऐसी स्थिति में लगातार वेतन रोके जाने और भेदभावपूर्ण व्यवहार से उन्हें भयानक मानसिक तकलीफ से गुजरना पड़ रहा है। उन्होंने सीएटी से रोका गया वेतन तत्काल प्रभाव से रिलीज करने की मांग की है। साथ ही उत्पीड़न के लिए जिम्मेवार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कदम उठाने की माँग की, ताकि किसी अन्य के साथ कोई ऐसा व्यवहार न करें, जो उसे आत्महत्या के लिए उकसा दें।

हाल ही में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों का कार्यभार संभालने वाले वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री निवास पर हुई इस शिष्टाचार भेंट में श्री तरुण जोशी, श्रीमती सुमति, श्री डी.एस. चौहान, श्रीमती शिखा गोयल और श्री शाहनवाज कासिम शामिल थे। इन अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया और अपने नए उत्तरदायित्वों के संबंध में चर्चा की।

राज्य सरकार के नवनियुक्त सलाहकारों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से की भेंट

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): राज्य सरकार के सलाहकार के रूप में नियुक्त किए गए श्री वी. हनुमंत राव और श्री बी. शिवधर रेड्डी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की।

सरकार के नए सलाहकारों की औपचारिक मुलाकात

हाल ही में सलाहकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने के बाद, दोनों वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री निवास पर पहुँचकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें नई भूमिका के लिए बधाई दी और राज्य के विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग देने की अपेक्षा की। इस मुलाकात के दौरान राज्य से जुड़े विभिन्न नीतिगत विषयों और सरकार की प्राथमिकताओं पर संक्षिप्त चर्चा हुई। श्री हनुमंत राव और श्री शिवधर रेड्डी की नियुक्तियों को सरकार के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने और अनुभवी नेतृत्व को साथ लेकर चलने के कदम के रूप में देखा जा रहा है।

पूरे तेलंगाना में मनाया गया मई दिवस, सरकार ने श्रमिक कल्याण की प्रतिबद्धता दोहरायी

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (मई दिवस) शुक्रवार को पूरे तेलंगाना में मनाया गया, जिसमें राज्य भर में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने रैलियों, सभाओं और विशेष कार्यक्रमों में भाग लिया।

रवींद्र भारती में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में, श्रम एवं खनन मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने सभी क्षेत्रों में श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार मजदूरों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और उनकी कार्य स्थितियों में सुधार की दिशा में काम करेगी।

प्रमुख पहलों पर मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के मार्गदर्शन में 'गिग वर्कर्स' तक सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने 'गिग वर्कर्स विधेयक' की मंजूरी को एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इससे लगभग चार लाख श्रमिकों के लाभान्वित होने की उम्मीद है।

श्री विवेक ने नियोक्ताओं की ओर से श्रमिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए टाटा समूह के सहयोग से एटीसी की स्थापना की भी घोषणा की। भारी निवेश के साथ 12 केंद्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू किये जा रहे हैं और पाठ्यक्रमों में अब कृषि से संबंधित कौशल भी शामिल किये गये हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार ने 'टॉमकॉम' के माध्यम से विदेशों में नौकरी के अवसर सुलभ कराने के लिए धन आवंटित किया है, जिसमें युवाओं को जर्मन भाषा का प्रशिक्षण देना भी शामिल है। स्वास्थ्य सेवाओं के मोर्चे पर उन्होंने ईएसआई (ईएसआई) सुविधाओं के विस्तार की योजना की घोषणा की। इसमें शमशाबाद और रामागुंडम में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल और महबूबनगर में 30 बिस्तरों वाले अस्पताल की स्थापना शामिल है।

उन्होंने यह भी बताया कि अगले वर्ष से श्रमिकों के लिए श्री पी. जनार्दन रेड्डी के नाम पर एक 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' शुरू किया जायेगा।

नलगोंडा फार्मा प्लांट में विस्फोट, 9 घायल

नलगोंडा, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के नलगोंडा जिले के चित्यला मंडल के वेलीमिनेदु गांव के बाहरी इलाके में शुक्रवार को एक फार्मा कंपनी में विस्फोट के बाद लगी आग में कम से कम नौ लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

यह घटना नोश फार्मा कंपनी में हुई, जहां विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई और आसपास के इलाके में धुएं का घना गुबार छा गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत आपातकालीन सेवाओं को सूचित किया, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। परिसर को घेरने वाले घने धुएं के कारण बचाव कार्यों में बाधा आई, जिससे टीमों के लिए प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल हो गया। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वर्तमान में उनका इलाज चल रहा है।

विस्फोट के कारण और पीड़ितों की स्थिति के संबंध में विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्का ने मधुसूदन के परिवार को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 1 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने शुक्रवार को स्वर्गीय सीपीआरवीओ मराबोयिना मधुसूदन के परिवार को हर संभव सरकारी सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने मधुसूदन को एक समर्पित पत्रकार और सेवा भावना से ओत-प्रोत व्यक्ति बताया।

उपमुख्यमंत्री ने मिर्यालगुडा में स्वर्गीय मधुसूदन के आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने मृतक की पत्नी ज्योति और मां पार्वतीम्मा से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। भट्टी विक्रमार्का ने मधुसूदन के साथ अपने पुराने संबंधों का जिक्र करते हुए उनकी मृत्यु को व्यक्तिगत क्षति बताया।

मधुसूदन की पत्रकारिता मूल्यों और लोक सेवा के प्रति निष्ठा की प्रशंसा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उनका समर्पण कई लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि सरकार हर संभव तरीके से उनके साथ खड़ी रहेगी।

परिवार की मांग पर भट्टी विक्रमार्का ने आश्वासन दिया कि मधुसूदन की पत्नी ज्योति का हैदराबाद या मेदचल-मल्काजगिरि जिले में ट्रांसफर कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, बी.टेक स्नातक उनके बेटे वेंकट सूरज को उपयुक्त सरकारी नौकरी दिलाने में भी सरकार पूरा सहयोग करेगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, यह परिवार मेरा अपना परिवार है। भविष्य में किसी भी प्रकार की मदद की जरूरत हो तो सीधे मुझसे संपर्क करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.